कलम की ताकत हमारी समृद्धि, साहित्य ही हमारी विरासत

राष्ट्रीय कवि संगम का पंचम प्रांतीय अधिवेशन

● **अमित कुमार सिंह**

नवादा जिला मुख्यालय में राष्ट्रीय कवि संगम का पंचम प्रांतीय अधिवेशन आयोजित हुआ। 01 और 02 अक्टूबर को हुए अधिवेशन में अंतर्राष्ट्रीय कवियों का जमावड़ा लगा। सूबेभर से करीब 150 कवि-कवयित्रियों का जत्था भी नवादा पहुंचा। कार्यक्रम स्थल नवादा नगर भवन कविताओं की मधुर स्वर लहरियों से गूंजता रहा। दो दिवसीय अधिवेशन में कई सत्र आयोजित किए गये, काव्य गोष्ठी में देश की दशा-दिशा पर काव्यपाठ हुआ, तो हास्य की फुहारें भी छूटी। उत्तरप्रदेश के कवि अर्जुन सिसोदिया, बिहार के हास्य कवि शंभू शिखर, बनारस की वीर रस कवयित्री प्रियंका राय उर्फ नंदिनी, मध्यप्रदेश के हास्य कवि जानी बैरागी, शृंगार रस की कवयित्री मनिका दूबे के साथ-साथ कई नामचीन कवियों का समागम हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य नई-नई प्रतिभाओं को काव्य रचना के लिए प्रेरित करना रहा, जिससे नई पीढियों में राष्ट्रीय अस्मिता की भावना जागृत हो सके।

☞ **हम कलम के सिपाही, संवेदनाओं को जगाना हमारा कार्य :-** अधिवेशन का प्रारम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। प्रथम सत्र में राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल उर्फ बाबू जी, प्रांतीय अध्यक्ष प्रभाकर कुमार राय, जिलाध्यक्ष प्रो. विजय कुमार सिंह और संरक्षक वीणा कुमारी मिश्रा ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल उर्फ बाबू जी ने कहा कि कलम की ताकत हमारी समृद्धि है, साहित्य ही हमारी विरासत है। हम कलम के सिपाही हैं। संवेदनाओं को जगाना हमारा कार्य है। राष्ट्रीय कवि संगम के पंचम प्रांतीय अधिवेशन में कवि-कवयित्रियों को संबोधित करते हुए उन्होंने ये संदेश दिया। नवादा नगर भवन में आयोजित अधिवेशन सह अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपना आशीर्वचन दिया। उन्होंने कहा कि साहित्य साधना निरंतर चलती रहनी चाहिए। कवियों की वर्तमान पीढ़ी बालक कवि तैयार करें। जबकि बालक कवि अपना पालक कवि बनाएं, जो उनकी काव्य रचनाओं को परिष्कृत करें।

☞ **सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना जगाकर करना है राष्ट्र जागरण :-** प्रांतीय अध्यक्ष प्रभाकर कुमार राय ने नवादा की पौराणिक और प्राचीन धरोहरों का वंदन करके अपने वक्तव्य की शुरुआत की। अधिवेशन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कवि संगम गांव-गांव तक जायेगा और कवि व साहित्यकारों की फौज तैयार करेगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय कवि संगम का सूत्र वाक्य है राष्ट्र जागरण, धर्म हमारा। इस सूत्र वाक्य से हम जनमानस में सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना जगाकर राष्ट्र जागरण का कार्य करते हैं। विशिष्ट अतिथि एसबीआई शाखा के प्रबंधक अनूप कुमार वर्मा, प्रांतीय सलाहकार अविनाश कुमार पांडेय का संबोधन हुआ। इसके पूर्व कवि दयानन्द गुप्ता ने राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् और संरक्षक उत्पलकान्त भारद्वाज ने सरस्वती वंदना गायन से अधिवेशन के सत्र को प्रारम्भ दिया। अधिवेशन में राष्ट्रीय कवि संगम की जिला इकाई का विस्तार किया गया। नीतेश कपूर को जिला महामंत्री, दयानन्द गुप्ता को संगठन सचिव और मनमोहन कृष्ण को मीडिया प्रभारी का दायित्व दिया गया। मंच संचालन रतन कुमार मिश्रा द्वारा हुआ।

☞ **यदि बिहार जग गया, तो हम फिर से विश्व के मार्गदर्शक होंगे :-** अधिवेशन की दूसरे सत्र में आईपीएस सह लेट्स इंस्पायर बिहार संस्थापक विकास वैभव ने कवियों का मनोबल बढ़ाया। बिहार की समृद्ध विरासत का उदाहरण देते हुए उन्होंने सूबे को फिर से विश्व मार्गदर्शक

के तौर पर उभारने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों में व्यक्ति से व्यक्ति को जोड़ने की क्षमता थी, सहयोग की भावना थी। जिस संस्कृति में इस प्रकार के भाव होते हैं, वह निश्चित उत्कर्ष पर पहुंचती है। उन्होंने कहा कि जब से बिहार में भेदभाव प्रारम्भ हुआ, तब से हमारी दुर्गति शुरू हुई। कवि पंक्तियों के माध्यम से हमें अपने स्वत्व का बोध कराता है। उन्होंने कहा कि ऐसी कविताओं की रचना हो, जो भाव जगाएं, जो व्यक्ति को व्यक्ति से जोड़े। यदि बिहार जग गया, बिहार के युवा जग गए। तो हम फिर से विश्व के मार्गदर्शक होंगे। उन्होंने कहा कि यदि कवि अपनी परिधि लांघ दें, तो राष्ट्र फिर से सशक्त हो जायेगा। राष्ट्रीय कवि संगम की यही परिकल्पना है।

☞ **हम श्रमनायक है भारत के और मेधा के अवतारी हैं.....हम धरती पुत्र बिहारी हैं! :-** भारत है विश्व का गुरु ये मानते है सब, हम चांद पर भी अब तिरंगा गाड़ आएं हैं.... इन पंक्तियों से हास्य कवि शंभू शिखर ने तीसरे सत्र की काव्य यात्रा में जान डाल दिया। हम श्रमनायक है भारत के और मेधा के अवतारी हैं... हम धरती पुत्र बिहारी हैं... के बोल पर उन्होंने महफिल लूट ली। कुछ गिरे हुए लोगों के आगे, मेरे बाबूजी की पगड़ी जल गई के बोल पर जॉनी बैरागी ने देश की सामाजिक सहिष्णुता का ताना-बाना बुना। तो प्रियंका राय नंदिनी ने सत्य लिखेंगे, सत्य जियेंगे, सत्य पे हम मर जायेंगे; हम दिनकर के वंशज हैं हम अपना धर्म निभायेंगे गाकर राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कड़ी में मध्यप्रदेश के सिरोहा से आई मणिका दूबे ने किसी के बीच का अंतर नहीं हूं, मैं एक मंजिल हूं एक अवसर नहीं हूं! गाकर शृंगार रस की प्रस्तुति दी। यूपी के अर्जुन सिसौदिया ने वीर रस से ओतप्रोत कविताएं सुनाकर लोगों का भरपूर उत्साहवर्द्धन किया।

☞ **काव्यार्पण व मस्ती और मातम पुस्तकों का हुआ विमोचन :-** अधिवेशन में पत्र-पत्रिकाओं और पुस्तकों का विमोचन हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल उर्फ बाबू जी, आईपीएस विकास वैभव, प्रांतीय अध्यक्ष प्रभाकर कुमार राय और अंतराष्ट्रीय कवियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय कवि संगम के प्रांतीय महामंत्री डॉ. गोपाल प्रसाद निर्दोष संपादित स्मारिका 2023 काव्यार्पण का विमोचन किया गया। साथ ही दरभंगा जिला महासचिव डॉ. चन्द्रमोहन पोद्दार रचित मस्ती और मातम का लोकार्पण करके कहानी संग्रह की एक पुस्तक पाठकों को उपलब्ध करायी गई। तीसरे सत्र में स्थानीय कवि नीतेश कपूर, दयानंद गुप्ता और उत्पल भारद्वाज जैसे कवियों ने समसामयिक विषयों पर अपनी प्रस्तुति दी, जबकि बाल कवि केशव प्रभाकर द्वारा ओज भरी कविताओं के पाठ ने श्रोताओं को हृदयतल से झकझोर कर रख दिया। सृष्टि मिश्रा, तृषा राज, अनुपम मुकुंद, स्पर्श स्माइल, स्पर्धा गुप्ता तथा अनमोल ने भी काव्यपाठ करके श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। देर रात तक हुई कविताओं के पाठ और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच श्रोता राष्ट्रप्रेम की भावना से अनुप्राणित होते रहें।

☞ **बापू और लाल बहादुर की जयंती पर दी काव्याजंलि :-** अधिवेशन के दूसरे दिन नवादा शहर के गोनावां स्थित अमृत गार्डन में कवियों की टोली जुटी। राष्ट्रीय अध्यक्ष की अगुवाई में बापू और लाल बहादुर को काव्यपाठ करके श्रद्धांजलि दी गई। सूबेभर से आए कवियों ने काव्य की विभिन्न विधाएं प्रस्तुत करके अमर नायकों को काव्याजंलि दी। छपता है अब नोटों पर; बंटता है अब हर वोटों पर, बिकती बेटियां कोठों पर.... मौन होकर, वह मुस्काता है; अब नोट ही भारत का भाग्य विधाता है! जैसी काव्य पंक्तियों से नवादा राष्ट्रीय कवि संगम के नवमनोनीत मीडिया प्रभारी मनमोहन कृष्ण ने वर्तमान परिदृश्य में महात्मा के आदर्शों पर व्यंग्यात्मक प्रस्तुति दी। पंचम प्रांतीय अधिवेशन के आयोजन में राष्ट्रीय कवि संगम की नवादा जिला इकाई के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार सिंह, संरक्षक व पूर्व जिलाध्यक्ष वीणा कुमारी मिश्रा, जिला सचिव नीतेश कपूर, संरक्षक प्रो. देवेन्द्र कुमार सिंह, प्रो. रतन कुमार मिश्रा, उत्पल भारद्वाज, मीडिया प्रभारी दयानंद प्रसाद गुप्ता व अन्य सदस्य तन्मयता से जुटे रहें।

☞ **नालंदा के भग्नावशेषों में अर्जुन के गूंजे शांति दूत :-** अधिवेशन का समापन नालंदा के भग्नावशेष दर्शन पश्चात हुआ। इसके पूर्व कवि-कवयित्रियों का जत्था पावापुरी जल मंदिर का भी अवलोकन करने पहुंचा और भगवान महावीर की निर्वाणस्थली पर वंदन निवेदित किया। प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के ध्वंसावशेष में ओज के कवि अर्जुन सिसौदिया ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की धरती पर शांति दूत का पाठ किया। संधि का ले प्रस्ताव स्वयं, केशव दुर्योधन द्वार गए... वो धर्मराज को धर्म सहित दिलवाने जब अधिकार गए... अनुचित करनी पर जब मौन रहे, सबके सब दागी होते हैं। अन्याय समर्थन जो करें, अपयश के भागी होते हैं जैसे काव्य पंक्तियों से उन्होंने बाल, किशोर और युवा पीढ़ी को काव्य रचना और पाठ के लिए प्रोत्साहित किया। नालंदा विश्वविद्यालय के प्रांगण में षष्ठम् प्रांतीय अधिवेशन का आयोजन मधुबनी में कराने की घोषणा हुई और इसके साथ ही राष्ट्रीय कवि संगम का कारवां मधुबनी में एकजुट होने को संकल्पित होकर अपने गंतव्य स्थलों की ओर प्रस्थान कर गया। ●

मूल अतिपिछड़ा से तेली, तमोली, दांगी को नहीं हटाने पर लोकसभा-विधानसभा में खामियाजा भुगतना पड़ेगा : डॉ. रामवली

● अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह

2 अक्टूबर गाँधी जयंती के अवसर पर ऐतिहासिक फैसला लेते हुये विधान परिषद डा0 रामवली सिंह चन्द्रवंशी ने पाँच सूत्री माँगो को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री जन नायक कर्पूरी ठाकुर के पैतृक गॉव कर्पूरी ग्राम से पटना के लिए 6 दिवसीय पद यात्रा की शुरूआत ने पद यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जो बिहार के विभिन्न जिलो से ''पदयात्रा'' रात्री विश्राम के साथ पदयात्रा की गई। इसमें सांसद रामनाथ ठाकुर विधान परिषद सह अतिपिछड़ा आरक्षण बचाओ मौर्चा संघर्ष के बिहार के संयोजक प्रो0 डा0 रामवली सिंह चन्द्रवंशी सहित मौर्चा के तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओ ने जन नायक कर्पूरी ठाकुर के स्मारक स्थल पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे श्रद्धांजली दी गई। उसके बाद यात्रा प्रारंभ की गई।

जिस तरह महात्मा गांधी ने चम्पारण सत्याग्रह कर नमक कानुन को तोड़ा था ठीक उसी प्रकार जन नायक कर्पूरी ठाकुर की जन्म स्थली समस्तीपुर के कर्पूरी ग्राम वहाँ से आरक्षण बचाओ यात्रा का शुभारम्भ विधान परिषद डा0 रामवली सिंह चन्द्रवंशी ने किया मूल अति पिछड़ा आरक्षण यात्रा रथ को पूरे बिहार की यात्रा कर लोगो के संदेश दिया कि हमारी आबादी के अनुकुल हमारी भागीदारी पंचायत से लेकर सदन तक नहीं है। आजादी के 76 साल बीत जाने के बाद आज भी मूल अति पिछड़ा समाज आज हासिये पर है। इसकी दशा और दिशा में परिवर्तन नहीं हुआ। बिहार के जिला परिषद के आरक्षित 8 मे 7 तेली, बिहार के 3 मेयर आरक्षित मे 3 तेली बिहार लोक सेवा आयोग के 103 मे 91 सिर्फ तेली नियुक्त साथ ही शिक्षक, दरोगा, सिपाही, सचिवालय सहायक, जनवितरण की दुकान पर कब्जा जमाये बैठे है। लगभग 80% व्यापार पर सिर्फ तेली का कब्जा बाजार में है। मूल अति पिछड़ा का 90 से 95% तेली, तमोली, दांगी कब्जा जमाये बैठे है। ऐसे में मूल अति पिछड़ा का विकास कैसे संभव है। अगर सरकार 36% भागीदारी देती है। तो विधान सभा के 243 में 88 विधायक लोक सभा के 40 में 15 सांसद तथा राज्य सभा 16 में 6 सांसद तथा विधान परिसद के 75 में 27 विधान परिषद अतिपिछड़ा समाज के बनेगें। लेकिन वर्तमान में 243 में 19, विधान सभा सदस्य है विधान परिषद के 75 में 4 राज्य सभा के 16 में 1 तथा लोक सभा सदस्य के 40 मे 7 है। डा0 रामवली चन्द्रवंशी ने 36% आरक्षण बिहार में मूल अतिपिछड़ा को लागु करने की मांग की। नगर निगम मे 17 मे 3 पद मेयर के लिए अतिपिछड़ा के 3 सीट सुरक्षित में भी जिसमें मेयर के तीनो सीट पर तेली जाति का कब्जा है। उक्त बाते उन्होने मिलकर स्कूल मे सभा को सर्वाधित करते हुए उन्होने कहाँ साथ ही विधान परिषद प्रो0 रामवली सिंह चन्द्रवंशी ने 2015 मे तेली, तमोली और दांगी को मूल अतिपिछड़ा में शामील करने पर कड़ी आलोचना की ये तीनो को मूल अति पिछड़ा से नही हटाया गया तो आने वाला लोक सभा विधान सभा में खमियाजा भुगतने के लिए तैयार रहे। प्रो0 रामवली ने अतिपिछड़ा पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए एससी/एसटी के तर्ज पर अतिपिछड़ा अत्याचार निवारण कानुन वनाने, पंचायत नगर निकाय में 33% आरक्षण करने, रोहिणी कमीशन रिपोर्ट सार्वजनिक करने जिसमें 95% जातियों को आरक्षण का लाभ नही मिलने की बात कहीं। जन नायक कर्पूरी ठाकुर, अब्दुल क्यूब अंसारी एवं पर्वत पुरूष दशरथ मांझी को 'भारत रत्न' से सम्मानित करने की मांग की। साथ ही उन्होने कहा की आजकल कथनी और करणी मे फर्क

है। लोगो को आज गांधी और कपूरी के मांगो पर चलने को लेकर हुई थी। पर 2015 मे तीन जाति तेली तमोली, दांगी को मूल अतिपिछड़ा में शामिल कर हकमारी हुई है। ये तीनो जाति की आर्थिक स्थिति काफी मजबूत है और व्यापार मे तथा शहरीकरण में भी आगे है। तेली के पास अकूत सम्पति है। आज अति पिछड़ा वर्ग के कई मंत्री और एमएलसी है। लेकिन आरक्षण जो मूल अतिपिछड़ा की मांग है। उस पर किसी की जुबान नही खुली। बिहार में 7 माह पूर्व चुनाव हुआ जिसमें तेली जाति के मेयर का तीनो सीट हडंप लिया। जिला परिषद अध्यक्ष पद के 8 अतिपिछड़ा का सुरक्षित या जिसमे 7 सीट तेली ने हड़प लिया। 2015 में शामिल तीनों जातिया ने हड़प लिया। प्रो0 चन्द्रवंशी ने कहाँ कि मूल अतिपिछड़ा की आबादी को जागरूक करने और उनका अधिकार दिलाने के लिए लहु का एक-एक कतरा देने के लिए तैयार हूँ। आप सभी आज संकल्प लेकर जाये कि आप झुठे नेताओं के बहकावे मे नहीं आये। जनगणना पर उन्होने कहाँ कि सरकार वार्ड स्तरीय सूचि रखे। ताकि लोग उसे देखे। एक दो माह के भीतर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जायेगा जिसमे सभी जिला के लोगो को जागरूक किया जायेगा शनिवार के समस्तीपुर के कपूरी ग्राम से शुरू हुई पद यात्रा के समापन महा सम्मेलन के दौरान मिलर हाई स्कूल पटना में मूल अति पिछड़ा आरक्षण बचाओ संघर्ष मौर्चा के संयोजक सह विधान परिषद ने कही। अजय कानू ने कहाँ कि वोट हमारा राज तुम्हारा नही चलेगा, नही चलेगा, माल मालिक के मिर्जा खेले होली साथ उन्होने कहा कि बिहार मे तीन और केन्द्र सं0 दो मांगे है। बिहार में पहली बार मूल अति पिछड़ा की इतनी बड़ी रैली का आयोजन हुआ है। उन्होने कहा कि माँगे पूरी नही होती है तो बड़ा आन्दोलन होगा। 2015 में तेली, तमोली, और दांगी को शामिल कर मूल अति पिछड़ा को ठगने का काम किया है।

प्रो0 शिव जतन ठाकुर ने कहा कि आंकड़े के अनुसार 36% आवादी है तो 36% आरक्षण मिले ताकि समाज के मुख्य धारा मे जुड़ सके। उन्होने शिक्षा पर सबसे ज्यादा जोर दिया और कहा उठो, पढो और संगठीत होकर अधिकार के लिए लड़ो हिमाँयू अंसारी ने कहा कि हिन्दु मुस्लिम के अतिपिछड़ा के लोग एक रहे तो हमे कोई हरा नही सकता। अगर मुस्लिम आवादी जोड़ दिया जाय तो 50% मूल अति पिछड़ा हमारी आबादी होगी। त्रिशा भारद्वाज में अति पिछड़ा का है। आरक्षण बचाना, मिलजूलकर सभी एकता बना अतिपिछड़ा का आरक्षण को बचाने के लिए गीत के माध्यम से लोगो को बताया।

धन्यवाद ज्ञापन कुमार विन्देश्वर ने किया। मौके पर नीतू सिंह निषाद, सुरेश निषाद, प्रयाग सहनी पूर्व जिला परिषद मनोज सिंह चन्द्रवंशी, बनारसी ठाकुर, आशीष नारायण, महेन्द्र भारती, हेशमुद्धीन अंसारी, शिवचन्द्र मंडल, राजेन्द्र सिंह चन्द्रवंशी, पूर्व लोक सभा प्रत्याशी, नवादा, संतोष महतो, दिनेश पाल, वशिष्ट रावत, पूर्व मंत्री रामचन्द्र शहनी, अभिषेक चन्द्रवंशी, राजेश रंजन, आलोक कुमार, अमित सरकार नवादा जिला संयोजक प्रमोद सिंह चन्द्रवंशी चेयरमैन, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अमित सिंह चन्द्रवंशी, सुबोध शर्मा, विनोद कुमार, मिथिलेश कुमार, रंजन वक्सी, डा0 के0पी0 सिंह, विवेक चन्द्रवंशी, अजय चन्द्रवंशी, भगवान चन्द्रवंशी, शिवनाथ सिंह चन्द्रवंशी, विजय कुमार राय, पन्ना लाल चन्द्रवंशी, पवन प्रताप चन्द्रवंशी, गुडडु सिंह, मुखिया, प्रदीप सिंह मुखिया सनोज सिंह, समेत हजारो हजार की संख्या मे लोग मौजूद थे।●

सांसद की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय की बैठक संपन्न

● धर्मेन्द्र सिंह

डॉ. मो० जावेद आजाद सांसद-सह-अध्यक्ष, जिला विकास समन्वय समिति (दिशा) के द्वारा बैठक में जनप्रतिनिधियों तथा पदाधिकारियों के तालमेल से सभी महत्वपूर्ण योजनाओं में जनभागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। गुरुवार को जिला परिषद, सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय समिति (दिशा) की बैठक में अध्यक्षीय संबोधन कर रहे थे। सांसद ने कहा कि दिशा विकास योजनाओं के कार्यान्वयन की एक महत्वपूर्ण माध्यम है। तंत्र को जनोपयोगी एवं प्रभावी बनाने में इस बैठक की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे प्रशासन व जन प्रतिनिधियों में समन्वय स्थापित करने में सहायता प्राप्त होती है एवं विकास की प्रक्रिया को अपेक्षित गति मिलती है। उन्होंने कहा कि आपसी समन्वय विकास के कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हम सबको मिल जुलकर समस्याओं का निदान करना चाहिए। इस अवसर पर सदस्य-सचिव, जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति-सह-जिलाधिकारी, तुषार सिंगला ने सांसद-सह-अध्यक्ष, दिशा एवं अन्य उपस्थित जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि सांसद-सह-अध्यक्ष, दिशा के मार्गदर्शन से हमसब में एक नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार होता है। इससे जिले के विकास को नया आयाम मिलता है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि दिशा की बैठक नियमित रूप से तीन माह में होती है, जो केंद्र प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा का बेहतर मंच है। उन्होंने कहा कि जिले के विकास में सभी जनप्रतिनिधियों का सहयोग अपेक्षित है। हम सभी समाज के हर व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। समेकित प्रयास से सुगमता से लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बैठक में उठाए जाने वाले मुद्दों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही, जनप्रतिनिधियों के लोककल्याणकारी सुझाव को आत्मसात करते हुए उसे क्रियान्वित किया जाएगा।

गौरतलब हो कि बैठक की शुरुआत बिहार गीत के साथ की गई। सभी सदस्य गीत के सम्मान में खड़े रहें। बैठक में स्थानीय विभिन्न मुद्दों पर विमर्श हुआ। सांसद डा० मो० जावेद आजाद ने जिले में विभिन्न सब्जी (मशरूम आदि) की खेती पर जोर दिया। साथ ही उपस्थित विधायक गण ने पोठिया पंचायत अंतर्गत जहांगीरपुर में बने पुल की ऊंचाई अधिक होने तथा अप्रोच की ढाल अधिक होने के कारण दुर्घटना की ज्यादा संभावना होने का मुद्दा लाया गया। तदनुसार प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना अंतर्गत ग्रामीण कार्य प्रमंडल 2 के कार्यपालक अभियंता को इसकी स्थिति रोकने एवं इस पर ध्यान देने का निर्देश दिया है। उन्होंने किशनगंज के विभिन्न प्रखंड की सड़क की समस्या से अवगत कराते हुए कहा कि जर्जर सड़को को रिपेयरिंग करना अति आवश्यक है। सिंचाई से संबंधित कार्य के लिए उत्पन्न समस्याओं को ठीक कराने एवं पंप की आधुनिक सुविधाओं को जल्द से जल्द ठीक कराने का भी निर्देश दिया गया। अटल मिशन फॉर रिजर्वेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉरमेशन (अमृत) के जल मीनार से पानी की आपूर्ति नहीं होने का मामला प्रकाश में लाया गया है। विशेषकर किशनगंज शहरी क्षेत्र के वार्ड संख्या 31 और 32 के पेयजल में आयरन एवं स्वस्थ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अन्य योजनाओं में माननीय सांसद द्वारा टेढ़ागाछ प्रखंड अंतर्गत समेत अन्य उप स्वास्थ्य केंद्र का भवन व स्वास्थ्य कर्मियों के अपेक्षित संख्या में पदस्थापन नहीं होने के संबंध में सदन को अवगत कराया गया। तदनुसार असैनिक शल्य चिकित्सक- सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को इस पर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा अंतर्गत सांसद के द्वारा सभी प्रखंडों में शिक्षक की कमी, विद्यालय भवन अनुपलब्धता, सीमांकन, भवन मरम्मती सुनिश्चित कराने तथा विद्यालय प्रबंधन समिति की नियमित बैठक का निर्देश दिया गया। साथ ही, जिला अंतर्गत निजी विद्यालयों में नए सत्र में पाठ्य पुस्तक बदल देने की प्रवृत्ति को रोकने पर ठोस कदम उठाने और पुरानी किताबो के पुनर्प्रयोग पर निर्देश दिया गया। विधायक गण के द्वारा एनएचएआई के पुल से पानी टपकने तथा जेब्रा क्रॉसिंग बनाने पर निर्देश दिया गया। खनन से संबंधित समीक्षा के क्रम में सभी खनन घाट की सूची उपलब्ध कराने तथा खनन की निर्धारित सीमा पर विभागीय प्रावधान उपलब्ध कराने का मामला उठाया गया। बिजली से संबंधित प्रीपेड स्मार्ट मीटर से अत्यधिक बिलिंग होने का मामला लाया गया। कार्यपालक अभियंता, ऊर्जा को निर्देश दिए गए। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की प्रमुख योजनाओं का अत्यधिक लाभ दिलवाने हेतु प्रचार प्रसार का निर्देश दिया गया। गौर करे कि जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में सांसद ने केंद्र प्रायोजित योजनाओं, स्थानीय क्षेत्र विकास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई), राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), समेकित बाल विकास योजना (आईसीडीएस), सर्व शिक्षा अभियान(एसएसए), पीएम पोषण योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी), दीन दयाल अंत्योदय योजना (एनआरएलएम), दीन दयाल उपाध्याय-ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई), प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन

कार्यक्रम (पीएमईजीपी), जल-जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (एसबीएम-जी), प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना (पीएमएवाय-जी), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन-राष्ट्रीय रूर्बन मिशन (एनआरयूएएक), प्रधानमंत्री उज्जवला योजना (पीएमयूवाय)-बी.पी.एल. परिवारों के लिए एलपीजी कनेक्शन, स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (एसबीएम), स्मार्ट सिटी मिशन, डिजिटल इंडिया-पब्लिक इंटरनेट एक्सेस प्रोग्राम-प्रत्येक ग्राम पंचायत में साझा सेवा केन्द्र उपलब्ध कराना, टेलीकॉम, रेलवेज, हाइवेज, वाटरवेज, माइन्स आदि जैसे अवसंरचना संबंधी कार्यक्रम, प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (पीएमकेकेवाई), एकीकृत विद्युत विकास योजना (आईपीडीएस), परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई), मृदा स्वास्थ्य कार्ड(एसएचसी), पी. एम.के.एस.वाई (एचकेकेपी) योजनाओं की समीक्षा की गई। वही सदस्यों को सभी योजनाओं पर विस्तृत जानकारी पावरप्वाइंट प्रस्तुति द्वारा दिया। अध्यक्ष द्वारा योजनाओं में अद्यतन प्रगति का अवलोकन किया गया। सदस्यों ने योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु अपना विचार व्यक्त किया। सचिव-सह-डीएम, तुषार सिंगला ने कहा कि सदस्यों के सुझावों पर तत्काल कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी। कार्यक्रमों एवं योजनाओं का पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं उत्तरदायित्व के साथ क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। इस बैठक में डीएम, डीडीसी, एडीएम समेत जिला परिषद अध्यक्षा, किशनगंज के सभी चार विधान सभा क्षेत्र के विधायक, सभी नगर निकाय के मुख्य पार्षद, जिला परिषद सदस्य, स्थानीय त्रिस्तरीय पंचायत राज के जन प्रतिनिधि के अतिरिक्त सभी संबधित विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे।●

डीएम ने जिले के खेल अवसंरचना का किया निरीक्षण

● धर्मेन्द्र सिंह

जिलाधिकारी तुषार सिंगला के द्वारा शुक्रवार को जिला में खेल अवसंरचना और खेल गतिविधियों की समीक्षा जिला खेल पदाधिकारी के साथ की गई। डीएम ने जिला मुख्यालय स्थित खेल भवन सह व्यायामशाला, आउटडोर स्टेडियम, निर्माणाधीन भारतीय खेल प्राधिकरण (प्रशिक्षण केंद्र), इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम डीएम नवनिर्मित खेल भवन पहुंचे। निरीक्षण के क्रम में जिला खेल पदाधिकारी ने बताया कि खेल भवन सह व्यायामशाला का निर्माण कार्य तीन माह पूर्व पूर्ण हुआ है।इसमें पिछले माह उच्च कोटि का जिम इंस्टॉल किया गया है। डीएम ने निरीक्षण कर व्यायामशाला को शीघ्र प्रारंभ करवाने का निर्देश दिया ताकि जिलेवासी इसका लाभ उठाकर स्वास्थ्यवर्धन कर सके। निरीक्षण के दौरान डीएम ने खेल भवन में योगा, एरोबिक, टेबल टेनिस, ताईक्वांडो की सुविधा का अवलोकन कर इसे खेल संघों के माध्यम से खेल गतिविधियों को संचालित करवाने का निर्देश दिया। गौर करे कि खेल भवन में खेल पदाधिकारी का कार्यालय भी है। तत्पश्चात डीएम के खगड़ा में निर्माणाधीन भारतीय खेल प्राधिकरण, प्रशिक्षण केंद्र, का निरीक्षण किया। इसमें 100 बेड (बॉय) हॉस्टल और आवासीय भवन निर्माणाधीन पाया गया। भवन प्रमंडल के अभियंता को निर्माण कार्य शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उल्लेखनीय है कि साई सेंटर का अपना भवन निर्माण होने के पश्चात एथलेटिक्स, बॉलीबॉल, फुटबॉल व अन्य खेल का प्रशिक्षण प्रारंभ होगा। डीएम ने शहीद अशफाक उल्लाह खां स्टेडियम, खगड़ा का निरीक्षण कर स्टेडियम में उपलब्ध खेल सुविधाओ का अवलोकन किया गया। साई सेंटर को कर्णांकित मैदान पर प्रशिक्षण संचालन, स्टेडियम रख रखाव, पानी जमाव की निकासी का निर्देश दिया गया है। इसके बाद डीएम इंडोर स्टेडियम, डुमरिया का निरीक्षण हेतु पहुंचे। इंडोर स्टेडियम के साफ सफाई, रख रखाव की आवश्यकता जताते हुए, इसका अनुपालन का निर्देश दिया गया है। खेल अवसंरचना पर जिलाधिकारी को बताया गया कि जिलांतर्गत 6 प्रखंड में आउटडोर स्टेडियम तैयार हो गया है। पोठिया प्रखंड में आउटडोर स्टेडियम निर्माण की स्वीकृति होने के उपरांत पोठिया के झारुआडांगी में निर्माण की निविदा की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। साथ ही, खेल की गतिविधियों को बढ़ाने हेतु ठाकुरगंज प्रखंड के +2 उच्च विद्यालय में खेल इंडिया योजना के तहत लघु केंद्र (एथलेटिक्स) बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री खेल विकास योजनान्तर्गत एकलव्य राज्य आवासीय कबड्डी (बालक) खेल प्रशिक्षण केन्द्र, इंटर उच्च विद्यालय किशनगंज में नये केन्द्र का स्थापना की स्वीकृति उपरांत खेल प्रशिक्षक का चयन प्रक्रियाधीन है। डीएम को बताया गया कि किशनगंज के महेशबथना में 10 एकड़ में उत्कृष्ट कोटि का जिला स्टेडियम कॉम्प्लेक्स 50 करोड़ की प्रकाल्पित राशि से निर्माण का प्रस्ताव कला संस्कृति एवम युवा विभाग, बिहार को भेजा गया है। खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत भारत सरकार के स्तर पर स्वीकृति की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। पिछले दिनों संबंधित साइट का भारतीय खेल प्राधिकरण, कोलकाता के अभियंता ने भौतिक निरीक्षण किया था। डीएम किशनगंज के द्वारा खेल की गतिविधियों को बढ़ाने हेतु दृढ़ संकल्प व्यक्त किया गया। जिला में खेल की गतिविधियों को बढ़ाने हेतु जिला प्रशासन के स्तर से लगातार कार्य किए जाने के निर्देश दिए गए।●

जिले में मनाया गया विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

● धर्मेन्द्र सिंह

मानसिक स्वास्थ्य जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है। ये न सिर्फ किसी व्यक्ति की मनोदशा व व्यवहार को प्रभावित करता बल्कि उसके सोचने, जीवन को देखने व चुनौतियों से लड़ने की क्षमताओं को परिभाषित करता है। मानसिक स्वास्थ्य की सही देखभाल व्यक्ति को खुश और समृद्ध जीवन जीने में मदद करती है। स्ट्रेस या तनाव एक प्रकार का मानसिक स्वास्थ्य विकार है। जिसका जोखिम तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। युवा हों या बुजुर्ग, सभी उम्र के लोगों में इस विकार के मामले रिपोर्ट किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों के लिए अपने शारीरिक स्वास्थ्य की ही तरह से मानसिक सेहत का ख्याल रखना भी जरूरी है। दोनों स्वास्थ्य एक दूसरे पर निर्भर होते हैं, यानी अगर आप स्ट्रेस-एग्जाइटी जैसी मानसिक समस्याओं के शिकार हैं, तो इसका असर शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करने वाले हो सकते हैं। जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थानों में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर 'मेंटल हेल्थ इज ए यूनिवर्सल ह्यूमन राइट' की थीम अर्थात श्मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है। वर्ष 2023 की थीम के साथ जागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए जिला स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को लेकर विस्तृत परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सिविल सर्जन डा० कौशल किशोर की अध्यक्षता में आयोजित इस परिचर्चा में बड़ी संख्या में स्वास्थ्य अधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौती व इसके समाधान पर अपने विचार रखे। सिविल सर्जन ने कहा कि अपने काम व जिम्मेदारियों के बीच बेहतर सामंजस्य, व्यवस्थित दिनचर्या व अपने आस-पास के माहौल को खुशनुमा बना कर हर तरह की तनाव व उदासी को मात दिया जा सकता है। ऑफिस के काम व पारिवारिक जीवन के बीच बेहतर तालमेल होना जरूरी है। प्राथमिकताओं का निर्धारण व इसका उचित प्रबंध न हमें मानसिक रूप से खुशहाल बनाता है। हर व्यक्ति की अपनी अलग समस्या है। ऐसी कोई समस्या नहीं जिसका समाधान न हो। अपनी समस्याओं को आपसे बेहतर कोई समाधान नहीं कर सकता है। इसलिये हर हाल में सकारात्मक बने रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शारीरिक गतिविधियां, पसंदीदा खेल में अपनी भागीदारी व्यक्तिगत जीवन के तनाव को कम करने का सबसे आसान जरिया है। सारी चीजों को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। इसलिये कुछ एक चीजों को ब्रह्मांडीय शक्ति पर छोड़ देना भी तनाव दूर करने में कारगर है। वहीं गैर संचारी रोग पदाधिकारी डा. उर्मिला कुमारी ने कहा कि खुशी व आनंद ही सभी के जीवन का परम लक्ष्य है। बहुत सारा पैसा, भौतिक संपदा से आपका जीवन

आनंदमय नहीं हो सकता है। अपने शौक व खुशी को तलाशें। इसे हासिल करने में अपना वक्त व इनर्जी खपत करें। सदर अस्पताल उपाधीक्षक डा० अनवर आलम ने कहा कि जीवन का महत्वपूर्ण पहलू होने के बावजूद मानसिक स्वास्थ्य लोगों की निजी समस्या बन कर रह गयी है। इस पर विस्तृत चर्चा करते हुए इसके प्रति लोगों को जागरूक करना जरूरी है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक डा० मुनाजिम ने कहा कि प्रतिस्पर्द्धाओं से भरे इस दौर में हर व्यक्ति तनाव व अवसाद के दौर से गुजरता है। इसलिये जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए स्वस्थ दिनचर्या अपनाना जरूरी है। वहीं डीपीसी विश्वजीत कुमार ने संयुक्त परिवार के महत्व से अवगत कराते हुए एकल परिवार व व्यक्तिवादी सोच को तनाव व अवसाद का बड़ा कारण बताया। कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य पर विचार रखते हुए एसीएम्ओ डा. सुरेश प्रसाद ने बताया कि विकासशील देशों में बीमारियों का स्वरूप भी बदलता रहता है। पूर्व में डायरिया, हैजा, चेचक, पोलियो, कालाजार स्वास्थ्य जनित मुख्य समस्या थी। इसके स्थान पर अब हृदय रोग, मोटापा, कैंसर जैसे रोग तेजी से फैल रहे हैं। इसमें मानसिक स्वास्थ्य महत्वपूर्ण पहलू बन कर उभरा है। धीरे-धीरे लोग इसके प्रति जागरूक भी हो रहे हैं। डीआईओ डा. देवेन्द्र कुमार ने बताया कि हमें अतिवादी होने से बचना होगा। तनाव बीमारियों को आमंत्रित करता है। इसलिये इससे बचाव जरूरी है। चुनौतियों से भरे इस दौर में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या बेहद आम है। बावजूद इसके महत्व को अब तक नजरअंदाज किया जाता रहा है। इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। दूसरों से जुड़ना, शारीरिक गतिविधियों में शामिल होना, दूसरों की मदद करना, पर्याप्त नींद लेना व सकारात्मक बने रहना मानसिक स्वास्थ्य के लिये जरूरी है। बैठक में कई स्वास्थ्य अधिकारी व सहयोगी संस्था के प्रतिनिधि मौजूद थे।●

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर एसपी को सौंपा ज्ञापन

● धर्मेन्द्र सिंह

आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शुक्रवार को एक पीड़िता ने एसपी को एक आवेदन सौंपा है। दिए गए आवेदन के अनुसार दिघलबैंक थाना कांड संख्या 135/2023 के तहत पक्सो एक्ट व विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज करवाया गया था। लेकिन अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नही हुई। दिए गए आवेदन के अनुसार आरोपी बार बार केस उठाने की धमकी दे रहे है। जिससे अब तो काफी भय लगने लगा है। भय के कारण पीड़िता भी परेशान रहने लगी है। मामला दर्ज किए जाने के बाद भी केस के अनुसंधानकर्ता विशेष दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। पीड़िता ने एसपी से न्याय की गुहार लगाते हुए शीघ्र ही आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।●

निगरानी केस में दागी परिवहन दारोगा से हमदर्दी क्यों?

● धर्मेन्द्र सिंह

परिवहन विभाग प्रवर्तन अवर निरीक्षकों (दारोगा) व निरीक्षकों की प्रतिनियुक्ति को लेकर जारी की अपनी ही गाइडलाईन को ठेंगा दिखा रहा है। पहले तो सरकार के नियमों को तोड़ा, फिर खुद के बनाए गाईडलाइन को भी दरकिनार कर दिया। जुलाई महीने में ही परिवहन सचिव ने नया गाईडलाइन जारी किया था। अगस्त महीने में ही उस नियम को बाय-बाय बोलते हुए दागियों को दूसरे जिले में प्रतिनियुक्ति शुरू हो गई। अब तो परिवहन विभाग धनकुबेर प्रवर्तन अवर निरीक्षकों-निरीक्षकों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई भी नहीं कर रहा। पहले इसकी संख्या एक ही थी, अब वो बढ़कर दो हो गई है। जिनके ठिकानों पर निगरानी ब्यूरो ने आय से अधिक संपत्ति केस में छापेमारी की, उसे परिवहन विभाग ने सस्पेंड भी नहीं किया। सवाल उठता है कि जब आय से अधिक संपत्ति केस में रेड के बाद अन्य को निलंबित किया गया तो फिर इन प्रवर्तन अवर निरक्षकों को क्यों नहीं ? परिवहन सचिव संजय अग्रवाल ने 24 जुलाई 2023 को प्रवर्तन अवर निरीक्षकों की प्रतिनियुक्ति को लेकर विस्तृत दिशा निर्देश जारी किया था। नए गाइडलाइन में सबसे खास बात यह थी कि परिवहन दारोगा की प्रतिनियुक्ति के समय उनके खिलाफ आरोपों से संबधित जांच रिपोर्ट को देखा जायेगा। इसके बाद ही फील्ड में प्रतिनियुक्ति दी जायेगी। परिवहन सचिव ने अपने संकल्प में कहा था कि नई प्रतिनियुक्ति के समय प्रवर्तन अवर निरीक्षकों के विरूद्ध प्राप्त आरोप, परिवाद पत्र, जांच प्रतिवेदन को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक/अनुशासनिक आधार पर की जायेगी। इससे साफ था कि वैसे परिवहन दारोगा जिनके खिलाफ गंभीर आरोप हैं, या फिर जांच चल रही है तो उन्हें फील्ड में प्रतिनियुक्ति नहीं भी की जा सकती है। लेकिन 16 अगस्त 2023 को परिवहन विभाग की तरफ से जिन 36 निरीक्षकों-अवर निरीक्षकों को विभिन्न जिलों में प्रतिनियुक्त किया गया, उनमें दागियों को भी जगह दी गई। सिर्फ प्रतिनियुक्ति ही नहीं की गई बल्कि एक की बजाय दो जिला दिया गया। अब जरा जाने लें, कौन-कौन प्रवर्तन अवर निरीक्षक दागी हैं, जिन्हें परिवहन विभाग ने फिर से जिलों में तैनात किया है। एक श्यामनंदन प्रसाद हैं। पहले पूर्णिया में बतौर प्रवर्तन निरीक्षक तैनात थे। नई गाईडलाइन जारी होने के बाद अब इन्हें दो जिलों का प्रभार दे दिया गया है। श्यामनंदन प्रसाद अब मधुबनी और सुपौल जिले में प्रतिनियुक्त हैं। समस्तीपुर के तत्कालीन इंफोर्समेंट इंस्पेक्टर रहे श्यामनंदन प्रसाद के खिलाफ 2 दिसंबर 2019 को निगरानी ने डीए केस दर्ज किया था। इसके बाद कई ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। यह केस अभी भी जांच में है। रेड के दौरान निगरानी टीम ने बताया था कि 25 फरवरी 1991 को सरकारी सेवा में आए प्रवर्तन निरीक्षक व उनकी दो पत्नियों के पास 1.90 करोड़ की संपत्ति का पता चला था। इस दौरान अनुमानित आय 1.65 करोड़ व खर्च 41.36 लाख हुआ। यानी अपने वैध आय के स्रोत से 71.21 लाख की संपत्ति हासिल करने के आरोप थे। निगरानी रेड के बाद भी परिवहन विभाग ने इन पर कोई कार्रवाई नहीं की थी, निलंबित भी नहीं किया गया था। आज भी ये ठाठ से नौकरी कर रहे। अब दूसरे प्रवर्तन अवर निरीक्षक पर आएं। दूसरे हैं किशनगंज में तैनात रहे विकास कुमार। निगरानी ब्यूरो ने मई 2023 में ही आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज कर विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है। इन्हें भी अब तक सस्पेंड नहीं किया गया। नई गाईडलाइन जारी होने के बाद भी इन्हें किशनगंज से हटाकर अब बांका जिला में प्रतिनियुक्त किया गया है। यहीं से सवाल खड़ा होता है कि दागियों को खिलाफ परिवहन विभाग एक्शन क्यों नहीं ले रहा। आखिर कार्रवाई करने से हाथ किसने रोक रखा है ? विभाग के अंदर ही डीए केस के कई आरोपियों को विभाग सस्पेंड कर बिठा रखा है तो फिर इन दो परिवहन दारोगा से इतनी हमदर्दी क्यों...? बड़ा ही गंभीर इश्यू है। इसका जवाब विभाग के बड़े अधिकारियों को देना होगा।●

आईवीएफ स्पेशलिस्ट डॉ. तारा श्वेता आर्या पर लगा गंभीर आरोप

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज शहर के डे-मार्केट स्थित वेदांता हॉस्पिटल के आईवीएफ स्पेशलिस्ट डा. तारा श्वेता आर्या पर गंभीर आरोप लगा है। गौर करे कि शादी के बाद हर महिला मां सुनने को तड़पती है, यह ताजा मामला जिले का जहां पिछले 5 वर्षों से 2 महिला ने जिले के प्रसिद्ध आईवीएफ स्पेशलिस्ट डॉक्टर तारा श्वेता आर्य से इलाज करवा रही थी। जिनके लिए अभी तक एक मरीज का 5 लाख तो दूसरे मरीज का 8 लाख रुपए खर्च कर चुकी है। दो बार आईवीएफ भी कर चुकी है। लेकिन सफल नही रही। मरीज का कहना है कि डा० तारा श्वेता आर्य नर्सिंग होम में समय कम देती है। ठीक से समय नहीं दे पाती है। उनका जो हेल्पर है वह मरीज को समय देता है। जिसके कारण इलाज ठीक से नहीं होता है। और दवाई भी उनके जान पहचान के दुकान से ही लेने को जोड़ दिया जाता है। उनका जो असिस्टेंट है वही सारा दवाई लिखता है। मरीज का कहना है कि डा० तारा श्वेता आर्य ठीक से इलाज नहीं करती है। इलाज के नाम पर पैसा ठगती हैं। मंगलवार को जब डा० तारा श्वेता आर्या से मिलने दो महिला पहुंची तो उनके बाउंसर द्वारा उनसे अभद्र व्यवहार किया गया। उन्हें बाहर निकाल दिया गया। उसके बाद आईवीएफ स्पेशलिस्ट डा० तारा श्वेता आर्या के पति डा० वेद आर्या ने परिजनों से बात कर समझा बुझाकर माहौल को शांत कराया। जब कुछ पत्रकारों ने डा० तारा श्वेता आर्या से बात करने की कोशिश की तो उनके बाउंसर उन तक पत्रकारों को पहुंचने नहीं दिया। उसके बाद डा० वेद आर्या जब पत्रकारों के सामने आए तो कुछ पत्रकार ने उनसे सवाल किया। उनके जो नर्सिंग होम पर उंगली उठाए जा रहा है। लेकिन कुछ भी कहने से वह इंकार कर दिया और पत्रकारों के साथ डा० तारा श्वेता आर्या के बाउंसर द्वारा अभद्र व्यवहार की गई, मरीज का भाई का कहना है कि प्रशासन द्वारा इन पर कार्रवाई की जाए।●

छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने किया हमला

● फरीद अहमद

किशनगंज जिला के सुखानी थाना क्षेत्र अंतर्गत छापेमारी करने गई पुलिस पर ग्रामीणों हमला कर दिया। इस संबंध में मामला दर्ज कराते हुए पुलिस अवर निरीक्षक भुवनेश्वर प्रसाद पंडित ने कहा कि कांड सं०-29/23 दि०- 30.09.23 का अनुसंधानकर्ता हूं। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर को कांड के अनुसंधान में पुलिस अवर निरीक्षक प्रेम नारायण सिंह एवं सशस्त्र बल के हवलदार अखलेश कुमार यादव, सिपाही संजय कुमार, नीतीश कुमार, अमरदीप कुमार के साथ थाना से प्रस्थान किये। अनुसंधान उपरांत घटनास्थल से लौटने के क्रम में गुप्त सूचना मिला कि कांड के प्राथमिकी अभियुक्त सुकरू उर्फ अलीम पिता-बेंगु सा०-सालगुड़ी थाना सुखानी जिला किशनगंज सालगुड़ी चौक स्थित अपने ससुर मो० जब्बार के दरवाजे पर खड़ा है। तुरंत छापामारी किये जाने पर गिरफ्तारी हो सकती है। छापामारी के क्रम में मो० जब्बार के घर के पास समय पहुचा तो स्थानीय द्वारा बताया गया सुकरू सीएसपी के पास खड़ा है। उक्त अभियुक्त को अपने कब्जे में लेते हुए गिरफ्तारी ज्ञाप तैयार करने लगा। इसी दौरान मो० जब्बार अपने परिवार के सभी सदस्यों एवं अन्य स्थानीय लोगों को जमा कर नाजायज मजमा बनाकर पुलिस के साथ कहासुनी करने लगे। इस दौरान वहा सैकड़ो महिला एवं पुरुष जमा हो गये। इस बीच मो० जब्बार उसकी सभी पत्नी एवं बेटा-बेटी तथा अन्य अज्ञात ने उक्त अभियुक्त को पुलिस के कब्जे से छुड़ाने के क्रम में सिपाही संजय कुमार के द्वारा विरोध करने पर सभी लोगो मिल अभियुक्त को छुड़ाते हुए जवान संजय कुमार को कीचड़ में गिरा दिया। इसके उपरांत उक्त सभी लोगों एवं उक्त अभियुक्त ने मिलकर जवान को लातघूसा मारने लगे जिसे काफी अनरूदनी चोटे आई। इसके उपरांत मो० जब्बार का बेटा ने गाड़ी का चाभी निकाल लिए और कहने कि गाड़ी को पेट्रोल डालकर आग लगा दो। इसके उपरांत मो० जब्बार एवं उसका बेटा पेट्रोल लेकर गाड़ी पर छिड़कने लगे। इसकी जानकारी मैने थानाध्यक्ष को दिया। इस दौरान वहां से एसएसबी के गाड़ी के गुजरने के कारण सभी अभियुक्त वहा से भाग गये। फिर वहां थाना से अन्य बल भी आ गये थे तब पूरा मामला शांत हुआ। इसके उपरांत नाम पता सत्यापन हेतु कुछ स्थानीय ग्रामीण एवं चौकीदार से पूछे जाने पर इस घटना में मो० जब्बार, सलेमा खातुन, टेनु उर्फ वंशी, डालू, सैफिया बेगम, मुस्ताक, बेंगु का दामाद रियाज, सुकरू उर्फ अलीम एवं अन्य 100 महिला एवं पुरुष शामिल थे। पुलिस अवर निरीक्षक भुवनेश्वर प्रसाद पंडित ने कांड सं०-29/23 के प्राथमिकी अभियुक्त को बल पूर्वक छुड़ाने एवं सरकारी कार्य में बाधा डालना संज्ञेय अपराध है। इसके लिए उपरोक्त नामित व्यक्तियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में उचित कानूनी कार्यवाई करने की मांग की है। सुखानी थाना कांड संख्या 30/23 धारा 147, 148, 149, 341, 323, 307, 353 ,224, 225 दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।●

जिले में एक लाख मरीजों की हुई स्क्रीनिंग

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले में सदर अस्पताल सहित 05 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर गैर संचारी रोग के मरीजों के इलाज के लिए गैर संचारी क्लीनिक की स्थापना की गई है। इन एनसीडी क्लीनिक में जिले के गैर संचारी रोग मरीजों की नि:शुल्क जांच, उपचार व दवाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार की योजना है। विदित हो कि इसके लिए सरकार द्वारा सदर अस्पताल के लिए एक लाख तथा प्रति सीएससी 50 हजार रु. का बजट उपलब्ध कराया जाता है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार जिले में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1,58,949 लोगों की स्क्रीनिंग की जानी है। जिसके विरुद्ध अप्रैल से लेकर 30 सितंबर तक 68.66 फीसदी अर्थात 1,09,146 मरीजों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। सिविल सर्जन डा. कौशल किशोर ने बताया एनसीडी क्लीनिक में हृदय रोग विशेषज्ञ कार्डियो व मेडिसिन विशेषज्ञ को पदस्थापित करने की योजना है। जहां विशेषज्ञ डाक्टर पदस्थ नहीं हैं वहां के लिए अलग से अंकोलॉजिस्ट व कार्डियोलॉजिस्ट की भर्ती कर लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। नर्सिंग स्टाफ को भी अलग से ट्रेनिंग देकर पदस्थापित करने की योजना है। कैंसर रोगियों के लिए कीमोथेरेपी व सेकाई के लिए दवा और मशीन उपलब्ध कराकर जिलास्तर पर ही इलाज मुहैया कराया जा रहा है। जिला गैर संचारी रोग पदाधिकारी डा. उर्मिला कुमारी ने बताया एनसीडी कार्यक्रम के तहत सभी पीएचसी, एपीएचसी, एचएससी के कार्य क्षेत्र में सप्ताह मे तीन दिन सोमवार, गुरुवार व शनिवार को कैंप का आयोजन होता है। कैंप के माध्यम से आशा कार्यकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराये गये सी-बैक फार्म अंकित सूचनाओं का हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर कार्यरत डाटा इंट्री ऑपरेटर व एएनएम के माध्यम से डिजिटाइजेशन किया जाता है। इसके उपरांत सभी संबंधित व्यक्तियों की संबंधित क्षेत्र के सीएचओ व एएनएम द्वारा उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर सहित अन्य रोगों की स्क्रीनिंग की जाती है। कैंप से संबंधित तमाम गतिविधियों का पर्यवेक्षण व अनुश्रवण कर इससे संबंधित प्रतिवेदन प्रभारी चिकित्सा प्रभारी के माध्यम से जिला स्वास्थ्य समिति व गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यालय को उपलब्ध करायी जाती है। सिविल सर्जन डा. कौशल किशोर ने बताया नॉन कम्युनिकेबल डिजीज अर्थात गैर संचारी रोग संक्रामक नहीं है। लेकिन इनके ग्रसित व्यक्तियों का यदि समय पर सही इलाज ना हो तो उसकी मौत भी हो सकती है। ऐसे मरीजों को नि:शुल्क रूप से जांच, उपचार व दवा प्रदान करने के लिए एनसीडी क्लीनिक स्थापित की गयी है। यह क्लीनिक राष्ट्रीय गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत संचालित होता है। गैर संचारी रोग के मरीजों के लिए केंद्र व राज्य सरकार की संयुक्त योजना है। इसमें केंद्र व राज्य सरकार दोनों के द्वारा राशि मुहैया कराई जाती है। जिला गैर संचारी रोग पदाधिकारी डा० उर्मिला कुमारी ने बताया एनसीडी कार्यक्रम के तहत पापुलेशन बेस्ड स्क्रीनिंग के आंकड़ों को देखा जाए तो अप्रैल 2023 से 30 सितंबर 2023 तक बहादुरगंज में 26,213 मरीज, कोचाधामन में 18,652, पोठिया में 13,073, ठाकुरगंज में 17.187, दिघलबैंक में 11,792, टेढ़ागाछ में 7.394, किशनगंज ग्रामीण में 14,835 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई है।●

थाने का मलबा बेच विभाग को किया मालामाल

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज एसपी डा. इनाम उल हक मेगनु ने एक ऐसा काम कर दिखाया है, जिसकी पूरे पुलिस महकमे में तारीफ हो रही है। किशनगंज एसपी ने हाल ही में किशनगंज थाने के टूटे भवन को नीलाम करके सरकारी खजाने में 50 लाख रुपये भर दिया है। पुलिस मुख्यालय के एडीजी (आधुनिकीकरण) कमल किशोर ने भी उनके इस कार्य की प्रशंसा की है। एसपी डा. मेगनु के इस कारनामे को एक नजीर के रूप में पेश करते हुए पुलिस मुख्यालय ने इसकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट को अन्य जिलों के वरीय पुलिस अधिकारियों को भी भेजा है। एसपी ने अपनी प्रोजेक्ट रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया है कि जनवरी, 2022 में जब वे थाने का निरीक्षण करने पहुंचे, तो जर्जर भवन को देखकर हैरान रह गए। थाना परिसर

सहित पुलिस अधिकारियों के 11 आवासीय भवन रहने लायक नहीं थे। इनकी छतें कभी भी गिर सकती थीं। सांप-बिच्छुओं और जंगली जानवरों का भी यहां बसेरा था। एसपी ने पहले इन भवनों में रहने वाले पुलिस कर्मियों को किसी दूसरी जगह शिफ्ट करने का थानाध्यक्ष को आदेश दिया। थानाध्यक्ष के लिए यह काम इतना आसान नहीं था। बाद में उन्होंने इस काम को अपने हाथ में लिया। उन्होंने जर्जर भवनों के संदर्भ में एडीजी आधुनिकीकरण, पूर्णिया के आइजी सुरेश चौधरी और भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता प्रवीण कुमार से संपर्क कर इनके नवनिर्माण का प्रस्ताव दिया। इस कार्य को पूरा करवाने की जिम्मेदारी मुख्यालय डीएसपी अजीत प्रसाद सिंह चौहान को सौंपी। लंबे पत्राचार के बाद 22 जुलाई, 2023 को पुराने भवनों के मलबे की नीलामी की प्रक्रिया शुरू हुई। किशनगंज निवासी नौसाद आलम ने अधिकतम बोली लगाकर जर्जर भवनों के मलबे की नीलामी अपने पक्ष में कर ली। इससे राज्य सरकार को लगभग 50 लाख रुपये की आय हुई है। इससे पूर्व भी थाने में जब्त वाहनों की नीलामी और संगीन मामलों के जांच को लेकर किशनगंज एसपी ने अपनी प्रोजेक्ट रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को भेजी थी। दोनों रिपोर्ट पर राज्य के वरीय अधिकारियों ने विचार-विमर्श करने के बाद विभिन्न जिलों में तैनात एसपी को भी इस प्रोजेक्ट रिपोर्ट का अनुशरण करने का सुझाव दिया था। किशनगंज थाने के मलबे से सरकार को जो आय हुई है, वह पूरे राज्य के लिए नजीर बनेगी। वही एसपी, डा. इनाम उल हक मेगनु ने कहा कि किशनगंज के दो और जर्जर थानों को चिह्नित किया गया है। इन भवनों के मलबे को हटाने का काम भी ई-टेंडर के माध्यम से जल्द पूरा किया जाएगा। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

रघुनाथपुर ट्रेन हादसे में प्रभावित लोगों के लिए जिला प्रशासन सक्रिय

● धर्मेन्द्र सिंह

दिल्ली से कामाख्या जा रही 12506 नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन बक्सर के रघुनाथपुर में हुई दुघर्टना में किशनगंज के कोचाधामन प्रखंड के एक युवक की मौत हो गई। मृतक यात्री की पहचान किशनगंज जिले के कोचाधामन प्रखंड के सुंदर बाड़ी पंचायत के वार्ड संख्या-02 स्थित सपटिया बिशनपुर गांव निवासी अबू जैद पिता-स्व० जफरुल आलम के रूप में हुई। वह अपने फूफेरे भाई मो० नसीर खाटा टोली के साथ दिल्ली से नोर्थ ईस्ट एक्सप्रेस से घर आ रहे थे। मक्का मदीना उमराह यात्रा पर जा रहे अपने कुछ रिश्तेदारों को छोड़ने के लिए वह बीते 10 अक्तूबर को दिल्ली गए थे। उन लोगों को दिल्ली में छोड़कर कर नोर्थ ईस्ट एक्सप्रेस से घर लौट रहे थे। इसी दौरान दुघर्टना में उनकी मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही स्वजन समेत गांव में मातम पसर गया। जानकारी के अनुसार, करीब 20 साल पहले ही उनके पिता का इंतकाल हो गया था। अबू जैद की दो बहनें हैं। एक बहन की शादी के बाद अबू जैद घर पर ही खेती बाड़ी कर अपनी मां और बहन की परवरिश करता था। घटना की जानकारी मिलते ही डीएम तुषार सिंगला ने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को हर संभव सरकारी सहायता शीघ्र प्रदान करने की बात कही। उन्होंने परिजनों से मुलाकात भी की। बुधवार की रात्रि में हुई

दुखद घटना में किशनगंज के कोचाधामन प्रखंड क्षेत्र के सुंदर बाड़ी पंचायत के सपटिया बिशनपुर गांव के यात्री की पहचान होते ही गुरुवार तड़के सुबह जिलाधिकारी तुषार सिंगला ने प्रभारी पदाधिकारी जिला आपदा प्रबंधन जफर आलम और एसडीएम लतीफुर रहमान को पीड़ित परिवार से संपर्क स्थापित करने का निर्देश दिए। पदाधिकारी सपटिया बिशनपुर पहूंचकर पीड़ित स्वजन से मिलकर वस्तु स्थिति से अवगत हुए और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी शम्स तबरेज आलम, अंचल अधिकारी खालिद हसन, पंचायत के मुखिया तनवीर आलम मौजूद थे। इस संदर्भ में बीडीओ शम्स तबरेज आलम ने बताया कि मृतक के स्वजन को राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ एवं कबीर अंत्येष्टि योजना का लाभ दिया गया। पंचायत के तनवीर आलम ने बताया कि शव को घर लाने के लिए एंबुलेंस रघुनाथपुर भेजा गया है। देर शाम तक घर पहुंच जाने की संभावना है। घटना के बाद विधायक हाजी इजहार असफी, पूर्व विधायक मुजाहिद आलम, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि कैसर राही, उप प्रमुख समदानी बेगम भारती, मुखिया तनवीर आलम, पूर्व मुखिया सकेब आलम पंचायत समिति सदस्य अवेस आलम वार्ड सदस्य इमरान आलम इत्यादि ने शोक संवेदना व्यक्त किया है।●

हत्या में शामिल चार आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

● धर्मेन्द्र सिंह

बहादुरगंज थाना क्षेत्र में बुधवार को हुई प्रिंस कुमार बसाक की हत्या मामले में एसपी डा० इनाम उल हक मेगनु द्वारा गठित टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गुरुवार की देर शाम पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि बसाक टोला निवासी सुजित कुमार बसाक ने बुध वार को आत्मसर्मपण किया था। इसके बाद मृतक की मां बबीता देवी के बयान पर मामला दर्ज करवाया गया।मामला दर्ज किए जाने के बाद अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई।आरोपी सुजित कुमार बसाक के अलावे महावीर लाल बसाक, राजो देवी व सीता देवी सभी बसाक टोली बहादुरगंज निवासी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार घटना का मूल कारण यह है की मृतक प्रिंस कुमार बसाक की शादी पांच वर्ष पूर्व महावीर लाल बसाक की बेटी पूजा कुमारी से हुई थी। प्रिंस कुमार बसाक गलत संगत में पड़ने के कारण कई बार जेल जा चुका था। जब वह जेल में था तब महावीर लाल बसाक ने अपनी बेटी की शादी दूसरे किसी अन्य व्यक्ति से कर दिया। जब प्रिंस कुमार जेल से बाहर आया तो उसे पता चला कि उसकी पत्नी की शादी किसी और से हो गयी है।जिसके कारण दोनों परिवारों के बीच विवाद बढ़ गया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इसी कारण घटना घटित हुई। टीम में निरीक्षक चितरंजन प्रसाद यादव, निरीक्षक सरोज कुमार, अवर निरीक्षक सिद्धार्थ व अनुसंधानकर्ता इन्द्रमणि महतो शामिल थे।●

सिक्किम प्राकृतिक आपदा में फंसे लोगों से किया गया सम्पर्क

● धर्मेन्द्र सिंह

सिक्किम में आई प्राकृतिक आपदा (बाढ़) में जिले के ठाकुरगंज और पोठिया प्रखंड के लोगो के आपदा में फसे होने की सूचना पर जिलाधिकारी, तुषार सिंगला के निर्देशानुसार उन लोगो से संपर्क किया गया। डीएम के निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय में जिला नियंत्रण कक्ष कार्यरत है। उसका दूरभाष नंबर 06456225152 है। इस नंबर पर किसी प्रकार की सूचना का आदान-प्रदान किया जा सकता है। पोठिया प्रखंड अंतर्गत 10 लोगो के सिक्किम आपदा में फसे होने की सूचना पर डीएम ने बीडीओ, पोठिया को उनके परिजनों से संपर्क कर कुशल होने की जानकारी लेने का निर्देश दिया गया। तत्पश्चात बीडीओ पोठिया के द्वारा सभी लोगो के परिजन से संपर्क किया गया। सभी के सकुशल होने की सूचना है और फाला पंचायत के रतन कुमार सिंह वापस अपने घर लौट चुके हैं। सिक्किम के लाचुंग में कार्यरत परलाबाडी, पहरकट्टा (पोठिया) के तसगीर आलम के सकुशलता पर उनके पिता जाहिद आलम ने बताया कि उनका बेटा सिक्किम के लाचुंग से सिमथांग पहुंचने के बाद से घरवालों के संपर्क में नहीं था, परंतु अब वह कुशल है। उनसे संपर्क हो

गया है। परलाबाड़ी के लोग सिक्किम सरकार के आपदा शिविर में है और सकुशल हैं। गौर करे कि पोठिया प्रखंड के अन्य सभी व्यक्ति के परिजन से संपर्क हो गया है। बीडीओ पोठिया के स्तर पर उनके घरवालों से संपर्क कर सभी के सकुशलता प्राप्त करते हुए आपदा पीड़ितों के प्रति संवेदना प्रकट किया गया। पोठिया प्रखंड के सभी लोग सिक्किम में सकुशल हैं। उल्लेखनीय है कि 03 अक्टूबर को सिक्किम में तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़ से जनजीवन प्रभावित हुआ है। पूर्व में उपाध्यक्ष, बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग, पटना के द्वारा ठाकुरगंज के 34 लोगो की सूची उपलब्ध कराई गई, जो वर्तमान में सिक्किम के गंगटोक में कार्यरत थे और आपदा से प्रभावित थे। डीएम तुषार सिंगला के निर्देश पर जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय किशनगंज के स्तर से उनकी कुशलता का पता लगाने हेतु संपर्क स्थापित किया गया था। दूरभाष पर वार्ता के क्रम में उनके सकुशल होने की सूचना प्राप्त है। मो० जफर आलम, प्रभारी पदाधिकारी जिला आपदा प्रबंधन किशनगंज के द्वारा गंगटोक में कार्यरत जिला के लोगो के परिजनों को ढाढस बंधाते हुए संवेदना प्रकट की गई है। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया है कि सिक्किम में किशनगंज के कार्यरत आपदा प्रभावित लोगो को किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर किशनगंज जिला नियंत्रण कक्ष और संबंधित प्रखण्ड के माध्यम से अनुश्रवण किया जा रहा है।

★ आमजन की सुविधा हेतु निम्न संपर्क संख्या जारी किए जा रहे हैं :-

☞ जिला नियंत्रण कक्ष :- 06456225152

☞ प्रभारी पदाधिकारी, जिला आपदा प्रबंधन, किशनगंज :- 9931224449

☞ अपर समाहर्त्ता (आपदा) किशनगंज :- 9473191372

☞ जिलाधिकारी, किशनगंज :- 9473191372

रेल परिसर में चलाया गया स्वच्छता अभियान

● धर्मेन्द्र सिंह

देश वर्तमान में स्वच्छता ही सेवा (एस.एच.एस.) 2023 अभियान 15 सितम्बर से 02 अक्तूबर 2023 तक स्वच्छता पखवाडा मना रहा है, जिसकी थीम 'कचरा मुक्त भारत' है। इसी क्रम में 1 अक्तूबर रविवार को एक तारीख एक घंटा एक साथ स्वच्छता के लिए श्रमदान अभियान के हिस्से के रूप में सुबह 10 बजे से 72वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल के कार्मिको, पंजीपाडा रेलवे स्टेशन के कर्मचारी एवं पंजीपाडा गाव के नागरिको के द्वारा एक घंटा श्रमदान किया गया। जिसमें पंजीपाड़ा रेलवे स्टेशन और रेलवे ट्रैक की साफ-सफाई की गयी। स्वच्छता एक ऐसा महत्वपूर्ण अभियान है जो स्वयं समाज और पर्यावरण के लिए फायदेमंद है। यह बीमारियों

के प्रसार को रोकता है और अच्छे स्वास्थ्य को सुरक्षित रखता है। इस स्वच्छता अभियान में 72वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल के शैलेश कुमार सिन्हा, समादेष्टा, परमजीत सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, पप्पू लाल मीना, उप समादेष्टा, रवीन्द्र कुमार, उप समादेष्टा एवं 150 अन्य कार्मिक, रेलवे के ब्रजमोहन श्रीवास्तव, स्टेशन अधीक्षक, व 15 अन्य रेलवे कार्मिक, पंजीपाड़ा ग्राम पंचायत के मेम्बर मो० तरजेब आलम, और लगभग 40 स्थानीय लोगों ने अपना योगदान दिया। वाहिनी द्वारा आयोजित इस स्वच्छता अभियान के लिए रेलवे कार्मिकों और स्थानीय लोगों ने वाहिनी के प्रति आभार व्यक्त किया और वाहिनी की प्रशंसा की और भविष्य में अपना योगदान देने का आश्वासन दिया। ●

अवैध खनन से सरकारी राजस्व को लाखों-करोड़ों का हो रहा नुकसान

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिला के सुखानी थाना क्षेत्र अंतर्गत अवैध खनन चरम सीमा पर है। अवैध खनन के कारण सरकारी राजस्व को लाखों करोड़ों रुपया का नुकसान हो रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जमुना नदी से अवैध खनन कर स्टॉक किया जाता है फिर बारी-बारी से कई जगह पर इसका परिवहन भी किया जाता है। मिली जानकारी के अनुसार जमुना नदी से अवैध खनन कर निकाले गए बालू का रंग आयरन जैसा है। सूत्र से प्राप्त जानकारी यह भी है कि जमुना नदी से निकाले गए लाल बालू को सूखानी क्षेत्र के रेलवे प्लांट में भी इस्तेमाल किया जा रहा है। सूत्रों की माने तो मौका देखकर भारी मात्रा में जमुना नदी से अवैध खनन कर बालू निकाला जाता है और फिर उसे रेलवे प्लांट में दिया जाता है रेलवे प्लांट की प्राप्त तस्वीर से पता चला है कि दो तरह के बालू रेलवे प्लांट पर स्टॉक किए गए हैं जहां लाल बालू का भी स्टॉक है यह बालू जमुना नदी से ही प्लांट के कुछ ही मीटर की दूरी से

निकाला गया है। नाम ना बताने की शर्त पर लोगों का कहना है कि यकीन न हो तो बालू कि लैब टेस्ट करा ले विभाग का सब सच सामने आ जाएगा। खनन विभाग द्वारा स्थलीय जांच कर अवैध खनन करने वाले बालू माफियाओं पर ठोस कार्रवाई करने की आवश्यकता है ताकि सरकारी राजस्व में हो रहे लाखों करोड़ों की क्षति को रोका जा सके।●

डॉ. तारा श्वेता आर्या से 10 लाख रंगदारी की मांग, हत्या की धमकी

● धर्मेन्द्र सिंह

पूर्व सीएम जीतनराम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा की राष्ट्रीय सचिव सह प्रवक्ता डा० तारा स्वेता आर्या से 10 लाख की फिरौती मांगी गयी है।अपराधियों ने फोन करके 10 लाख की फिरौती मांगी है और राशी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी है। इस मामले को लेकर डा० तारा स्वेता आर्या ने पुलिस को सूनचा दी है। पत्रकारों से बात करते हुए डा० तारा स्वेता ने कहा कि दो अलग-अलग मोबाइल नंबर 8132968517, 8862870293 से फोन करके दस लाख रुपया फिरौती मांगा गया है और नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। उन्होने उस फोन कॉल को रिकार्ड भी किया है। अपराधी द्वारा किए गए फोन कॉल पर साफ सुना जा सकता है कि किस तरह दस लाख रुपए की मांग की गई और पांच दिनों में नही देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है।इस संबंध में डा० तारा स्वेता ने जिला पुलिस कप्तान डा० इनाम उल हक मेंगनू को अवगत करवाया है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

सामुदायिक भवन व सड़क का विधायक ने किया लोकार्पण

● गुड्डू कुमार सिंह

सतीश कुमार दैनिक समाज जागरण । तरारी विधानसभा क्षेत्र के अलग अलग स्थानों पर मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अन्तर्गत निर्मित सामुदायिक भवन, पीसीसी सड़क सहित कई अन्य विकास कार्यों का विधायक सुदामा प्रसाद द्वारा विधिवत लोकार्पण किया गया। इन योजनाओं पर कुल 87,25,191 रूपये खर्च किए गए हैं। शनिवार को विधायक द्वारा जिन विकास योजनाओं का लोकार्पण हुआ उनमें तरारी प्रखण्ड के बिहटा कानू टोला में 8,50,500 रुपए की राशि से बना पी सी सी सड़क , धनगांवा महादलित टोला में 11,43,800 रूपए की लागत से पी सी सी सड़क, जेडीएस कॉलेज डीलिया में 1364,691 रुपए की लागत से हॉल, धर्मदास डिहरी महादलित टोला व यादव टोला में 14,98200 रुपए की लागत से पी सी सी सड़क, बसौरी मुशहर टोली में 12,90,000 रूपये की लागत से सामुदायिक भवन, बसौरी के महादलित बस्ती और कुर्मी टोला में क्रमशः 14,98,900 व 10,79,100 रुपये की लागत से निर्मित पी सी सी की दो योजनाएं

शामिल हैं। विकास योजनाओं के लोकार्पण के दौरान जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि क्षेत्र का विकास हमारी प्राथमिकता है। हम शांति व समृद्धि में विश्वास रखता हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक दौर में केन्द्र की भाजपा नीत सरकार द्वारा समाज में नफरत का माहौल कायम किया जा रहा है। धर्म के नाम पर हो रही राजनीति देशहित व जनहित में नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस तरह विपक्षी नेताओं को जानबूझकर फंसाने का सिलसिला चल रहा है उससे अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति पैदा हो गई है। देश की जनता यह सब देख रही है। लोकार्पण समारोह में रमेश सिंह, कामता प्रसाद सिंह, कृष्णा प्रसाद गुप्ता, रामदयाल पण्डित, मो जमाल अशरफ, दिनेश राम, पांच रतन पटेल सहित कई नेता कार्यकर्ता मौजूद थे । इस दौरान विधायक ने लोगों से 12 अक्तूबर को पीरो में अखिल भारतीय किसान महासभा के पांचवे जिला सम्मेलन और 15 अक्टूबर को गडहनी में आयोजित अखिल भारतीय खेत व ग्रामीण मजदूर सभा के पांचवे जिला सम्मेलन में शामिल होने की अपील की।●

आरा में जातीय गणना का विरोध

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार में जातीय गणना के आंकड़े सार्वजनिक होने के साथ ही इसको लेकर सियासत भी शुरू हो गई है. एक तरफ जहां सरकार आंकड़ों को जारी करने के बाद अपनी पीठ थपथपा रही है. सरकार में शामिल सभी पार्टियां इसे जनता के हित में बता रही है तो वहीं दूसरी तरफ इसको लेकर सवाल भी उठने लगे हैं. आरएलजेडी के नेताओं ने जातीय जनगणना का विरोध करते हुए बिहार के मुखिया नीतीश कुमार का आज आरा के त्रिभुवानी कोठी के समीप पुतला जलाया है। आर एल जेडी के भोजपुर जिला अध्यक्ष रोहित कुशवाहा ने कहा कि कुशवाहा समाज की संख्या 1931 में 4.1 थी, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री ने 2023 में हमारी जनसंख्या 4.21 दिखाया है। यह कैसे हो सकता है। वहीं उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार से पूछना चाहते हैं की रामायण काल में परशुराम के बाण से क्षत्रिय समाप्त हो गए थे। क्या ऐसे ही कुशवाहा समाज नीतीश कुमार के बाण से समाप्त हो गए हैं । वहीं उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के इस फैसले से बिहार के कुशवाहा समाज में आक्रोश है नीतीश कुमार आने वाले

चुनाव में बिहार के कुशवाहा समाज अपने वोट से आपकी राजनीति का श्राद्ध कर्म करने का काम करेंगी। वहीं उन्होंने कहा कि बिहार के 243 विधानसभा में 200 विधानसभा ऐसा है जहां कुशवाहा वोटरों की संख्या 25 से 30 हजार है, 63 विधानसभा ऐसा है जो कि कुशवाहा बहुल क्षेत्र है उसके बावजूद भी कुशवाहा समाज को एक साजिश के तहत लगभग 4.1 दिखाया गया है, नीतीश कुमार हमेशा कुशवाहा समाज को अपमानित करने का काम किया है। वहीं उन्होंने जदयू में कुशवाहा समाज के नेता पर भी सवाल उठाया है वहीं उन्होंने कहा कि नीतीश की पार्टी में कुशवाहा समाज के नेता जो भी हैं केवल स्वार्थ साधना चाहते हैं, जिनको बिहार के कुशवाहा समाज ने पहचान लिया है आने वाले समय में इन लोगों को भी कुशवाहा समाज सबक सिखाने का काम करेगा और नीतीश कुमार को गद्दी से उखाड़ फेंकेगा। वही रोहित कुशवाहा ने मांग किया है कि नीतीश कुमार जाती है जनगणना की लिस्ट को बूथ स्तर पर जारी करें नहीं तो बहुत बड़ा आंदोलन करने का काम करेंगे। वही पुतला दहन में शामिल जगह कुशवाहा राजेश कुशवाहा पंकज कुशवाहा ललन कुशवाहा शत्रुघ्न कुशवाहा दुर्गावती कुशवाहा विनय कुशवाहा मनजीत कुशवाहा नीतीश कुशवाहा वीरेंद्र शाक्य विराट सिंह कुशवाहा गणेश कुशवाहा दीनू कुशवाहा अनूप मौर्य अभिमन्यु कुशवाहा सहित सैकड़ो लोग शामिल थे।●

तलाक अर्जी मामले में आरा पहुचे थे पवन और ज्योति

पत्नी ज्योति सिंह ने मांगे पवन सिंह से तीन करोड़ रूपये और फ्लैट

● गुड्डू कुमार सिंह

अपने गायकी से देश से लेकर विदेश में परचम लहराने वाले पवन सिंह पर आपसी फैमिली मामले में अब दिनों पर दिन पहाड़ जैसा टूट बिखर रहा है, आपको बताते चले की भोजपुरी इंडस्ट्री के अभिनेता पवन सिंह अपनी पत्नी ज्योति सिंह से तलाक के अर्जी मामले में सुनवाई के लिए शनिवार को आरा सिविल कोर्ट के फैमिली कोर्ट में पहुंचे, इस दौरान कोर्ट में उनकी पत्नी ज्योति सिंह भी मौजूद रहीं ,तलाक मामले में काउंसलिंग को लेकर कड़ी सुरक्षा के बीच पवन सिंह और ज्योति सिंह को कोर्ट लाया गया, वहीं, पवन सिंह अपनी पत्नी को तलाक देने पर अड़े हुए हैं, लेकिन ज्योति सिंह पवन सिंह को नहीं छोड़ना चाहती हैं. सिविल कोर्ट के फैमिली कोर्ट में न्यायाधीश श्वेता सिंह के समक्ष दोनों ने अपनी-अपनी दलीलों को रखा. करीब एक घंटे के दलीलों के बाद भी मामला सुलझ नहीं पाया।

☞ **ज्योति सिंह के वकील ने दी जानकारी** :- कहा जा रहा था कि कोर्ट में आज तलाक की अर्जी मामले में फैसला हो जाएगा, लेकिन दोनों में बात नहीं बनी, कोर्ट में आज की दलीलों के बाद ज्योति सिंह के वकील विष्णुधर पांडेय ने बताया कि पवन सिंह ने ज्योति सिंह को कहीं का नहीं छोड़ा है, ज्योति सिंह अगर कहीं बाहर निकलती है तो लोग यहीं बोलेंगे की ये पवन सिंह की वाइफ है जिसको छोड़ दिया तो पवन सिंह ज्योति सिंह को तीन करोड़ रुपये दे दें और नोएडा में एक घर दे दें, लेकिन इस पर पवन सिंह ने कुछ नहीं कहा है, इसलिए हम लोग आगे केस लड़ेंगे। वही विष्णुधर पांडेय बताया कि पवन सिंह की तरफ से एक करोड़ रुपए वन टाइम सेटलमेंट की बात कही गई थी, लेकिन हम लोग यह बात नहीं मानेंगे ,या तो पवन सिंह तीन करोड़ रुपये दें या जहां घर में रहते हैं वहां अपने साथ रखेंगे, लेकिन पवन सिंह ज्योति सिंह को रखने के लिए भी तैयार नहीं हैं वहीं अब मुकदमे में कांटेस्ट होगा. वही केस की अगली तारीख 17 अक्टूबर को तय की गई है।

☞ **केस में अब ट्रायल शुरू किया जाएगा** :- पवन सिंह के वकील सुदामा सिंह ने बताया कि ज्योति सिंह के द्वारा पहले पांच करोड़ रुपए मांगी गई थी, न्यायाधीश के समझाने पर वो तीन करोड़ रुपए और नोएडा एक फ्लैट की मांग कर रहे हैं, उन्होंने बताया कि अपनी सहूलियत के हिसाब से हम लोग ने उनको एक करोड़ रुपए देने की बात कही है, लेकिन उनको तीन करोड़ रुपए चाहिए, वहीं, पवन सिंह के साथ रहने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह सभी बात झूठ है ,केवल मीडिया के सामने ही ज्योति सिंह पवन सिंह के साथ रहने की बात करती हैं, लेकिन हकीकत ऐसा नहीं है. वहीं, केस में अब ट्रायल शुरू किया जाएगा और गवाहों की पेशी की जाएगी।

☞ **2018 में ज्योति सिंह से हुई थी पवन सिंह की शादी** :- बता दें कि पवन सिंह ने ज्योति सिंह से दूसरी शादी की है. 2018 में यूपी के बलिया की रहने वाली ज्योति से उनकी शादी हुई थी. पहली पत्नी ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी थी ,अभी ज्योति सिंह बीते कई महीने से अपने मायके में रह रही हैं. पवन सिंह अपने पैतृक गांव आरा के जोकहरी से बारात लेकर गए थे. अब रिश्तों में खटास के बाद बात कोर्ट तक पहुंच गई है. वहीं, पवन सिंह और ज्योति सिंह के तलाक का मामला काफी लंबा खींचता जा रहा है. दोनों तरफ से किसी प्रकार का सेटलमेंट की बात नजर नहीं आ रही है. जहां पवन सिंह अपनी पत्नी ज्योति सिंह को अपने साथ रखना नहीं चाहते हैं तो वहीं ज्योति सिंह ने पवन सिंह को दो विकल्प दिया है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

सेल्फी लेने के चक्कर में पांच लड़कियां डूबी

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर में सोन नदी में 5 लड़कियां डूब गई। रविवार सुबह स्थानीय लोगों की मदद से तीन शवों को बरामद किया गया है। दो की तलाश की जा रही है। डूबने वालों में एक महिला और चार किशोरी है। इनमें से एक की पिछले साल ही शादी हुई थी। शनिवार की शाम जिउतिया पर्व पर घाट पर सभी स्नान और पूजा करने गई थीं। सेल्फी लेने के चक्कर में एक लड़की डूब गई। उसे बचाने के दौरान एक-एक कर पांचों डूब गई। घटना चांदी थाना क्षेत्र के बहियारा दक्षिणी घाट की है। मृतका के भाई साहिल ने बताया कि सभी नहाने के दौरान नदी में एक-दूसरे पर पानी फेंक रही थीं। मैंने देखा था, तभी अचानक से दीदी बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगी। मैंने बहुत आवाज लगाई लेकिन मदद के लिए कोई नहीं आया। इतने में सब डूबने लगीं, मुझे बस उनके सिर दिखाई दे रहे थे। सभी नदी में पानी फेंककर खेल रही थीं, तभी एक का पैर फिसला और वो डूबने लगी। उसे बचाने के दौरान एक-एक कर पांचों डूब गई। डूबने वालों में 2 लड़कियां एक परिवार की वहीं तीन एक परिवार से थीं। घटना के बाद देर रात तक स्थानीय लोगों ने खोजबीन की थी लेकिन कुछ पता नहीं चला। रविवार सुबह से ही स्थानीय लोगों ने तलाश शुरू की। सुबह 7 बजे के करीब 3 लड़कियों का शव मिला। कोइलवर थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव निवासी ऋषभ कुमार की पत्नी अनिता कुमारी (20)। उदवंतनगर थाना क्षेत्र के मिल्की गांव निवासी दशरथ यादव की बेटी निशा कुमारी (18) (अनिता की ममेरी बहन)। चांदी थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदी गांव निवासी चितरंजन वर्मा की बेटी सुमन कुमारी और चंद्रावती कुमारी, दोनों सगी बहन थी। चांदी थाना क्षेत्र के चांदी गांव निवासी देवेंद्र वर्मा की बेटी अंजली कुमारी (20) (चचेरी बहन) है। सुमन कुमारी नौवीं, चंद्रावती कुमारी मैट्रिक पास और अंजली ग्रेजुएशन की छात्रा है। अनिता की शादी मार्च 2022 में हुई थी। तीन दिन पहले वह अपने मायके आई थी। जबकि उसकी ममेरी बहन निशा रक्षाबंधन में आई थी। रविवार सुबह सुमन, चंद्रावती और निशा का शव बरामद किया गया है। अनिता कुमारी के पिता ददन यादव ने बताया- गांव की कई महिलाएं बहियारा घाट पर स्नान करने के लिए आई थी। यहां घाट पर पूजा की और उसके बाद नहाने के दौरान डूब गई। इस घटना में एक मेरी बेटी और एक मेरे साले की बेटी डूबी है। वहीं अब तक किसी का कुछ पता नहीं चल पाया है। एएसआई नथुनी सिंह ने बताया कि शाम में करीब पांच बजे सूचना मिली कि बहियारा दक्षिणी घाट पर सोन नदी में 5 लड़कियां डूब गई है। इसके बाद थाने की टीम घटनास्थल पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से तलाशी की गई। वहीं, अधिकारियों ने एसडीआरएफऔर एनडीआरएफ की टीम को सूचना दी। खबर लिखे जाने तक किसी की बॉडी नहीं मिली है।●

सोन नदी के जमीन पर कब्जा

● गुड्डू कुमार सिंह

तरारी प्रखण्ड के इमादुर थाना क्षेत्र के चारूग्राम गांव के उत्तर दिशा में सोन नदी के किनारे की सरकारी जमीन पर कुछ दिनो से विवाद चल रहा है. अवैध कब्जा को लेकर एक पश्चिमी इंगलीश और चारू ग्राम गांव के लोगों के बीच इस जमीन पर कब्जे को लेकर झड़प भी हो चुकी है. स्थानीय प्रशासन से लेकर अनुमंडल के अधिकारी इस विवाद को कुछ दिनो से सुलझान में लगे लगे हुए है। लेकिन विवाद सुलझने के बजाय और उलझता ही जा रहा है. अब विवाद सुलझाने की जिम्मेवारी अनुमंडल पदाधिकारी श्रेया कश्यप के पाले मे था सोमवार को विवाद सुलझाने अनुमडल पदाधिकारी इमादपुर थाना पहुंचे. इमादपुर थाना परिसर में जमीन विवाद को सुलझाने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राहुल सिंह के साथ पूरा प्रशासनिक महकमा पहुंचा. दोनों पक्ष के लोग भी बड़ी संख्या में जुटे.

☞ **शुरू से करते आ रहे हैं खेती :-** चारूग्राम के लोगों ने अपना पक्ष रखते हुए बताया कि सोन नदी के क्षेत्र की भूमि पर खेती-बारी करना उनका पुश्तैनी पेशा है. उनका यह भी कहना है कि सोन नदी की क्षेत्र की पूरी भूमि बिहार सरकार के समय से ही उन्हें खेती करने के लिए दिया गया है. इधर, कुछ दिनो से पश्चिमी इगलिश गांव के अन्य जाति के लोग एक साजिश के तहत उन्हें भूमि से बेदखल करने का प्रयास कर रहे हैं.

☞ **जानवर को भी पहुंचाते हैं नुकसान :-** दूसरे पक्ष के लोगों ने अधिकारियों के समक्ष बताया कि सोन नदी की भूमि सरकारी भूमि है. जिस पर गांव के सभी लोगों का समान अधिकार है. लेकिन एक गॉव विशेष के लोग भूमि को निजी भूमि मानकर दूसरे लोगों को उसका उपयोग नहीं करने देते हैं. अगर जानवर चरते हुए उस जमीन की तरफ चला जाता है तो जानवरों को भी नुकसान पहुंचाते हैं. जिस कारण गांव में जमीन को लेकर विवाद चल रहा है.

☞ **बड़े-बुजुर्गों की उपस्थिति में मामले को सुलझाए :-** दोनों पक्षों की ओर से ग्रामीणों की बात सुनने के बाद अनुमंडल पदाधिकारी श्रेया कश्यप ने कहा कि जिस जमीन को लेकर ग्रामीण विवाद कर रहे हैं, वह सोन नदी की सरकारी जमीन है. उन्होंने कहा कि नदी की भूमि को बंदोबस्ती भी नहीं की जा सकती है. उन्होंने दोनों पक्षों को आपसी सहमति के आधार पर विवाद सुलझाने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि गांव में ही बड़े-बुजुर्गों की उपस्थिति में मामले को सुलझाने से ही विवाद सुलझाया जा सकता है।. अन्यथा, यह मामला आगे भी जारी रहेगा और दोनों पक्ष अनावश्यक परेशान रहेंगे.

☞ **अधिकारियों ने ग्रामीण के पाले डाला गेंद :-** उन्होंने कहा कि आपसी सहमति बनाकर दोनों पक्ष आपस में इस मामलें को सुलझा ले लेकिन दोनो पक्ष इस पर निर्णय लेने में सक्षम नही दिखी। जिसको लेकर अनुमंडल पदाधिकारी श्रेया कश्यप ने मामला बिगडते देख दोनों पक्षो को उस जमीन पर जाने की रोक लगा दि ग्ई और कहा की इस विवादित जमीन पर आज से धारा 144 लागू की जाती है ,इस जमीन पर किसी पक्ष द्वारा कोई ऐसा कार्य नही किया जायेगा जिससे विवाद उत्पन हो। अगर ऐसा किसी पक्ष द्वारा किया जाता है तो उसके खिलाफ दंण्डात्मक कारवाई कि जायेगी।

☞ **जमीन के विवाद में कई बार मारपीट की भी नौबत उत्पन्न हो गई है :-** जमीन विवाद को सुलझाने के लिए अनुमंडलाधिकारी श्रेया कश्यप, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राहुल सिंह, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार जिज्ञासु, अंचलाधिकारी निभा कुमारी, सिकरहटा थानाध्यक्ष पवन कुमार, तरारी थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार भास्कर, इमादपुर थानाध्यक्ष ओमप्रकाश समेत दोनो पक्षो के लोग उपस्थित थे।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

नये सर्वेक्षण के आधार पर नया आवा कानून बनाओ : मनोज मंजिल

● गुड्डू कुमार सिंह

खेग्रामस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह अगिआंव विधायक मनोज मंजिल ने मीडिया को संबोधित करते हुए की 5 गारंटी योजना को हमने मुद्दा बनाया है, इसे एक एक गांव गरीबों तक पहुंचाना है। केंद्र सरकार को घेरना है और राज्य सरकार पर दबाव बनाना है। देश में जब से इंडिया गठबंधन बना है भाजपा की नींद उड़ चुकी है। भाजपा की केंद्र की मोदी सरकार 40 श्रम कानून को रद्द कर 4 श्रम कोड में तब्दील कर दिया है। मनरेगा सहित मजदूरों गरीबों की अन्य योजनाओं को मोदी सरकार कमजोर कर रही है। मनरेगा को मारने की कोशिश हो रही है। केंद्र की सरकार की अकुशल मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी 449रुपया लागू है, फिर भी बिहार में 228 मनरेगा मजदूरों को दिया जा रहा है। महंगाई के आधार पर हमारी मांग है कि महीना में 200 दिन काम 600 न्यूनतम मजदूरी भुगतान हो। हाउसिंग कानून(वास आवास अधिकार कानून) बनाते हुए सभी भूमिहीन को पांच डिसमिल जमीन मकान के लिए छ्लाख केंद्र की सरकार दे। 60 साल से ऊपर के सभी महिला पुरुषों को प्रति महीना 3000 रू० पेंशन की गारंटी हो! बिजली के निजीकरण पर रोक लगे, सभी गरीब भूमिहीनों को 200 यूनिट बिजली फ्री हो और फर्जी बिजली बिल माफ हो! सभी दलित गरीब आदिवासियों के बच्चों की फ्री में पढ़ाई लिखाई हो। मासिक छात्रवृत्ति की अनिवार्य व्यवस्था हो। बेहतर स्वास्थ्य सेवा की गारंटी हो। नफरत और विभाजन के खिलाफ दलितों गरीबों अकलियतों की एकजुटता का माहौल बने और संविधान लोकतंत्र की रक्षा का आंदोलन मजबूत हो! इन सवाल को लेकर आंदोलन तेज किया जाएगा। मोदी सरकार अंबानी अडानी की गोद में बैठकर पूरे देश की संपत्तियों को अंबानी अडानी के हवाले कर रही है ।अदानी अंबानी की मोदी सरकार के खिलाफ साझा संघर्ष आज वक्त की मांग है। बिहार सरकार के द्वारा जारी जाति सर्वेक्षण की रिपोर्ट का खेग्रामस स्वागत करता है और पूरे देश में जातीय गणना कराने की मांग केंद्र सरकार से करता है। भोजपुर जिला सचिव जवाहर लाल सिंह ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि खेग्रामस को गांव ,पंचायत ,प्रखंड, जिलों में संगठन का जाल बिछा देना चाहिए, तभी हम भाजपा सरकार को 2024 के लोकसभा चुनाव से हटा सकते हैं और अपनी ताकत को मजबूत कर सकते हैं। खेत मजदूर ग्रामीण मजदूर संगठन को क्रांतिकारी सामाजिक बदलाव का अग्रदूत बनना है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल नेताओं में भाकपा माले भोजपुर जिला सचिव जवाहर लाल सिंह,खेग्रामस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज मंजिल,खेग्रामस के जिला सचिव कामता प्रसाद सिंह,जिला अध्यक्ष जीतन चौधरी,उपाध्यक्ष मदन सिंह,खेग्रामस राज्य परिषद सदस्य राम छपित राम, माले नेता राम बाबू यादव थे।●

जनसंवाद कार्यक्रम में आमजन से रूबरू हुए उप विकास आयुक्त

● गुड्डू कुमार सिंह

राज्य सरकार के निर्देश पर पीरो प्रखंड के जितौरा जंगल महाल पंचायत में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त सहित जिला,अनुमंडल व प्रखंड के अधिकारी आमजन से रूबरू होकर उनकी समस्याएं सुनी और सरकार प्रायोजित जन कल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए उनके सुझाव लिये गए। कार्यक्रम में मौजूद उप विकास आयुक्त विक्रम वीरकर ने सरकार प्रायोजित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ आमलोगों को मिले इसको लेकर यह जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है। लोगों की शिकायत और सुझाव के आधार पर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए आवश्यक सुधार किया जाएगा। इस दौरान मुखिया आमोद कुमार राय व पंचायत समिति सदस्य अरविंद राम ने सुझाव दिया कि दलित बस्तियों को चिह्नित कर वहां प्राथमिकता के आधार पर कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कराया जाए। वही पूर्व मुखिया दुदुन सिंह ने बिजली विपत्र में भारी गडबडी, सिंचाई के लिए नहरों में पर्याप्त जलापूर्ति का मसला अधिकारियों के सामने उठाया। बरांव पंचायत के मुखिया श्रीराम सिंह ने अधिकारियों को बताया कि नब्बे प्रतिशत आंगनबाडी केंद्र अभी भी निजी घरों में संचालित हो रहे हैं। जितौरा की मुखिया कुमारी अर्पणा सिन्हा व समाजसेवी हरिमोहन सिंह ने जितौरा हाई स्कूल में चहारदीवारी निर्माण, हंकार टोला नहर में पुल निर्माण, गोकुल टोला तक रास्ते के पक्कीकरण व पुस्तकालय, पंचायत सरकार भवन स्थापित करने की जरूरत पर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया। इसके पूर्व उप विकास आयुक्त ने रामदिहल सिंह प्लस टू विद्यालय परिसर स्थित तालाब में बने पक्के घाट का विधिवत उद्घाटन किया। जनसंवाद कार्यक्रम में एसडीएम श्रेया कश्यप, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राहुल सिंह, उप समाहर्ता भूमि सुधार शिवशंकर पंडित, पुलिस इंस्पेक्टर नंदकिशोर प्रसाद सिंह, बीडीओ सुनील कुमार गौतम, अंचलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह, राजस्व पदाधिकारी रितिका कृष्णा, मुखिया सत्येन्द्र नारायण सिंह, प्रियंका कुमारी, दरबी देवी, उप मुखिया सत्येन्द्र सिंह, पंचायत समिति सदस्य निराला यादव सहित कई अन्य जन प्रतिनिधि, पदाधिकारी, कर्मी व बड़ी संख्या में ग्रामीण लोग मौजूद थे।●

सांसद बनने की इच्छा जताए थे पवन सिंह

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुरी सिनेमा में अपनी छाप छोड़ने के बाद पवन सिंह अब राजनीति की दुनिया में कदम रखने जा रहे थे, पर अब लगता है उनका सपना सपना ही रह जाएगा। क्योंकि केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने रविवार एक चैनल को इंटरव्यू देते हुए कहा कि वह अपने वर्तमान सीट आरा से ही चुनाव लड़ेंगे। आपको बता दे की पवन सिंह ने कुछ दिन पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात की थी , और लोगों के बीच एक फेसबुक पर तस्वीर शेयर कर सुर्खियों में बने थे। पर वह सुर्खियां अब सुर्खियां ही रह जाएगी।

आपको बता दे की 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में अभी काफी वक्त है। इसके पहले ही चुनाव लड़ने की इच्छा रखने वाले नेताओं ने अपनी सीट को लेकर दावा करना शुरू कर दिया है। केंद्रीय मंत्री आर. के. सिंह ने रविवार को ऐलान कर दिया कि वो अपनी वर्तमान सीट आरा से ही लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे। आर के सिंह के ऐलान के बाद सवाल उठने लगे हैं? सवाल ये कि क्या भोजपुरी एक्टर पवन सिंह के मंसूबे पर पानी फिर जाएगा? दरअसल भोजपुर एक्टर पवन सिंह 6 महीने पहले ही आरा से लोकसभा चुनाव लड़ने की मंशा जाहिर कर चुके हैं। केंद्रीय मंत्री आर. के. सिंह ने रविवार को कहा कि वह अपनी वर्तमान सीट आरा से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि श्मैं आरा से चुनाव लड़ूंगा। कोई और मेरे लिए निर्णय कैसे ले सकता है? मैं अपना निर्णय स्वयं लूंगा। कहा जा रहा है कि मैं राज्यपाल बनने जा रहा हूं, लेकिन मैं राज्यपाल नहीं बनूंगा। आर के सिंह ने कहा कि मैं आरा से चुनाव लड़ूंगा।

पूर्व आईएएस अधिकारी आर. के. सिंह ने 2013 में बीजेपी जॉइन की थी। बीजेपी में शामिल होने के बाद उन्होंने कहा, बीजेपी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो अन्य पार्टियों की तरह राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं करती है। इसके बाद 2014 में हुए लोकसभा का चुनाव आरा सीट से लड़ा। इस चुनाव में आर. के. सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राजद के श्रीभगवान सिंह कुशवाहा को हराया था। बाद में सरकार बनने पर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री बने थे। आर के सिंह ने 2019 में फिर से आरा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा। इस बार सीपीआई (एमएल) के राजू यादव को हराकर अपनी सीट बरकरार रखी थी। दरअसल इसी साल 6 महीने पहले अप्रैल-मई में पवन सिंह ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और बिहार बीजेपी प्रभारी विनोद तावडे से मुलाकात की थी। इसके बाद चर्चा शुरू हुई थी कि पवन सिंह बिहार से सक्रिय राजनीति में शामिल होना चाहते हैं। इसके बाद उन्होंने आरा सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा भी जाहिर कर दी थी। अब अगर केंद्रीय मंत्री आर. के. सिंह आरा से चुनाव लड़ने की अपनी जिद पर अड़े रहे तो पवन सिंह का सपना टूट सकता है।●

फर्जी प्रॉपर्टी डीलर के चंगुल में किसान

● गुड्डू कुमार सिंह

मनुष्य के लिए रोटी, कपड़ा और मकान यह तीनों आम हो या खास सभी के लिए जरूरी है। नौकरी व्यवसाय, खेतीबाड़ी कर सभी लोग जो कमाते हैं उसमें कुछ राशि बचा कर अपने लिए कुछ जमीन खरीदने की सोच जरूर रखते हैं। सभी लोगों का यह सपना होता है कि उनका एक अच्छा मकान शहर में भी हो। लेकिन उद्वंतनगर प्रखंड भर में आमलोगों का यह सपना अब पूरा होना मुश्किल हो गया है। क्योंकि इस प्रखंड के किसान भी परेशान है, किसानों का परेशानी का कारण है चक और सर्वे , जब चक सर्वे हुआ था उसे वक्त सरकार ने किसानों के कागज तो चक का थमा दी उसे पर मोहर भी लगा दी, पर अब दलालों द्वारा किसानों को कहा जा रहा है कि चक फाइनल नहीं हुआ है, अब जमीन सर्वे से भी बिक गया और चक से भी, इसी में किसान और माफियाओं में कई बार लड़ाई झगड़ा भी देखने को मिल रहे हैं और बड़ी घटना का आसार दिख रहा है, क्योंकि प्रखंड में दलालों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि ऐसा लग रहा है जमीन का संपूर्ण स्वामित्व दलालों के हाथों में ही है। ग्राहक खोजने से लेकर जमीन दिखाने व रजिस्ट्री विभाग में पहुंच कर जमीन रजिस्ट्री कराने तक का कार्य दलाल कर रहे हैं। जमीन खरीद बिक्री के व्यवसाय में दलालों के बीच में पड़ने से जमीन का भाव सातवें आसमान पर है। जिस जमीन की कीमत दो-तीन लाख प्रति डिसमिल होनी चाहिए, उस जमीन का दाम सीधे दोगुना यानी छह लाख रुपये डिसमिल बताया जा रहा है। ऐसे में एक साधारण व्यक्ति के लिए जमीन खरीदना कैसे संभव होगा यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। उदवंतनगर प्रखंड की ही बात की जाए तो देखा की मुख्य जगहों को छोड़ जो अभी कृषि क्षेत्र हैं, वहां की जमीन भी दलालों ने ऐसी निर्धारित कर दी है कि सुन कर ही लोग आश्चर्य जता रहे हैं। जिस जमीन पर धान की फसल अभी लगी है उस जमीन की कीमत पांच से छह लाख रुपये प्रति डिसमिल बताया जा रहा है। जितने भी प्रॉपर्टी दलाल हैं किसी के पास लाइसेंस नहीं है। कई बार आवेदन देने के बाद भी पदाधिकारी नहीं सुन रहे हैं आखिर क्यों। उदवंतनगर ब्लॉक की बात की जाए तो चौकीपुर पकड़ियाबर फर्जी प्रॉपर्टी डीलर दलालू के गिरफ्त में आ चुका है। 1968 में जब सर्वे हुआ उस घड़ी सरकार ने चक नाम देकर किसानों का जमीन इधर से उधर कर दिया था, वहीं जमीन अब किसानों के लिए फांसी का फंदा बना रहा है, क्योंकि प्रॉपर्टी डीलर चक फाइनल नहीं होने के बाद कहकर किसानों को ठग रहे हैं। जिससे किसान काफी परेशान है क्योंकि अच्छे जमीन को उल्टा सीधा झगड़ाकरा कर प्रॉपर्टी डीलर सस्ते दामों में खरीद कर मालामाल हो रहे हैं। इसका आवेदन भी हमारे पास उपलब्ध है। ग्राहकों को तरह-तरह की बातों को बता दलाल ऐसा भ्रमित कर रहे हैं कि लोग भी उनके चंगुल में फंस जा रहे हैं। इसमें कई मामले तो ऐसे सामने आए हैं की एक ही जमीन को दलाल दो-तीन लोगों को बिक्री करा दिए हैं। जिसका नतीजा है कि थाना व कचहरी में वादों की संख्या भी बढ़ी है। जमीन खरीद बिक्री में सरकार की नई नीति लागू होने के बाद दलाल और झूठ का सहारा लेने लगे हैं। जमीन में यदि किसी तरह का विवाद है तो उसका जिक्र तक दलाल नहीं कर रहे।●

पटरी टूटने से नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस के डिरेल होने की आशंका

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार में दिल्ली से गुवाहाटी जा रही नॉर्थ-ईस्ट एक्सप्रेस (12506) बुधवार की रात हादसे का शिकार हो गई। ट्रेन की सभी 21 बोगियां पटरी से उतर गईं, जिनमें एसी-3 टियर की दो बोगियां पलट गईं। इस हादसे में 4 यात्रियों की मौत हुई है, जिनमें दो पुरूष, मां और बेटी (5) शामिल हैं।यह हादसा बक्सर-आरा के बीच रघुनाथपुर स्टेशन के पास रात में 9 बजकर 35 मिनट पर हुआ। ट्रेन में सवार 100 से ज्यादा यात्री घायल हुए हैं। इनमें 15 से 20 लोगों गंभीर हैं। रात को ही 10 घायलों को एम्स पटना भेजा गया है। अन्य घायलों का स्थानीय अस्पतालों में इलाज चल रहा है।ट्रैक टूटने से ट्रेन के डिरेल होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे के बाद पटरी दो फीट तक फट गई। उधर ट्रेन के गार्ड ने बताया, दुर्घटना के वक्त ट्रेन करीब 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी । एकदम से ब्रेक लगा और ट्रेन डिरेल हो गई। पोल संख्या 629/8 के पास कर्व था। यहां से ट्रेन की चार बोगी निकल गई। फिर एक-एक कर सभी बोगियां डिरेल होती चली गई। इस ट्रेन के आने से आधा घंटे पहले एक पैसेंजर ट्रेन (03210) इसी ट्रैक से गुजरी थी ।

☆ हादसे में मृतकों के नाम :-

☞ उषा भंडारी (33), जलपाईगुड़ी

☞ उषा भंडारी की बेटी आकृति भंडारी (8), जलपाईगुड़ी

☞ अबू जाहिद (27), किशनगंज

☞ एक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है

घटना के तुरंत बाद मौके पर आसपास के गांवों के लोग मदद के लिए पहुंचे। स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। अंधेरा होने की वजह से पहले ट्रार्च की रोशनी में रेस्क्यू चलाया गया। बाद में जनरेटर की व्यवस्था की गई। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम के साथ पटना, आरा और बक्सर से रेलवे की बचाव टीम पहुंची। बोगियों से घायलों को निकालकर अस्पतालों में भेजा गया। सुबह पांच बजे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। अब ट्रैक पर गिरी बोगियों को हटाने का काम चल रहा है। बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने बताया कि पटना के एम्स और आईजीआईएमएस को अलर्ट मोड पर रखा गया। एम्स के डायरेक्टर गोपाल कृष्ण पाल ने बताया कि ट्रॉमा सेंटर और इमरजेंसी वार्ड में पूरी तैयारी है। 15 से 20 बेड रिजर्व रखे गए हैं।

डिप्टी सीएम ने बक्सर के डीएम अंशुल अग्रवाल और भोजपुर डीएम राजकुमार से भी फोन पर बात की और स्थानीय अस्पतालों में तैयारियों के बारे में जानकारी ली।कल रात से लेकर अभी तक 21 ट्रेनों के रूट डायवर्ट किया गया है। आज आने-जाने वाली 14 ट्रेनों के रूट बदले गए हैं। इनमें भागलपुर- आनंद विहार गरीब रथ, रक्सौल-लोकमान्य तिलक कर्मभूमि एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, लोकमान्य तिलक-पटना एक्सप्रेस, फरक्का एक्सप्रेस शामिल हैं। साथ ही आज नई दिल्ली से आने वाली नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस को दीनदयाल उपाध्याय गया- मालदा टाउन के रास्ते डायवर्ट कर दिया गया है।ट्रेन डीरेल होने के बाद मौके पर आसपास के ग्रामीण पहुंचे और यात्रियों को निकालना शुरू कर दिया। अंधेरा होने के कारण लोगों को ढूंढने में काफी दिक्कत हुई। कोच में फंसे लोगों को टॉर्च की मदद से निकाला गया। बाद में प्रशासन ने जनरेटर और लाइट की व्यवस्था की। उसके बाद रेस्क्यू तेज हुआ। पटना से दो ट्रेनों को मौके पर भेजा गया। इन ट्रेनों के जरिए हादसे के बाद फंसे यात्रियों को भेजा गया।●

ईमानदारी बर्दाश्त नहीं करता बक्सर : रंगलाल यादव

● बिन्ध्याचल सिंह

विश्वामित्र की नगरी बक्सर को मिनी काशी के नाम से भी जाना जाता है, सालोभर तीर्थ यात्रियो का आना-जाना लगा रहता है। बक्सर में जितना ही तीर्थ यात्रियो की भीड लगी रहती है, उतना ही बक्सर पुलिस अपनी कर्तब्यनिष्ठा के प्रति रात के बारह बजे चौक-चौराहे पर दिखाई देती है, ताकि तीर्थ यात्रियो को किसी भी तरह की समस्या न हों। हालांकि नगर थाना बक्सर की आँखो में दूरदृष्टि दोष है, इसको भी नही नकारा जा सकता हैं । जिसका प्रमाण 15/07/2023 को तत्कालीन नगर थानाध्यक्ष दिनेश मालाकार के द्वारा जो किसी होटल में छापेमारी कर जुआरी को पकडा गया था। लुट की छुट में बक्सर किसी भी प्रकार की समस्या का घुट नही पीता है। यही मुख्य कारण है कि अपने आदत से मजबूर बक्सर किसी भी ईमानदार पदाधिकारी को बर्दाश्त नही करता है। जिसमें तत्कालीन बाल संरक्षण ईकाइ पदाधिकारी श्री सत्यनारायण सिंह और कृषि पदाधिकारी विक्रमा बाबू को बर्दाश्त नही किया। जो ईमानदार पदाधिकारी थे। ये तमाम बातें श्री रंगलाल यादव ने केवल सच प्रतिनिधि को बतायी। आगे उन्होंने कहा कि पीसी कॉलेज बक्सर के द्वारा जमीन की खरीददारी की गई, जो छात्रो को खेलने के लिये मैदान है। खेल के मैदान के नाम पर केवल गढा की खरीददारी की गई, जो मौजा सोहीला अंचल-बक्सर, खाता-253 अनावाद सर्वसाधारण पोखरा रकवा-06 एकड 80 डी०, खेसरा-809 प्लॉट-997, दूसरा, गडही- 01 एकड 68 डी०, खाता नं0-338 में करोडो की राशि का गबन है। न जाने कितने घोटाले है पीसी कॉलेज बक्सर के द्वारा। जबकि एलबीटी कॉलेज बक्सर में तो अवैध रूप से प्रचार्य की नियुक्ति हुई है। जो अनुमण्डलाधिकारी की असीम अनुकम्पा और आर्शीवाद है और रहेगी और रहती आ रही है। सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओ में मनरेगा है, जो प्रखण्ड नवानगर के बाबुगंज इंशलिश पंचायत में केवल कागज में पूरा किया जाता है। जबकि सात निश्चय योजना-02 अन्तर्गत कचड़ा सफाई का कार्य केवल कागज पर निकासी से है। केवल सच प्रतिनिधि से बातचीत के दौरान श्री यादव ने जानकारी दी कि अवर निबंधन कार्यालय में लूट की पूरी छूट है। जो कार्य दिवस के किसी भी दिन औचक निरिक्षण कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। वही अंचल कार्यालय में दाखिल खारिज के नाम पर न्यूनतम 3000/ रू0 से 40000/रू० आम बात है, जबकि केवल अंचल ब्रहम्मपुर के कॉट पंचायत के हल्का राजस्व कर्मचारी द्वारा 100000/रू0 की

मांग दाखिल खारिज के लिये की गई, जो एक अपवाद है। औसतन पूरे जिले के राजस्व कर्मचारी 10000 रू0 से 25000 रू0 तक सेवा शुल्क लेकर दाखिल खारिज करते आ रहे हैं। संक्षेप में श्री यादव ने जानकारी दी कि भ्रष्टाचार अवरोही क्रम में अवर निबंधन कार्यालय डुमरॉव, आई०सी०डी०एस० में महिला पर्यवक्षिका, साफ-सफाई कार्य में नगर परिषद- पंचायत में पदाधिकारी, अंचल में हल्का राजस्व कर्मचारी, स्वास्थ्य विभाग में स्वास्थ्य प्रबंधक, ब्रहम्पुर और चौगाई प्रखण्ड को छोडकर, खनन विभाग में उच्चपदाधिकारी, इत्यादि है जबकि अवैध वसूली में यातायात पुलिस निरिक्षक, गोदाम प्रबंधक जो डिलरो से प्रति क्विंटल 50 रू० वसूलते हैं। इसमें मोटरयान निरीक्षक शामिल हैं, जिनकी मासिक अवैध वसूली लाखो रू० है। आपको बताते चले कि उपरोक्त सभी जानकारी श्री रंगलाल यादव के द्वारा दी गई जानकारी के आलोक में सूचीबद्ध की गई है। प्रिय पाठगण आपलोगो को बताते चले कि श्री रंगलाल यादव समाजिक कार्यकर्ता के साथ कवि व लेखक भी है जो राष्टीय जनता दल से तालूकात रखते है।●

जिनवाणी मैनेजमेंट कॉलेज एक नजर में

● बिन्ध्याचल सिंह

भोजपुर जिला के बिहिया प्रखण्ड अन्तर्गत जिनवाणी मैनेजमेंट कॉलेज, सिकंदपुर जो आरा-बक्सर मुख्य मार्ग पर विगत कई वर्षो से रोजगार परक शिक्षा के साथ रोजगार का केन्द्र बना हुआ है। यही मुख्य वजह है कि हेल्थ एंड एजुकेशनल सोसाइटी आरा के द्वारा दो दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया गया था। जिसमें प्रथम दिन 83 छात्रो का चयन हुआ और दुसरे दिन 39 छात्रो का चयन हुआ यानि रोजगार मेले में 122 छात्रो का चयन किया गया। जिससे प्रिय पाठकगण आप अंदाजा लगा सकते हैं कि जिनवाणी मैनेजमेंट कॉलेज भारत सरकार के सबसे अधिक आय प्राप्त करने वाला सेवा क्षेत्र में जिनवाणी मैनेजमेंट कॉलेज का कितना योगदान है। आपको बताते चले कि रोजगार मेले का आयोजन 21 और 22 सितंम्बर को आयोजित की गई थी, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप मे जिलाधिकारी भोजपुर श्री राजकुमार थे। जिन्होने छात्रो को संम्बोधित करते हुये कहा कि केवल रोजगार पाना लेना ही लक्ष्य नही होना चाहिए। वही जिनवाणी मैनेजमेंट कॉलेज के निर्देशक डॉ० आदित्य विजन जैन ने रोजगार की आवश्यकताओ पर प्रकाश डाला। हांलाकि कॉलेज के निर्देशक श्री जैन गुणवतापूर्ण शिक्षा व व्यवस्था के प्रति बहुत ही कर्तव्यनिष्ठ रहते हैं। जिनवाणी मैनेजमेंट कॉलेज सिकंदरपुर में आयोजित रोजगार मेले से क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है साथ ही छात्रो में जिनवाणी मैनेजमेंट कॉलेज सिकन्दपुर में नामांकन की उत्सुकता बढी है जिससे भविस्य में गुणवतापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर

रोजगार का सुअवसर प्राप्त किया जा सके।●

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम

● बिन्ध्याचल सिंह

स्वच्छता ही सेवा के तहत एक तारीख एक घंटा कार्यक्रम के तहत जिला गंगा समिति बक्सर के बैनर तले चौसा प्रखंड के महादेवा गंगा घाट पर श्री रोहित ओझा जी के तत्व में स्वच्छता व श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जबकि नगर परिषद् बक्सर में गैर सरकारी संगठन के द्वारा स्वच्छता का विशेष ध्यान दिया गया। एक घंटा कार्यक्रम के तहत वार्ड संख्या-38 एवं 39 में सुपरवाइजर तिवारी जी और वार्ड पार्षद 38 के दिनेश पासवान और 39 के बृजमोहन उपाध्याय जी के द्वारा कार्य को संपन्न किया गया। सरकार के द्वारा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम चलाया जा रहा है जबकि नगर परिषद्, बक्सर में सुपरवाइजर श्री आशुतोष तिवारी के नेतृत्व में प्रत्येक दिन स्वच्छता की प्राथमिकता रहती है। नगर पंचायत

ब्रम्मपुर के नगर अध्यक्ष श्रीमति सुमन देवी जिसकी नेतृत्व में स्वच्छता ही सेवा के तहत नगर के प्रत्येक वार्ड में एक साथ एक घंटा तक सफाई का कार्यक्रम आयोजन किया गया। वैसे नगर के विभिन्न वार्ड की जनता ने केवल सच प्रतिनिधि को जानकारी दी कि प्रत्येक दिन हर एक घर के दरवाजे पर सफाई कर्मियो का दस्ता होता है। जिससे नगर में गंदगी का अम्बार नही लग पाता है । वैसे भोले बाबा की नगरी का साफ-सफाई का ध्यान रखना लाजमी है।●

पकड़े गये शराब से भरे कंटेनर में पुलिस ने किया झोल

● गुड्डू कुमार सिंह

राज्य में शराब के इस्तेमाल और बिक्री पर रोक को लेकर नीतीश सरकार लगातार बड़े-बड़े दावें करती है, जिसे मुकाम पर पहुंचाने का जिम्मा राज्य की पुलिस को दी गई है। जब राज्य की पुलिस पर ही शराब की तस्करी का आरोप लगे तो मुहिम को अमलीजामा पहनायेगा कौन यह एक यक्ष प्रश्न बना हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार जिले के ब्रह्मपुर थाने में तैनात थानाध्यक्ष समेत कई स्टाफ थाने से ही शराब बेच रहे थे। इसकी भनक जब पुलिस के आलाधिकारियों को लगी तो वो थाने पहुंचे। उन्होंने शराब के स्टाक का मिलान कराया, जो कुछ दिन पहले ब्रह्मपुर थाने की पुलिस द्वारा जब्त की गई थी। इस मिलान में बड़ी गड़बड़ी सामने आई। इसके बाद एसपी मनीष कुमार के आदेश पर थानाध्यक्ष और मुंशी सहित थाने के कई स्टाफ पर मुकदमा दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया। बताया गया कि ब्रह्मपुर थाने ने पिछले दिनों शराब से भरा एक कंटेनर पकड़ा था। लेकिन कंटेनर से बरामद शराब की जब्ती सूची बनाने के दौरान मौके पर थाने के पुलिसकर्मियों ने खेल कर दिया। उन्होंने सूची में जब्त शराब की मात्रा कम दिखाई और करीब 500 पैक शराब थाने में ही अलग रख दी।

इसके बाद पुलिस द्वारा थाने से ही इस जब्त शराब का इस्तेमाल बेचने और पीने में किया जाने लगा। इस बीच किसी ने इसकी सूचना एसपी मनीष कुमार को दे दी। उन्होंने तत्काल कृष्णाब्रह्म और नावानगर थाने के स्टाफ को बुलाकर शराब के स्टॉक का मिलान शुरू कराया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान ब्रह्मपुर थाने के स्टाफ को जांच से दूर रखा गया। स्टाक का मिलान मंगलवार की भोर तक चला। इस दौरान डुमरांव के एसडीपीओ अफाक अंसारी भी थाने में पहुंचे।पूरी रात गिनती के बाद सामने आया कि थाने में जब्ती सूची से अधिक शराब रखी गई है। इसके बाद थानाध्यक्ष सहित अन्य स्टाफ पर प्राथमिकी करते हुए कई को हिरासत में लिया गया है। अब उन्हें जेल भेजने की तैयारी की जा रही है। एसपी के आदेश पर थाना प्रभारी समेत कुल 5 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज की गई थी। इसी मामले में एसपी ने कार्रवाई करते हुए पूरे थाने को सस्पेंड कर दिया है। एसपी की इस कार्रवाई के बाद जिले में चर्चा का विषय बन गया है। तमाम थानेदार अपने कार्य को लेकर सख्ती बरतने लगे हैं। एसपी ने कहा कि शराब को इधर-उधर करने के मालमे में कार्रवाई की गई है।●

दो एकड़ जमीन की खातिर अवधेश को मारी गई गोली

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची में 14 सितंबर को जमीन कारोबारी अवधेश यादव पर हुई दिनदहाड़े ताबड़तोड़ गोलीबारी मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गोलीबारी मामले में पुलिस ने एक महिला सहित 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी 12 आरोपी अवधेश की हत्या की साजिश रचने में शामिल थे। बता दें कि कांके थाना अन्तर्गत कांके ब्लॉक के पास आनन्द नर्सिंग होम के सामने उपेन्द्र गली में अज्ञात अपराधकर्मियों ने अवधेश कुमार को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था एवं अज्ञात अपराधकर्मी ने पास ही राजीव कुमार शर्मा से पिस्टल सटाकर होण्डा साईन मोटरसाईकिल संख्या - बीआर-02ए डब्लू-9108 को लूट कर भाग गये थे। छह गोलियां लगने के बावजूद अवधेश यादव बच गए। फिलहाल अवधेश अस्पताल में इलाजरत हैं। रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया की अवधेश यादव और चितरंजन के बीच दो एकड़ 67 डिसमिल जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। चितरंजन और अवधेश पूर्व में पार्टनर थे, दोनों एक साथ जमीन का काम किया करते थे।लेकिन कांके के जगतपुरम स्थित जमीन को लेकर दोनों में विवाद हो गया। जिसके बाद चितरंजन ने अवधेश को रास्ते से हटाने के लिए हत्या की साजिश रच डाली। पुलिस का कहना है अवधेश की हत्या की प्लानिंग में उसकी पत्नी और बेटा,भतीजा भी शामिल थे। यही वजह है कि इस मामले में चितरंजन की पत्नी सहित कई रिश्तेदार को भी गिरफ्तार किया गया है। साजिश के तहत 14 सितंबर को अवधेश यादव पर फायरिंग करवाई गई। जिसमें अवधेश पूरी तरह से जख्मी हो गए। अवधेश ने अपने बयान में चितरंजन का नाम लिया। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गोलीबारी की साजिश करने में शामिल 12 लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

☞ **मामले में गिरफ्तार लोग :-** मामले में जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है उनमें पंकज कुमार गुप्ता, अमेठिया नगर नामकुम, नवाज अख्तर, लोअर बाजार थाना क्षेत्र, मिनहाज अली, पतराटोली कांके थाना , सरफराज आलम, दर्जी मोहल्ला पिठौरिया, तौहिद अंसारी, पतराटोली कांके थाना कांके जिला राँची, हर्ष कुमार, शुक्ला कॉलोनी हिनू थाना डोरण्डा, जगदेव प्रसाद वर्मा, ओरिया साहद थाना लेस्लीगंज जिला पलामू , अमन कुमार, शुक्ला कॉलोनी हिनू थाना डोरण्डा, जिला राँची, सोनू कुमार सिंह उर्फ गुड्डु, खनवाँ थाना नरहट नवादा , अंकित कुमार, ग्राम+पोस्ट खनवाँ, थाना नरहट, जिला नवादा , बसंत अब्राहम लुगुन, दीपाटोली, पुराना नर्स कॉलोनी के नजदीक, थाना धूर्वा, अभिलाषा देवी, शुक्ला कॉलोनी, हिनू थाना डोरण्डा, शामिल है। कार्रवाई में पुलिस ने फॉर्चूनर कार पंजीयन संख्या: जेएच01सीवी-5050, फॉर्चूनर कार पंजीयन संख्या, जेएच01डीजेड-0023, टाटा सफारी स्टॉर्म पंजीयन,होण्डा साईन मोटरसाईकिल, देशी निर्मित पिस्टल,देशी निर्मित कट्टा, 7.65 एम.एम. की जिंदा गोली 8.08 एम.एम. की जिंदा गोली,7.62 एम. एम. की जिंदा गोली 10. विभिन्न कंपनी का मोबाईल, हथियार आदि बरामद किया है।

☞ **पटना जेल में बंद है मुख्य आरोपी चितरंजन :-** कांके ब्लॉक ऑफिस के पास हुई गोलीबारी मामले में मुख्य आरोपी भू माफिया चितरंजन पटना के बेउर जेल में पिछले 20 दिनों से बंद है। पुलिस को पता चला है कि आरोपी चितरंजन ने पूरी प्लानिंग के साथ ही गोलीबारी की घटना को अंजाम दिलवाया था। इसके लिए आरोपी ने पहले खुद को पुलिस से पकड़वाया। फिर जेल से जमीन कारोबारी अवधेश यादव को मारने की पूरी साजिश रची। आरोपी चितरंजन को पटना गांधी मैदान थाने की पुलिस ने 31 अगस्त को ही कारगिल चौक के पास से शराब की बोतल के साथ गिरफ्तार कर लिया था।जेल जाने के बाद आरोपी ने अवधेश यादव को मरवाने की पूरी प्लानिंग की, चितरंजन ने जेल से ही हत्या की साजिश रची, इसके लिए उसने अपने करीबी नामकुम निवासी पंकज का इस्तेमाल किया। पंकज के मोबाइल के जरिए शूटरों से बातचीत की। इसी बीच आरोपी ने अवधेश को यह मैसेज भिजवाया कि वह विवाद खत्म करना चाहता है। मीटिंग करने के लिए आरोपी ने ही अवधेश को 14 सितंबर को ब्लॉक ऑफिस के पास बुलाया था, जिसके बाद शूटरों के माध्यम से गोलीबारी घटना को अंजाम दिलवाया

गया।

☞ **पत्नी और बेटे सहित अन्य रिश्तेदार को पुलिस ने पकड़ा :-** मिली जानकारी के अनुसार,मुख्य आरोपी चितरंजन की पत्नी और बेटे को पुलिस ने इसलिए गिरफ्तार किया कि उन्हें घटना होने की सारी जानकारी थी। पत्नी चितरंजन से लागातार फोन में बातचीत कर रही थी। बेटे को घटना से पांच दिन पहले दिल्ली भेज दिया गया था। वहीं पटना में उसका भतीजा चितरंजन के सम्पर्क में था। पुलिस का कहना है ये सभी को मालूम था कि अवधेश यादव की हत्या होने वाली है। बता दें पुलिस ने जितने भी लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी पर साजिश में शामिल होने का आरोप है। वहीं सूत्रों की माने तो शूटरों को पनाह चितरंजन की पत्नी ने ही दी थी। वहीं किसी ने शूटरों को भगाने का तो किसी ने हथियार उपलब्ध कराने एवं बात करने का काम किया था। मुख्य साजिशकर्ता चितरंजन को राँची पुलिस ने रिमांड पर ले लिया है। फिलहाल राँची पुलिस की जांच जारी है एवं सभी शूटर की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

☞ **छापामारी दल के सदस्य :-** आभास कुमार थाना प्रभारी कांके, राजकुमार यादव पुलिस निरीक्षक सदर पश्चिमी अंचल, प्रवीण कुमार पुलिस निरीक्षक सीसीआर रांची, पु. अ.नि. अभय कुमार, थाना प्रभारी, पिठौरिया,पु. अ.नि. रविशंकर, डायल 112, राँची, पु. अ.नि. दीपक कुमार, कांके थाना, राँची , पु.अ.नि. मुनाजीर हसन कांके थाना, राँची,पु.अ.नि. सोनु कुमार वर्मा, कांके थाना, राँची, पु.अ.नि., पु.अ.नि. मोहित कुमार, कांके थाना, राँची जितेन्द्र सिंह विष्ट, कांके थाना, राँची,पु. अ.नि. राजीव कुमार, कांके थाना, राँची अ.नि. संजय नायक, कांके थाना, राँची, पु. 14. पु. अ.नि. विरेन्द्र कुमार मेहता, कांके थाना, राँची, स.अ.नि. बलेन्द्र कुमार सिंह, तकनिकी शाखा, राँची, स. अ.नि. शाह फैसल, तकनिकी शाखा, राँची, आरक्षी / 1563 चन्द्रभानु प्रताप सिंह, कांके थाना, राँची 18. आरक्षी / 3750 अविनाश कुमार शुक्ला, तकनिकी शाखा, राँची, आरक्षी / 345 पंकज कुमार महतो, तकनिकी शाखा, राँची,आरक्षी / 985 अब्दुल्ला अंसारी, तकनिकी शाखा, राँची, आरक्षी /848 अजमत अंसारी, तकनिकी शाखा, राँची,आरक्षी / 374 देवराज राम, कांके थाना, राँची 25. आरक्षी / 451 राजु कुमार, कांके थाना, राँची, चा. आरक्षी / 3237 पप्पु कुमार, कांके थाना, राँची शामिल थे।●

साइबर क्राइम की घटना को अंजाम देने वाले तीन गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

जामताड़ा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिले की सदर थाना पुलिस ने कॉल सेंटर बनाकर साइबर अपराध की घटना को अंजाम देने वाले तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से15 मोबाईल, 21 सिम कार्ड और तीन फोर व्हीलर बरामद किया है। इस पूरे मामले का खुलासा जामताड़ा एसपी अनिमेष नैथानी ने प्रेस कांफ्रेंस में किया। उन्होंने बताया कि अनवर अंसारी के घर में ही कॉल सेंटर बनाकर साईबर अपराध को अंजाम दिया जा रहा था। गिरफ्तार अपराधियों में अनवर अंसारी, मनीर अंसारी और सगीर अंसारी शामिल हैं। जबकि उनमें से एक व्यक्ति भगीरथ दत्ता भागने में सफल रहा। इनके विरुद्ध जामताड़ा साईबर अपराध थाना में अलग अलग मामलो में कांड दर्ज किए गए हैं।

☞ **गुप्त सूचना के आधार पर हुई छापेमारी :-** सदर थाना क्षेत्र के सोनबाद गांव में कुछ युवकों द्वारा साइबर अपराध करने की गुप्त सूचना जामताड़ा एसपी अनिमेष नैथानी को प्राप्त हुई, जिसके बाद गुप्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु,जामताड़ा एसपी अनिमेष नैथानी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए, इंस्पेक्टर सह साइबर थाना प्रभारी मनोज कुमार और तकनीकी शाखा के नेतृत्व मे एक टीम का गठन किया। इसके बाद टीम ने त्वरित करवाई करते हुए जब जामताड़ा थानान्तर्गत ग्राम सोनबाद में साईबर अपराधियो के विरूद्ध छापेमारी की, तो पुलिस को पता लगा कि घर में ही कॉल सेंटर बनाकर तीन चार अपराधी बैठ कर साइबर ठगी की घटना को अंजाम दे रहे थे। ग्राहकों को कॉलिंग कर रहे थे और लैपटॉप से भी डाटा शेयर करके उनका पैसा उड़ा रहे थे। जैसे ही पुलिस की रेड हुई वहां से एक अपराधी भागने में सफल रहा। जबकि तीन साइबर अपराधी गिरफ्तार कर लिए गए। इनके पास से 15 मोबाईल, 21 सिम कार्ड, तीन फोर व्हीलर एवं अन्य कई सामान बरामद हुए है।

अनिमेष नैथानी
जामताड़ा एसपी

☞ **ऐसे देते थे साइबर अपराध की घटना को अंजाम :-** एसपी ने बताया कि उपरोक्त सभी साइबर अपराधी एक साथ मिलकर चोरी किया हुआ सिम एवं मोबाईल से ठगी की वारदात को अंजाम दिया करते थे। एसबीआई, एक्सिस समेत कई अन्य बैंकों के क्रेडिट कार्ड होल्डर का पता लगाते थे। फिर पता करते थे कि उनके क्रेडिट कार्ड का लिंक है या नहीं। इसके बाद ऐसे कार्ड होल्डर के मोबाईल नंबरों पर बात करके पहले उन्हें अपने अपने झांसे में लेते थे। फिर स्क्रीन शेयरिंग एप जैसे एनिडेस्क, टीम व्हिवर, रस्क डेस्क, क्विक सपोर्ट डेस्क एप का लिंक भेजकर स्क्रीन की गतिविधियों को रिकार्ड कर साईबर ठगी की घटना को अंजाम देते थे। एसपी ने अपनी बातों को जारी रखते हुए आगे कहा कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है एवं भागे हुए अपराधी भगीरथ दत्ता की तलाश में पुलिस हर जगह छापेमारी कर रही है। जल्दी ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।●

सड़क पर उतरे एसएसपी, संभाली ट्रैफिक की कमान

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची शहर में ट्रैफिक की समस्या 20 सालों बाद भी नहीं सुधरी। कई ट्रैफिक एसपी आए और चले गए। लेकिन रांची शहर के बीचों-बीच मेन रोड , कांटा टोली, रातू रोड, लालपुर, कोकर जैसे जगहो पर जाम की स्थिति आज भी वैसी ही बनी हुई है। रांची की जनता जाम से त्रस्त हो गई हैं। एंबुलेंस भी अगर जाम में फस जाए तो बहुत ही मुश्किल से निकल पाता है। जाम मुक्त शहर हो, आम जनों को सुविधा मिले। फुटपाथ में दुकान न लगाकर उसे व्यवस्थित ढंग से किसी अच्छे जगह पर दुकान आवंटित कर उसकी दुकानों को सजाने का काम करें। पार्किंग की व्यवस्था हो, जहां वहानों को पार्किंग मिल सके। कोई मरीज अगर एंबुलेंस में जा रहा है, तो वह आसानी से अस्पताल पहुंच सके। इन्ही सब समस्याओं को देखते हुए रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा खुद ही सड़क पर उतरे और ट्रैफिक की कमान संभाली। एसएसपी लगातार ट्रैफिक अभियान चला रहे हैं और उनके दिशा निर्देश पर सिटी एसपी सह ट्रैफिक एसपी प्रभारी राजकुमार मेहता ने भी कमान संभाल रखी है। उनके साथ कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए, डीएसपी ट्रैफिक जीत वाहन उरांव, डीएसपी ट्रैफिक कपिंद्र उरांव, सिटी डीएसपी दीपक कुमार सहित ट्रैफिक थाना प्रभारी, चुटिया थाना प्रभारी, कोतवाली थाना प्रभारी, लालपुर थाना प्रभारी, सदर थाना प्रभारी,डेली मार्केट थाना प्रभारी, लोअर बाजार थाना प्रभारी, गोंदा थाना प्रभारी, सुखदेव नगर थाना प्रभारी सहित तीनों स्थानों की ट्रैफिक पुलिस एवं नगर निगम की टीम भी शामिल थी। राजधानी रांची में पहली बार ऐसा देखा गया कि इतने सारे पुलिसकर्मी, एक साथ रांची शहर को जाम मुक्त करने के लिए सड़क पर उतरे जिसका उदेश्य यह है कि शहर के कचहरी चौक व शहीद चौक से लेकर उर्दू लाइब्रेरी होते हुए सुजाता चौक तक दोनों ओर जो फुटपाथ पर दुकान लगाई जा रही है, ठेला खोमचा लगाकर मार्ग में जो अवरोध पैदा किया जा रहा है एवं ट्रैफिक जाम की जा रही है। इन समस्याओं से आमजन को निजात मिल सके। जो मॉल और बड़ी दुकाने हैं, वह अपनी दुकानों के आगे एवं मॉल के आगे किसी तरह का ठेला, खोमचा, फुटपाथ पर लगने न दे। प्रशासन द्वारा इस तरह की लोगो से अपील की जा रही है। बड़े-बड़े मॉल और दुकान वाले जिनके पास पार्किंग की व्यवस्था नहीं है, उन्हें पार्किंग की व्यवस्था करने की अपील की गई है। नगर निगम को भी कहा गया है की जगह जहां खाली है वहां पर पार्किंग

की व्यवस्था सुनिश्चित कराये और जहां पार्किंग की व्यवस्था है, वहां वहान नहीं लगाया जा रहा है। लोगो के द्वारा इधर-उधर गलत ढंग से टू व्हीलर और फोर व्हीलर वाहन लगाए जा रहे है। उनका जुर्माना काटा जाए। वहीं लालपुर, कांटा टोली , कोकर और रातू रोड, फ्लाईओवर निर्माण होने के कारण वहां जाम की समस्याएं उत्पन्न हो रही है। इन्ही सब कारणों को देखते हुए एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने सभी को टास्क दे रखा है कि जाम ना लगे, उन्होंने खुद ही सड़क पर उतरकर मुहिम चलाई। एसएसपी शाहिद चौक से लेकर अल्बर्ट एक्का चौक व सर्जना चौक होते हुए वूल हाउस तक अभियान चलाया। वहीं दूसरी ओर नागा बाबा खटाल से लेकर किशोरी यादव चौक तक अभियान चलाया गया। इस दौरान दातुन और पत्तल बेचने वाले से लेकर ठेले और खोमचे वाले तक को सख्त हिदायत दी गई। वहीं कई लोगों के सामान भी जप्त किए गए और कई लोगों का तो जुर्माना भी काटा गया। इस अभियान के दौरान शहीद चौक से लेकर वूल हाउस और नागा बाबा खटाल से लेकर किशोरी यादव चौक तक, सड़क पर फुटपाथ लगाने वाले दुकानदारों का लगभग 2,95,500 रुपए चालान काटा गया।

☞ **जाम लगने का मुख्य कारण** :- जाम लगने का सबसे मुख्य कारण रांची मैन रोड अल्बर्टा एक्का चौक के पास सड़कों पर ही दुकानदारों के द्वारा अपना दुकान लगा देना हैं। लोग सड़क में ही चादर बिछाकर बैग, कपड़ा,चूड़ी, खिलौना सहित अन्य सामान बेचना शुरू कर देते हैं। जिससे सड़क छोटा लगने लगता है। वही और लोगों को दुकान लगाते देख, ठेला और खोमचा वाले भी सड़क के ऊपर ही अपनी दुकान लगा देते हैं और वही देखा- देखी कि इस आलम में जो दुकानदार अपनी दुकान खोलते हैं , वह भी अपना सामान आगे करते-करते ,नाली पार करते हुए अपने सामानों को सड़क तक पहुंचा देते हैं एवं अपनी गाड़ी भी सड़क पर ही खड़ी कर देते हैं। ऊपर से सिटी बस और स्कूल बस जैसे बड़े वाहनों के कारण भी जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

☞ **लगातार अभियान चलाने का भी नहीं होता इन दुकानदारों पर असर** :- कई बार

देखा गया है कि ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम संयुक्त रूप से अभियान चलती है। बावजूद इसके दुकानदार फिर से अपनी दुकान फुटपाथ पर लगना शुरू कर देते हैं। ऐसा लगता है कि जैसे इस अभियान का दुकानदारों पर कोई असर ही नहीं पड़ता और आदेश की अवहेलना कर, वे लोग अनजान बनकर फिर से अपना काम शुरू देते है। इस पर ध्यान देने की जरूरत है। फिलहाल इसका फायदा तो कुछ- कुछ नजर आ रहा है। किंतु इसमें सिर्फ पुलिस प्रशासन और नगर निगम के संयुक्त प्रयास से ही नहीं, बल्कि आम जनों की भागीदारी से भी जाम मुक्त शहर किया जा सकता है। रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने कहा कि बड़ा दुख होता है कि लोग अपने ही शहर में जाम लगा के रखते हैं। अपना भी एक तरीका होता है, कि वह दुकान सफेद लाइन के अंदर रखें । गरीब है तो उसके लिए भी सरकार ने कई तरह के सुविधाएं उपलब्ध करा रखी है। निगम द्वारा दुकानदारों के लिए दुकान आवंटित कराया जाता है। आप वहां सामान बेचे। लेकिन लोग नियम तोड़ने पर अड़े रहते हैं। ऐसे लोगों पर अब सख्त कार्रवाई होगी एवं उनका चालान काटा जाएगा। वहीं सिटी एसपी सह ट्रैफिक एसपी प्रभारी राजकुमार मेहता ने विभिन्न चौक- चौराहों का भ्रमण किया और सभी लोगों को पंपलेट देकर चेतावनी देते हुए कहा कि वह अब फुटपाथ पर दुकान ना लगाएं। यदि जो लोग दो-तीन बार समझने के बाद भी नहीं मान रहे हैं, तो वैसे लोगों पर एफआईआर भी दर्ज की जाएगी। हालांकि लगातार पेट्रोलिंग हो रही है । माइक पर ऐलान भी किया जाता है, कि आप सड़कों पर अपनी दुकान ना लगाये। जिन लोगों का दुकान अटल बिहारी वेंडर मार्केट में आवंटित हैं, वैसे लोगों के भी परिजन फुटपाथ पर अगर समान बेच रहे हैं तो यह गलत बात है। लालपुर डिस्टिलरी पुल के पास भी मार्केट बनाया गया है, वहां भी दुकाने आवंटित की गई है, यदि वहां भी कोई इधर-उधर सामान लगा कर बेच रहे हैं तो यह गलत बात है। ऐसे लोगों को चिन्हित किया जाएगा एवं सब लोगों की सूची तैयार की जाएगी और उसके बाद कार्रवाई की जाएगी। इस बार सीधे एफआईआर दर्ज होगा और जिन पर एफआईआर दर्ज होगा उनको जेल भेजा जाएगा। इस अभियान में ट्रैफिक डीएसपी जीत वाहन उरांव, कपिंद्र उरांव और कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए भी शामिल रहे। वहीं कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए ने बताया कि लगातार अभियान चलाया जा रहा है।कुछ तो सुधार हुआ है। फिर भी उम्मीद करते हैं कि आगे और सुधार होगा। हम लोगों की टीम कड़ी मेहनत कर रही है। ट्रैफिक के नियम तोड़ने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।●

महंगे मोबाइल चोरी कर सस्ते दामों पर बेचने वाले दो गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के नामकुम इलाके में कोरियर कंपनी के वेयर हाउस से महंगे मोबाइल एवं लेपटॉप चोरी करने के मामले में पुलिस ने विकास कुमार महतो उर्फ जुगु,पिता सुनील कुमार महतो निवासी मांडू रामगढ़ वर्तमान पता चाय बगान नामकुम एवं संतोष कुमार पिता शंभूनाथ प्रसाद निवासी बालसिरिंग तुपुदाना को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने इनके पास से 20 महंगे मोबाइल फोन बरामद किए है। नामकुम थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि सरवल स्थित लोड शेयर नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड वेयर हाउस के इंचार्ज सुभांकर ठाकुर ने 18 सितंबर को मन्नू वेयर हाउस के हब से विगत 3-4 महीने में 7 लाख 23 हजार 936 मूल्य के अलग अलग कंपनी के 28 मोबाइल,एक लैपटॉप एवं 3 एयर पॉड चोरी होने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने वेयर हाउस के कर्मचारी पर चोरी का आरोप लगाया था। उक्त सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक रांची चंदन कुमार सिन्हा के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मनीष टोप्पो एवं सहायक पुलिस अधीक्षक मुख्यालय प्रथम मुमल राजपुरोहित के नेतृत्व में गठित टीम ने लगातार छापामारी करते हुए दो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों अभियुक्तों ने अपने अपराध स्वीकारोक्ति बयान में, इस कांड में चोरी की घटना में संलिप्तता की बात स्वीकार की। इनकी निशानदेही पर 20 महंगे मोबाइल फोन बरामद किए गए है।

☞ **बड़ी सफाई से पार्सल में से मोबाइल निकाल लेते थे आरोपी :-** थाना प्रभारी ने आगे बताया कि फ्लिपकार्ट के तहत कोलकाता से सारा पार्सल आता है और रिटर्न पार्सल कोलकाता भेजा जाता है। कोरियर कंपनी द्वारा डिलेवरी के बाद पार्सल रिटर्न होने पर ये लोग देख लेते थे की कौन सा अच्छा और महंगा पार्सल रिटर्न जा रहा है। इसके बाद आरोपी बड़ी सफाई से पैक किए हुए पार्सल में से मोबाइल निकालकर दोबारा उसे उसी तरीके से पैक कर देते थे ताकि पता न चले की पार्सल खोला भी गया है। जब रिटर्न पार्सल कोलकाता में चेक किया गया तो पता चला की इसमें से तो मोबाइल ही गायब है। जिसके बाद वहां से चोरी की सूचना दी गई । गिरफ्तार आरोपी महंगें मोबाइल को सस्ते दामों में बेचते थे। इनके द्वारा मुंबई एवं भागलपुर में भी मोबाइल बेचा गया था।जिन्हें संपर्क कर दोनों जगहों से कोरियर कर मोबाइल वापस थाना मंगवाया गया।

☞ **छापामारी दल में शामिल सदस्य :-**

1) सुनील कुमार तिवारी, थाना प्रभारी नामकुम
(2) एसआई बोअस मुण्डू
(3) एसआई धीरज कुमार सिंह
(4) संजय पासवान
(5).उदय कुमार सिंह, बिजय कुमार मिश्रा एवं जवाहर लाल मुण्डा शामिल रहे।●

35 लाख लूट के मामले में कुख्यात अपराधी धीरज चालान समेत 6 गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के डेली मार्केट थाना क्षेत्र से बीते 11 सितंबर को 35 लाख रुपए लूटकांड का खुलासा करते हुए रांची की डेली मार्केट थाना पुलिस ने व्यवसायी से 35 लाख रुपये लूटने के आरोप में छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मुख्य सरगना धीरज जालान, उसके पिता श्याम सुंदर जालान, हर्ष गुप्ता उर्फ निशु गुप्ता, सचित साहू उर्फ डीके, अरुण कुमार भुइयां और सुनील कुमार महतो शामिल हैं। पुलिस इन अपराधियों की निशानदेही पर लूट के बीस लाख दस हजार रुपये, एक स्विफ्ट डिजायर कार, 15 मोटरसाइकिल, दो स्कूटी, छह मोबाइल, चार बैंक बाउचर और दो वॉकी-टॉकी बरामद किए है। धीरज जालान राजधानी रांची का कुख्यात अपराधी में से एक है। उसके उपर सीसीए लगने के तहत थाना मे हाजरी लगाना था। धीरज जालान को डीसी द्वारा प्रत्येक रविवार को सुखदेवनगर थाना में उपस्थिति दर्ज कराने का आदेश दिया गया था। परंतु धीरज जालान ने छह अगस्त से अपनी उपस्थिति देना बंद कर शहर से गायब हो गया था।

☞ **पुलिस से बचने के लिए करता था वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल :-** आरोपी ने बताया कि वे लोग पुलिस से बचने के लिए घटना के समय मोबाइल का इस्तेमाल न करके वॉकी टॉकी का इस्तेमाल करते थे। उनका मानना था कि मोबाइल से बात करने पर पुलिस हमे ट्रेस कर लेगी पर, वॉकी-टॉकी से बात करने पर पुलिस को कभी भी हमारे प्लेन का पता नहीं चलेगा। उन्हें जरा भी भनक नहीं लगेगी कि हम लोग क्या करने जा रहे है और कौन सी घटना को अंजाम देने जा रहे हैं। वॉकी-टॉकी से बात करने पर किसी को शक भी नहीं होगा और हम लोग कभी भी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आएंगे। यह सारी जानकारी रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने डेलीमार्केट थाना में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में दी।

☞ **11 सितंबर को दर्ज की गई थी प्राथमिकी :-** सिटी एसपी ने बताया 11 सितंबर को एक व्यवसायी ने डेली मार्केट थाना में 35 लाख रुपये लूटे जाने की प्राथमिकी दर्ज करायी। जिसमें उन्होंने लिखा है कि वह डेलीमार्केट थाना क्षेत्र के मेन रोड स्थित एसबीआइ में पैसा जमा करने जा रहे थे, इसी क्रम में बड़ा तालाब के शौचालय के पास की गली में अपराधी उनके पैसों से भरे बैग को लूटकर फरार हो गये थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर इस घटना में शामिल छह अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया।

☞ **शातिर अपराधी है धीरज जालान :-** सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी धीरज जालान, पूर्व का शातिर अपराधी रहा है। हत्या के आरोप में जेल जा चुका है। धीरज जालान पर रांची के विभिन्न थाना में 23 और रामगढ़ के मांडू में एक, कुल दो दर्जन मामले दर्ज है। धीरज जालान गिरोह के लोग रांची के अलावे गुमला, लोहदगा, खुंटी, रामगढ़ और हजारीबाग में बाइक चोरी की घटना को अंजाम दिया करते थे। बाईक चोरी के लिये कुख्यात धीरज जालान अपराधिक घटना को अंजाम देने के लिये वाकी- टॉकी का इस्तेमाल करता था, ताकि पुलिस को उसके लोकेशन का पता न चल सके। छापेमारी टीम में डेली मार्केट थाना प्रभारी प्रदीप मिंज, आदित्य ठाकुर, अनिल कुमार पंडित, सुमन टुडू, सरोज प्रसाद मेहता शाह फैसल, प्रवेश कुमार पासवान, अजमत अंसारी और एसएसपी की क्यूआरटी की टीम शामिल थी।●

पैगंबर मोहम्मद सल्लाल्लाहु अलैहि वसल्लम की शान में धूमधाम से निकाली गई जुलूस ए मोहम्मदी

● ओम प्रकाश

जश्न ए ईद मिलादुन्नबी हजरत पैगंबर मोहम्मद सल्लाल्लाहु अलैहि वसल्लम बड़ी धूमधाम के साथ जुमेरात 28 सितंबर 2023 को देशभर में निकाला गया । वहीं झारखंड सहित राजधानी रांची जिला में भी जुलूस ए मोहम्मदी नबी के दीवाने अपने-अपने गली, मोहल्ले, बस्ती से धूमधाम के साथ शांतिपूर्ण तरीके निकाले। लोग ने अपने मस्जिदों, घरों, गली ,मोहल्ले को इस्लामी झंडे, पोस्टर इत्यादि सहित जगमग करती लाइटों से सजाया ।

☞ **क्यों मनाते हैं ईद-मिलादुन्नबी :-** रबि अल अव्वल के मुबारक महीने में पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लाल्लाहु अलैहि वसल्लम का जन्म 12 रबि अल अव्वल 571 ईस्वी में हुआ था। पिता अब्दुल्लाह इब्न अब्दुल मुत्तलिब माता अमीना रजि. और देखभाल फातिमा बिन्त असद ने की थी। 25 साल की उम्र में खतीजा रजि. से शादी हुई थी। 610 ईस्वी में हीरा गुफा में ज्ञान प्राप्ति हुई थी और 8 जून 632 को पर्दा कर गए थे। अल्लाह के संदेशवाहक के रूप में जाने जाते हैं और पूरी दुनिया मोहम्मद सल्लाल्लाहु अलैहि वसल्लम को अपना पैगंबर मानते हैं। इन्हीं की याद में 12 रबि अल अव्वल को ईद मिलादुन्नबी के नाम से मस्जिदों ,घरों एवं चौक चौराहों में फातिहा ख्वानी होती है ,लंगर ,खजूर,शरबत आदि बांटे जाते हैं। इतिहास कारों के अनुसार मोहम्मद सल्लाल्लाहु अलैहि वसल्लम के जन्मदिन पर ही फरिश्तों के सरदार जिब्राइल अलैहिस्सलाम ने तीन जगहों पर परचम लगाये थे, मगरिब, मशरीक और काबा की छत पर। 1588 में उस्मानिया साम्राज्य से जुलूस की शुरूआत हुई थी। इसके बाद धीरे-धीरे पूरी दुनिया में ईद मिलादुन्नबी बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाने लगा। इस दिन हिंदुस्तान में एक दिन सरकारी छुट्टी भी घोषित है।

☞ **रांची में कैसे शुरू हुआ :-** मोहम्मद सल्लाल्लाहु अलैहि वसल्लम के पैदाइश के दिन जश्न ए ईद मिलादुन्नबी की शुरुआत कब और कैसे हुई। इस रिपोर्ट पर प्रेस-क्लब रांची के कार्यकारिणी सदस्य और पत्रकार परवेज कुरैशी ने इस पर एक रिपोर्ट भी लिखा। इसी के रिपोर्ट पर यह आर्टिकल है। उन्होंने बताया कि खासकर अविभाजित बिहार के झारखंड में इसका एक इतिहास है। इसकी खोज बीन करने के बाद यह पता चलता है कि अविभाजित बिहार के समय के बहुत पहले से शुरू है, लेकिन जब झारखंड छोटानागपुर कहलाता था , खासकर रांची, पुरानी रांची , डोरंडा, चुटिया मुख्य रूप से प्रसिद्ध जगहों में रांची के दो मौजा कोनका मौजा और लालपुर मौजा था। जिसमें कांटा टोली कुरैशी मुहल्ला , गुदरी, बूचर टोली, कर्बला चौक एरिया, हरिजन बस्ती, खोरहा टोली,डंगरा टोली, लालपुर, पत्थलकुदुआ, कुम्हार टोली के अलावा पुरानी रांची,बकरी बाजार अपर बाजार,पहाड़ी टोला इन सभी क्षेत्रों का इतिहास दो सौ साल से अधिक पुराना है। इसके बहुत बाद कई नई बस्तियों का उदय हुआ। आजादी के बाद हिंदपीढ़ी, बरियातू, इरबा, कांटाटोली का इदरीश कालोनी, मौलाना आजाद कालोनी क्षेत्रों में घरों की संख्या बढ़ने लगी, अलग झारखंड के बाद बड़ी तेजी से नई बस्तियां और मुहल्ले वजूद में आए।

☞ **कांटा टोली से शुरू हुआ ईद मिलादुन्नबी :-** कांटा टोली क्षेत्र के खासकर कांटाटोली कुरैशी मुहल्ला सबसे पुरानी बस्ती है । बहुत सालों बाद कांटाटोली चौक, अस्सी के दशक में इदरीश कॉलोनी, मौलाना आजाद कॉलोनी, रजा कॉलोनी, रमजान कॉलोनी, इलाहिबक्स कालोनी सहित कई कॉलोनी व बस्तियों का उदय हुआ। कांटाटोली क्षेत्र का सबसे बड़ा मस्जिद जामा मस्जिद है। कुरैशी मोहल्ला में आज भी स्थित है जो 1915 से पहले की मस्जिद बतायी जाती है। उस दौर में मस्जिद निर्माण शेख हैदर खटकू,शोभा मियां कसाई , सुपन मियां कसाई,शेख बद्दरुदीन चेयरमैन आदि ने किए थे, इनके वंशज आज भी यहां हैं। यहीं से इन्हीं लोगों द्वारा मुहल्ले में जश्ने ईद मिलादुन्नबी की शुरुआत मानी जाती है। मस्जिद से लेकर आज का यूनियन बैंक है, तब वहां पर कुछ नहीं था। ईद-मिलादुन्नबी का जुलूस वहां तक पहुंचती थी और फिर धीरे-धीरे बहुत बाद में मस्जिद के पास से निकलकर इदरीश कॉलोनी से कांटा टोली चौक से वापस कुरैशी मुहल्ला लौट जाती थी । यह सिलसिला 90 के दशक तक जारी रहा । मुख्य रूप से कुरैशी मोहल्ला स्थित जामा मस्जिद के मोआज्जीन रहे मरहूम अब्दुल कुद्दुस कुरैशी ने पत्रकार परवेज कुरैशी से अपने हयात में बात चीत किए थे उन्हीं के बताए हुए बातों के अनुसार यह पूरी रिपोर्ट है। उनके अनुसार वे और उनके पिता मोआज्जीन मरहूम युसूफ ने मदरसा जो मस्जिद में ही था, के बच्चों को लेकर जुलूस निकालते थे, ये बात 1915 से पहले की है। उन्हीं के अनुसार जामा मस्जिद में हाफिज मरहूम मसूद इमाम हुआ करते थे और जुमा की नमाज हाफिज मरहूम जाकिर , इसके बाद मोहम्मद मरहूम युसूफ कुरैशी , मरहूम अब्दुल हमीद सिद्दीकी, हाफिज मरहूम कासिम उर्फ मत्ती , मरहूम गुलाम नबी जुमा और पांचों वक्त का नमाज पढ़ाते थे, मरहूम इमाम इसहाक, इलाहिबक्स आजान,हनीफ मियां कभी कभी नमाज पढ़ाते थे। मस्जिद में और भी कई इमाम, मोआज्जीन हुए हैं , कारी यूसुफ और इसके बाद 1987 से कारी रिजवान उल होदा जो काफी समय तक रहे। इस दौरान अब्दुल कुद्दुस मोआज्जीन रहे, इनके साथ नायब मोअज्जीन मरहूम वली थे, इमाम मौलाना महताब आलम, वर्तमान में मस्जिद के इमाम ओ खतीब मंजूर हसन बरकाती और मोआज्जीन शाहिद रजा,नायब मोअज्जीन महबूब लंबे समय से हैं। सभी अपने अपने समय में मदरसों के बच्चों को व मुहल्ले के लोगों को लेकर जुलूस ए मोहम्मदी निकाला करते थे। सबसे ज्यादा मोअज्जीन अब्दुल मरहूम कुद्दुस और हाफीज रहमत का योगदान लंबे समय तक रहा और मुहल्ले के लोगों का भी बहुत साल पहले उस जमाने में सहयोग रहा, जैसे मरहूम जलील कुरैशी, मरहूम याकूब कुरैशी, मरहूम रजाक

कुरैशी, मरहूम अब्दुल जलील कुरैशी, हाजी मरहूम खलील कुरैशी, मरहूम दीनू कुरैशी, मरहूम असगर कुरैशी, मरहूम अमीन, खुदाबख्श कुरैशी सहित कई लोग निकालते थे। ये लोग कुरैशी मुहल्ला के पीछे एक नदी है जो आगे जाकर दूसरे नदी से जुड़कर जोड़ी नदी बनती है यही दोनों नदी आगे तीसरी नदी से मिलती है और तिरील कहलाती है तीनों फिर स्वर्ण रेखा नामकुम में जाकर समा जाती है। मुहल्ले के पीछे वाली ही नदी के पास उगे झाड़ और इसी झाड़ के सिंदवार की छड़ी तोड़ कर उसपर रंगीन कागज साटकर झंडी बनाते थे।

☞ **1997 के बाद भव्य जुलूस निकाला गया :-** 7 जून 1997 को लोअर बाजार थाना क्षेत्र के रजा कॉलोनी में तकरीर के दौरान विवादस्पद तकरीर करने के बाद विवाद उत्पन्न हुआ था। जिसका मामला लोअर बाजार थाना में दर्ज हुआ था। उस समय तत्कालीन थानेदार अवधेश सिंह थे। सिटी एसपी बागेश्वर झा थे और उपायुक्त एसएस वर्मा थे। तब रांची के मुसलमान दो भागों में बट गये थे। देवबंद और सुन्नी मसलक। इस दौरान मारपीट का मामला हाजी इदरीश कुरैशी, हाजी गुलाम मोहम्मद फेकू मो कुरैशी, रिजवान, साबिर, मुस्तफा,डा फुरकान, बदरुद्दीन, लड्डन, आसीफ, जलील सहित कई नाम आये, कुछ की गिरफ्तारी भी हुई थी। देवबंद के खिलाफ और कुछ लोगों की रिहाई और जांच कर केस हटवाने के लिए अंजुमन मोहिबानी ए मुस्तफा कॉमेटी, जमीयतुल कुरैश पंचायत, मदरसा फैजुल अनवार , मोहर्रम कमेटी, तामीर कमेटी सहित कई संगठनों और मुख्य रूप से शामिल हुए और इस बैठक की नेतृत्व उस दौर में मुजीब कुरैशी ने किया था, मुजीब कुरैशी वर्तमान झारखंड प्रदेश जमीयतुल कुरैश के अध्यक्ष हैं। साथ ही जामा मस्जिद के इमाम कारी रिजवान उल होदा , गुलाम मुस्तफा कुरेशी , मुस्ताक , आसीफ, मौलाना तौफीक, जान मोहम्मद, मुस्तफा रिजवी , असरफ, एकराम कुरैशी,खुदाबख्श मंडल सहित कई लोग एकजुट होकर बैठक में ही देवबंद के खिलाफ पहली बार जुलूस निकालने का निर्णय लिए थे। 13 जून 1997 को रांची शहर के विभिन्न गली, मोहल्ले , बस्ती, टोलो से मुस्लिम खासकर इमाम ,खतीब, युवा, बुजुर्ग सभी अपने क्षेत्रों से सुन्नी बरेलवी सेंट्रल के बैनर तले जुलूस लेकर निकले थे । मुख्य रूप से कांटा टोली कुरैशी मोहल्ला, इदरीश कॉलोनी, मौलाना आजाद कॉलोनी, रजा कॉलोनी, कांटा टोली चौक, गुदरी, डोरंडा, हिंडपीढ़ी, पहाड़ी टोला, पुरानी रांची, बरियातू यदि सभी लोग सैनिक मार्केट पहुंचे थे । फिर यहां पर जमा हुए और यहां से सब जुलूस के शक्ल में शहिद अल्बर्ट एक्का चौक होते हुए उपायुक्त कार्यालय पहुंचे थे।

☞ **जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस :-** इसी तरह से हर साल जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस अपने-अपने क्षेत्रों से निकालने की शुरूआत हुई और शहिद अल्बर्ट एक्का पहुंचकर सभी लोग फिर वापस अपने-अपने घरों की ओर लौट जाते। झारखंड बनने के बाद ईद मिलादुन्नबी शहिद अल्बर्ट का चौक से होते हुए डोरंडा जाने लगा और फिर धीरे-धीरे भीड़ बढ़ती चली गई और अपने-अपने क्षेत्रों से निकलकर शहिद अल्बर्ट एक्का चौक ना जाकर अपने-अपने रूट से हजरत कुतुबुद्दीन रिसलदार बाबा मजार स्थित मैदान में पहुंचकर वहां पर जश्ने ईद मिलादुन्नबी सभा में तबदील हो जाता है और तकरीर ,सलातो अस्सलाम के बाद समापन होता है। सब लोग अपने-अपने घरों के लिए वापस लौट जाते हैं। सभी जुलूस ए मोहम्मदी में आये लोगों की हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा दरगाह कमेटी सहित कई संगठनों के द्वारा भव्य स्वागत किया जाता है, जिला प्रशासन का भी भरपूर सहयोग रहता है। पहली बार तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास की सरकार में 2016 में हेलिकॉप्टर से नबी सल. के दीवानों पर फूल बरसाए गए थे। कोविड के कारण 2020-21 में जुलूस नहीं निकला गया था । 2022 में रांची जिला उपायुक्त राहुल सिन्हा, एसएसपी किशोर कौशल , एसडीएम दीपक दूबे , ग्रामीण एसपी नौशाद आलम सभी के कहने पर कि जेएससीए स्टेडियम में भारतीय टीम की क्रिकेट मैच है, इसको लेकर विधि व्यवस्था जरुरी है, ऐसे में जश्ने ईद मिलादुन्नबी मेन रोड में नहीं निकलने का निर्णय लिया गया था। जिसपर मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी, अकील उर रहमान , इस्लाम सहित कई लोगों ने जिला प्रशासन का समर्थन किया था। हालांकि इस निर्णय का पूर जोर विरोध भी कांटा टोली कुरैशी मुहल्ला में जमीयतुल कुरैश पंचायत द्वारा हुई थी, इसके बाद मौलाना आजाद कालोनी अंजुमन इस्लामिया नूरिया , हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा दरगाह कमेटी, थडपखना, डोरंडा , बरियातू सहित कई पंचायतों, संगठनों ने विरोध जताया था और अपने क्षेत्रों में ही जुलूस ए मोहम्मदी निकाला गया था। जैसे कुछ लोगों ने अपने-अपने क्षेत्र से जुलूस निकलकर कांटा टोली चौक तक पहुंचे थे । वहीं थडपखना, हिंदपीढ़ी , बरियातू के लोग भी अपने क्षेत्र में जुलूस ए मोहम्मदी निकले थे । सिर्फ डोरंडा थाना क्षेत्र के लोग ही अपने क्षेत्र के रिसलदार बाबा स्थित मैदान पहुंचे थे, इसलिए 2023 में भव्य तरीके से जुलूस ए मोहम्मदी निकाला जा रहा है।

☞ **क्या कहते हैं प्रदेश अध्यक्ष :-** झारखंड प्रदेश जमीयतुल कुरैश के अध्यक्ष मुजीब कुरैशी ने बताया कि जश्न ए ईद मिलादुन्नबी सभी लोग मिलजुल कर निकालते चले आ रहे हैं। हालांकि हमारे कांटाटोली कुरैशी मोहल्ला से हमारे बाप,दादा खानदान और पूर्वजों ने इसकी शुरुआत की थी, लेकिन धीरे-धीरे लोग भूलते चले जा रहे हैं, कुछ लोग भुलाने में मदद भी करा रहे हैं , जिसका हाल यह हो रहा है कि चंद लोग हमारे कुरैशियों की इतिहास को मिटाने में लगे हुए हैं, इसको समझने की जरूरत है , इसी को बचाने की जरूरत है और हमी लोग कांटाटोली में नब्बे की दशक में सुन्नत अल जमात के समर्थन में पहली बैठक कर एतिहासिक और भव्य जुलूस निकाले थे। हाजी इदरीश कुरैशी सुन्नी बरेलवी सेंट्रल कमेटी के अध्यक्ष थे,कारी रिजवान उल होदा ,मुस्तफा रिजवी, मुस्ताक, डा फुरकान, आसीफ,एकराम कुरैशी सहित बहुत लोग थे। मीडिया प्रभारी गुलाम जावेद ने कहा कि सुन्नी बरेलवी सेंट्रल कमेटी के पहले अध्यक्ष हाजी इदरीश कुरैशी थे और इनके नेतृत्व में जुलूस निकाला गया था। नबी सल. के मुहब्बत में जुलूस निकाला जाता है न कि व्यक्ति विशेष के लिए।

वहीं समाज सेवी रमजान कुरैशी ने कहा की इतिहास को उठाकर देखिएगा तो कुरैशी समाज ने बहुत काम किया है। जब तक इसमें एकजुटता है काम होते रहेगा । ईद मिलादुन्नबी भाई चारे और एकता का संदेश देता है। सभी जगहों पर इनका स्वागत होता है । लेकिन इसकी शुरुआत जिन लोगों ने किया उसको भुलाया जा रहा है या यूं कहा जाए की एक राजनीतिक षड्यंत्र है जो नहीं होना चाहिए। एदारा शरीया के नाजिम ए आला कुतुबुद्दीन रिजवी ने कहा हर साल जश्ने ईद-मिलादुन्नबी निकाली जाएगी। वहीं कांटाटोली कुरैशी मुहल्ला के जामा मस्जिद के इमाम ओ खतीब मंजूर हसन बरकती ने कि स्तर साल से पहले कांटाटोली कुरैशी मुहल्ला से जुलूस ए मोहम्मदी की शुरुआत हुई है जो कभी खत्म नहीं होगी। वहीं हमारे मदरसा फैजुल अनवार से भी छोटे छोटे बच्चे और बच्चियों ने पुरानी परंपरा की तरह सबसे पहले जुलूस ए मोहम्मदी निकाला जो मदरसा से निकलकर कांटाटोली पेट्रोल पंप होते हुए वापस मदरसा फैजुल अनवार पहुंच कर खत्म हुआ।

☞ **ये लोग रहें शामिल :-** झारखंड प्रदेश जमीयतुल कुरैश के अध्यक्ष मुजीब कुरैशी, मीडिया प्रभारी गुलाम जावेद, जमीयतुल कुरैश पंचायत कांटा टोली कुरेशी मुहल्ला के अध्यक्ष गुलाम गैस पप्पू कुरैशी, महासचिव परवेज कुरैशी, उपाध्यक्ष अफरोज, पूर्व अध्यक्ष फिरोज कुरैशी ,नौशाद कुरेशी, आवेश कुरैशी मुन्ना ,आफताब कुरेशी, तजमूल कुरेशी ,राजू ,यूनुस कुरैशी , समीउल्ला कुरैशी, फरहाद कुरेशी, बशीर कुरैशी, इम्तियाज, आरिफ कुरैशी,हाफिज सईद रजा , महबूब मियां, मुस्ताक अंसारी,अजमल, शब्बीर ,जुल्फी कुरैशी, मोइनुद्दीन कुरेशी , ताजुद्दीन कुरैशी , राजू , गुड्डू, मुनाज कुरैशी, आजाद कुरैशी, बारीक, असलम , गुड्डू सरफराज, सद्दाम कुरैशी मिट्ठू, अरशद कुरैशी, बब्लू कुरैशी, दानिश, अशब, सोनू कुरैशी, सहजाद कुरैशी, गफ्फार खान, राजा खान, माजिद, सहित कुरैशी मुहल्ला और इसके आस पास के सैकड़ों गणमान्य लोग शामिल थे।●

पंद्रह वर्षों से बिछड़े माँ-बेटी का हुआ मिलन

● **ओम प्रकाश**

राजमहल थाना अंतर्गत महाजनटोली में बिहार के कटिहार स्थित ड्राइवर टोला निवासी बेटी तमन्ना की 15 वर्षों से बिछड़ी अपनी मां से मिलने की तमन्ना एसपी नौशाद आलम से मिलने के बाद, जल्द ही पूरी हो गई। साहिबगंज एसपी नौशाद आलम ने मामले में संज्ञान लेते हुए छानबीन के आदेश दिए थे। दरअसल तमन्ना को जब नए एसपी के आने और लोगों की फरियाद सुनने की खबर मिली तो तमन्ना ने एसपी नौशाद आलम से मिलने की ठान ली। सोमवार को तमन्ना ने अपने पिता निजाम अंसारी के साथ एसपी नौशाद आलम से उनके कार्यालय में मुलाकात कर अपना दुखड़ा सुनाया एवं आवेदन देते हुए बताया कि उसकी मां जरीना खातून मानसिक रोगी है। राजमहल के महाजन टोली निवासी उसकी मौसी मदीना खातून व उसके पुत्र मिलकर उसकी मां को जबरदस्ती रखे हुए है। जब भी मां को लाने जाती है उक्त लोग आने नहीं देते। गाली-गलौज व मारपीट कर हमे भगा देते हैं। मां के नाम थोड़ी संपत्ति है। जिसे हड़पने की मंशा के तहत उसकी मौसी मदीना खातून व उसका पुत्र अपने कब्जे में रखना चाहते है। एसपी ने उनकी बातें बहुत ही गंभीरता पूर्वक सुनी। इसके बाद एसपी ने राजमहल थाना प्रभारी को मामले की त्वरित जांच करने का निर्देश दिया। एसपी ने तमन्ना की मां के इलाज के लिए भी रांची, रिनपास में बातचीत किया। एसपी ने बताया कि राजमहल थाना प्रभारी की रिपोर्ट के बाद तमन्ना अपनी मां से मिल सकेगी और उसका इलाज भी कराया जाएगा। जिसके बाद उनकी मेहनत रंग लाई और एसपी नौशाद आलम के आदेश अनुसार एक पुत्री को उसकी मां से मिलवाया गया। बताते चले की राजमहल थाना अंतर्गत महाजनटोली में बिहार के कटिहार स्थित ड्राइवर टोला निवासी बेटी तमन्ना खातून की मां जरीना खातून बीते कई वर्षों से अपनी बहन के घर में थी। अपनी मां को घर ले जाने के लिए तमन्ना ने एसपी नौशाद आलम से भेंट कर मां को मुक्त कराने की गुहार लगाई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने राजमहल पुलिस को जांच कर महिला को मुक्त कराने का आदेश दिया था। बकौल तमन्ना जब वो 5 वर्ष की थी तब उसकी मां अपनी बहन के यहां चली गई थी। तमन्ना अपनी मां से मिल काफी प्रसन्न हुई। वहीं तमन्ना के पिता सुलेमान अंसारी ने बताया कि तमन्ना की मां जरीना खातून राजमहल थाना अंतर्गत महाजन टोली में, आज से लगभग 18 से 20 वर्षों से इसकी मौसी मदीना खातून के यहां पर रह रही है। तमन्ना की मां का मानसिक संतुलन सही नहीं है। यहां उनका इलाज ठीक से नहीं हो पा रहा था। अब उनका इलाज रांची में ठीक तरह से हो पाएगा। फिर पिता - पुत्री ने एसपी नौशाद आलम को ढेर सारी दुआएं देकर उनका शुक्रिया अदा किया।●

तमन्ना अपने पिता निजाम अंसारी के साथ एसपी को आवेदन देते हुए

झारखण्ड पुलिस के मीडिया नीति से संबंधित डीजीपी ने जारी किया आदेश

● ओम प्रकाश

झारखंड पुलिस के मीडिया नीति से संबंधित आदेश डीजीपी अजय कुमार सिंह ने जारी किया है।जारी आदेश में कहा गया है कि अब पुलिस अधिकारी और थाना प्रभारी के द्वारा मीडिया से संवाद नहीं किया जाएगा।पुलिस के मीडिया नीति से संबंधित आदेश जारी करने का उद्देश्य बताया गया है, कि पुलिस विभाग की नीति है,कि उस हद तक मीडिया को संबंधित सूचना सही समय पर उपलब्ध कराई जाए जब तक अनुसंधान की प्रक्रिया प्रतिकूल रूप से बाधित न हो या, पुलिस अभियान में बाधा न उत्पन्न हो, या फिर पुलिसकर्मियों की सुरक्षा खतरे में ना हो।पीड़ित या अभियुक्त के कानूनी और मूलभूत अधिकारों का हनन न हो, इसके राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े. पुलिस मुख्यालय के लिए डीजीपी या उनके द्वारा प्राधिकृत पुलिस प्रवक्ता पुलिस से संबंधित मीडिया को जानकारी दे सकेंगे। प्रत्येक जिला के कार्यालय में एक मीडिया सेल की शाखा होगी, जिसके प्रभारी मुख्यालय स्थित एएसपी या डीएसपी होंगे।जिलों में एसपी द्वारा या प्रभारी मीडिया से द्वारा संबंधित जानकारी मीडिया को दी जा सकेगी।

★ **मीडिया ब्रिफिंग का स्थान, समय एवं तरीका :-** मीडिया ब्रीफिंग का स्थान कार्यालय कक्ष होगा और प्रतिदिन निर्धारित समय शाम के चार बजे से छह बजे के बीच निर्धारित होगा। जिसकी सूचना यथा-समय सभी मीडियाकर्मियों को दी जायेगी। पुलिस से संबंधित मामलों-जैसे बड़ी आपराधिक या विधि-व्यवस्था की घटना, महत्वपूर्ण उद्भेदन गिरफ्तारी, बरामदगी या अन्य उपलब्धि पर स्वयं जिला एसपी द्वारा मीडिया से वार्ता की जायेगी। जिला एसपी द्वारा सामान्यत: मीडिया सेल शाखा में किन्तु घटना की परिस्थिति के अनुसार घटनास्थल, थाना अथवा अन्य कार्यालय में प्रेस से संवाद किया जा सकता है। एसपी और प्रभारी मीडिया सेल शाखा द्वारा वर्दी में ही मीडिया के साथ साक्षात्कार किया जायेगा। किसी अपराध के दर्ज होने के 48 घंटों के भीतर केवल इतनी ही सूचना साझा कीजायेगी जो घटना के तथ्यों को प्रकट करे और आश्वस्त कर सके कि मामले को गभीरता से किया जा रहा है। किसी अपराध के संबंध में गुप्त या तकनीकी सूत्रों को मीडिया के समक्ष प्रकट नही किया जायेगा और न ही अनुसंधान की दिशा या तकनीकों का खुलासा किया जाएगा। यौन हिंसा के पीड़ितों और बच्चों / किशोरों की पहचान को मीडिया के सामने खुलासा नहीं किया जायेगा।अभियुक्तों की गिरफ्तारी

होने पर मीडिया को बताया जायेगा, किन्तु उन्हें मीडिया के समक्ष पेश नहीं किया जायेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा से संबंधित या अन्य प्रकार के मामलों में किसी समय चलाये जा रहे पुलिस ऑपरेशन की ताजा स्थिति साझा नहीं की जायगी, बल्कि ऑपरेशन पूर्ण होने के बाद अपराधियों एवं बरामद वस्तुओं की तथ्यात्मक जानकारी दी जायेगी। अनुसंधान के दौरान समय-समय पर आवश्यक मीडिया को केवल तथ्यों पर आधारित जानकारी दी जायगी। अनुसंधान पूर्ण होने पर आरोप पत्र के तथ्यों की जानकारी एवं न्यायिक विचारण के परिणाम की जानकारी मीडिया को दी जा सकती है। किसी बडे आयोजन या आकस्मिक घटना स्थल पर जहां मीडियाकर्मी उपस्थित हों, वहीं वरीय पुलिस पदाधिकारी या उनके द्वारा निर्देशित पुलिस पदाधिकारी, जो कम से कम पुलिस डीएसपी रैंक के राजपत्रित पदाधिकारी होंगे, उनके द्वारा ही मीडिया ब्रीफिंग का कार्य किया जायेगा।

★ **झारखण्ड पुलिस के मीडिया नीति से संबंधित आदेश :-** पुलिस और मीडिया के बीच पारस्परिक सहयोग एवं समन्वयात्मक सम्बन्ध रहना महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में स्वतंत्र मीडिया की एक बहुत बड़ी एवं बहुआयामी भूमिका है, वहीं दूसरी ओर पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण एवं विधि व्यवस्था संधारण का महत्वपूर्ण दायित्व निर्वहन किया जाता है। पुलिस द्वारा अपराध के उद्भेदन एवं विधि-व्यवस्था संधारण के अच्छे प्रयासों का सही प्रसारण होने पर जनता का ध्यान आकृष्ट होता है। इससे विधि-व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए सही दृष्टिकोण मिलता है, जनता के बीच अनावश्यक अविश्वास कम होता है तथा पुलिस पर भरोसा कायम होता है जिससे आगे अपराध घटित होने से रोका एवं उभेदित किया जा सकता है। पुलिस विभाग के पास अपराध एवं विधि-व्यवस्था से संबंधित अद्यतन सूचना रहती है और उन्हें पुलिस के विभिन्न पहलुओं की जानकारी होती है। पुलिस द्वारा मीडिया से सूचनाओं को साझा करने में पर्याप्त सावधानी एवं संतुलन बरतने की आवश्यकता है ताकि अनुसंधान बाधित न हो और / अथवा पीड़ित या अभियुक्त के कानूनी और मूलभूत अधिकारों का हनन न हो या राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

★ **उद्देश्य :-** पुलिस विभाग की नीति है कि उस हद तक मीडिया को संबंधित सूचना ससमय उपलब्ध करायी जाए, जब तक कि अनुसंधान की प्रक्रिया प्रतिकूल रूप से बाधित न हो या पुलिस अभियान में बाधा न उत्पन्न हो या पुलिसकर्मियों की सुरक्षा खतरे में न हो या पीडित या अभियुक्त के कानूनी और मूलभूत अधिकारों का हनन न हो अथवा राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

★ **मीडिया सम्पर्क पदाधिकारी :-**

☞ पुलिस मुख्यालय के लिए अपर पुलिस महानिदेशक / पुलिस महानिरीक्षक रैंक के पदाधिकारी को पुलिस महानिदेशक द्वारा पुलिस प्रवक्ता नियुक्त किया जायेगा ।

☞ पुलिस मुख्यालय के लिए पुलिस महानिदेशक अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत पुलिस प्रवक्ता पुलिस से संबंधित जानकारी मीडिया को दे सकेंगे।

☞ प्रत्येक जिला के कार्यालय में एक मीडिया सेल शाखा होगी जिसके प्रभारी मुख्यालय स्थित अपर पुलिस अधीक्षक / उपाधीक्षक होंगे।

☞ जिलों में पुलिस अधीक्षक द्वारा अथवा प्रभारी मीडिया सेल शाखा द्वारा संबंधित जानकारी मीडिया को दी जा सकेगी। किसी भी अन्य पंक्ति कें पुलिस अधिकारी, थाना प्रभारी सहित, द्वारा प्रेस से संवाद नहीं किया जायेगा ।

☞ पुलिस के विभिन्न इकाई अर्थात अप०अनु०वि०, झा०स०पु०, रेल, विशेष शाखा एस०सी०आर०बी०, वितंतु, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, प्रशिक्षण, आतंकवाद निरोधक दस्ता, से मीडिया को उपलब्ध करायी जाने वाली सामग्री पुलिस प्रवक्ता को उपलब्ध करायी जायेगी। इन सामग्रियों को पुलिस प्रवक्ता प्रेस विज्ञप्ति / प्रेस कॉन्फ्रेन्स के माध्यम से मीडिया को जारी करेंगे।

☞ पुलिस के विभिन्न इकाई के क्षेत्रीय जिला स्तरीय पदाधिकारी यथा समादेष्टा अपने क्षेत्राधिकार की उपलब्धि संबंधी सूचनाएं मीडिया से साझा कर सकेंगे।

☞ प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक अथवा पुलिस उप महानिरीक्षक भी पुलिस से संबंधित जानकारी मीडिया को दे सकेंगे ।

☞ विभिन्न पदाधिकारियों द्वारा दी गयी जानकारी को लिखित रूप में प्रेस विज्ञप्ति के रूप में जारी किया जायेगा तथा सभी प्रेस विज्ञप्तियों को अभिलेख के रूप में संधारित किया जायेगा।

☞ पुलिस के नीतिगत सभी मामलों में केवल

पुलिस महानिदेशक या उनके निर्देश पर पुलिस प्रवक्ता ही मीडिया ब्रीफिंग करेंगे।

☆ मीडिया ब्रिफिंग का स्थान, समय एवं तरीका :-

☞ सामान्यत: मीडिया ब्रीफिंग का स्थान कार्यालय कक्ष होगा तथा प्रतिदिन निर्धारित समय अपराहन 16:00 बजे से 18.00 बजे के बीच निर्धारित होगा। जिसकी सूचना यथा - समय सभी मीडियाकर्मियों को दी जायेगी।

☞ पुलिस से संबंधित मामलों - जैसे बड़ी आपराधिक या विधि-व्यवस्था की घटना, महत्वपूर्ण उद्भेदन गिरफ्तारी, बरामदगी या अन्य उपलब्धि पर स्वयं जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रेस (प्रिंट, इलेक्ट्रानिक एवं पोर्टल मीडिया) से वार्ता की जायेगी ।

☞ जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा सामान्यत: मीडिया सेल शाखा में किन्तु घटना की परिस्थिति के अनुसार घटनास्थल, थाना अथवा अन्य कार्यालय में प्रेस से संवाद किया जा सकता है। पुलिस अधीक्षक के क्षेत्र में भ्रमण जैसी अपरिहार्य स्थिति में या उनके विवेकानुसार किसी विशेष जानकारी को लिखित प्रेस विज्ञप्ति के रूप में प्राधिकृत मुख्यालय प्रभारी द्वारा जारी किया जा सकेगा ।

☞ पुलिस अधीक्षक तथा प्रभारी मीडिया सेल शाखा द्वारा वर्दी में ही मीडिया के साथ साक्षात्कार किया जायेगा।

☞ किसी अपराध के दर्ज होने के 48 घंटों के भीतर केवल इतनी ही सूचना साझा की जायेगी जो घटना के तथ्यों को प्रकट करे और आश्वस्त कर सके कि मामले को गंभीरता से किया जा रहा है।

☞ किसी अपराध के संबंध में गुप्त या तकनीकी सूत्रों को मीडिया के समक्ष प्रकट नहीं किया जायेगा और न ही अनुसंधान की दिशा या तकनीकों का खुलासा किया जायेगा ताकि अपराधी ऐसी जानकारियों का लाभ न उठा सकें ।

☞ यौन हिंसा के पीड़ितों एवं बच्चों / किशोरों की पहचान (नाम, चेहरा एवं अन्य विवरण) को मीडिया के सामने खुलासा नहीं किया जायेगा। दण्ड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के तहत उनकी मेडिकल जाँच प्राथमिकता पर करायी जायेगी जिसके निष्कर्ष को मीडिया के साथ साझा किया जा सकता है।

☞ अभियुक्तों की गिरफ्तारी होने पर मीडिया को बताया जायेगा, किन्तु उन्हें मीडिया के समक्ष पेश नहीं किया जायेगा।

☞ पीड़ितों, गवाहों और अभियुक्तों का बयान पुलिस द्वारा अभिलिखित किये जाने से पहले मीडिया को साक्षात्कार की अनुमति नहीं दी जायेगी।

☞ राष्ट्रीय सुरक्षा अथवा आंतरिक सुरक्षा से संबंधित अथवा अन्य प्रकार के मामलों में किसी समय चलाये जा रहे पुलिस ऑपरेशन (अभियान) की ताजा स्थिति साझा नहीं की जायगी, बल्कि ऑपरेशन पूर्ण होने के पश्चात अपराधियों एवं बरामद वस्तुओं की तथ्यात्मक जानकारी दी जायेगी।

☞ अनुसंधान के दौरान समय-समय पर यथा आवश्यक मीडिया को केवल तथ्यों पर आधारित जानकारी दी जायगी तथा कयास, पूर्वानुमान / न्यायिकता से प्रेरित निष्कर्ष पर आधारित कोई भी टिप्पणी नहीं की जायगी जिससे कि अनुसंधान बाधित हो अथवा न्यायिक प्रक्रिया पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

☞ अनुसंधान पूर्ण होने पर आरोप पत्र के तथ्यों की जानकारी एवं न्यायिक विचारण के परिणाम की जानकारी मीडिया को दी जा सकती है।

☞ किसी बड़े आयोजन या आकस्मिक घटना स्थल पर जहाँ मीडियाकर्मी उपस्थित हों, वहाँ वरीयतम पुलिस पदाधिकारी या उनके द्वारा निर्देशित पुलिस पदाधिकारी, जो कम से कम पुलिस उपाधीक्षक रैंक के राजपत्रित पदाधिकारी होंगे, द्वारा ही मीडिया ब्रीफिंग का कार्य किया जायेगा। किसी भी अन्य पंक्ति के पुलिस अधिकारी, थानाप्रभारी सहित द्वारा प्रेस से संवाद नहीं किया जायेगा ।

☞ यदि मीडिया में प्रकाशित किसी समाचार अथवा लेख में गलत तथ्यों को साझा करने या गलत बयानी का दृष्टांत सामने आए तो विभाग द्वारा यथाशीघ्र समुचित सुधार की प्रतिक्रिया की जानी चाहिए जिसमें गलत तथ्यों का खण्डन एवं सही तथ्यों पर आधारित प्रत्युत्तर जारी करना आदि शामिल है। प्रेस में खण्डन के लिए जारी की गई विज्ञप्ति को भी अभिलेख के रूप में संधारित किया जायेगा ।

☞ मीडिया ब्रीफिंग के समय संबंधित पदाधिकारियों द्वारा जिस विषय पर ब्रीफिंग की जानी है उसकी सम्यक, सम्पूर्ण एवं यथा संभव अद्यतन जानकारी रखी जायेगी ताकि मीडिया के प्रश्नों का भी समुचित एवं यथा आवश्यक उत्तर दिया जा सके

☞ मीडिया ब्रीफिंग की भाषा, भाव एवं तरीका सरल, सुगम्य एवं बोधपूर्ण होना चाहिए । मीडियाकर्मियों से सहयोगात्मक एवं पारस्परिक विश्वास का वातावरण बना कर रखना चाहिए ।

☞ प्रेस ब्रीफिंग से संबंधित पुलिस हस्तक नियम-1202, 1203, 1204 एवं 710 (क), 711 तथा 704 भी द्रष्टव्य है जिनका अनुपालन किया जायेगा।

☞ पुलिसकर्मियों द्वारा सोशल मीडिया जैसे कि फेसबुक, ट्वीटर एवं वाट्सएप्प इत्यादि के माध्यम से भी पुलिस के व्यवसायिक सूचनाओं को मीडिया नीति के उद्देश्यों की भांति ही साझा किया जायेगा। पुलिस पदाधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार से ऐसे लेख, सूचनायें अथवा फोटो साझा नही किये जायेंगे जिनसे की पुलिस की व्यवसायिक छवि धूमिल हो अथवा सरकारी सेवक आचार नियमावली एवं आरक्षी आचरण के सिद्धान्त का उल्लंधन हो, पीड़ित या अभियुक्त के कानूनी और मूलभूत अधिकारों का हनन हो अथवा राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

☞ यदि उक्त निर्देशों का पुलिसकर्मियो / पदाधिकारियों द्वारा उल्लंधन किया जायेगा तो इसे गंभीरतापूर्वक लेते हुये त्रुटिकर्ता के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

धूमधाम से मनाया गया राँची नगर निगम का 45वाँ स्थापना दिवस

● गुड्डी साव

दिनांक 23/09/2023 को रांची नगर निगम का 45 वां स्थापना दिवस धूमधाम से निगम सभागार में मनाया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सचिव नगर विकास एवं आवास विभाग झारखंड सरकार श्री विनय कुमार चौबे उपस्थित रहे कार्यक्रम में सर्वप्रथम सचिव महोदय तथा प्रशासक महोदय के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के तस्वीर पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मौके पर सचिव महोदय ने सभी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि नगर निगम के स्थापना दिवस पर निगम के सभी कर्मचारी एवं पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं हर क्षेत्र में साफ सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता के साथ सुदृढ़ किया गया है एवं रांची शहर की अब एक अलग तस्वीर उभर कर आ रही है रांची अब एक रमणीक स्थल बन रहा है झारखंड की राजधानी होने के कारण रांची शहर की एक अलग पहचान है पिछले कुछ सालों में विकास की कई बड़ी परियोजनाएं धरातल में उतरी है एवं आम नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निगम की एक महत्वपूर्ण भूमिका रही है

अब आने वाले समय में और भी कई बड़ी चुनौतियों का सामना करना है जैसा की सभी वेंडर को व्यवस्थित करना सुगम यातायात की व्यवस्था सिटी बसों की व्यवस्था शहर के कोई मोहल्ले अंधेरे में ना रहे इसके लिए संटलाइट की व्यवस्था इत्यादि को प्राथमिकता के साथ किया जाना है इसके अलावा उन्होंने कहा कि अब झिरी में कूड़े के पहाड को साफ करते हुए उसे ग्रीनलैंड में बदलने के लिए भी रणनीति तैयार किया जा रहा है सभी को एक टीम वर्क के साथ काम करते हुए यह संकल्प लेना होगा कि अगले स्थापना दिवस तक यह सारी योजनाएं धरातल पर उतरे ताकि रांची को एक मॉडल शहर बनाया जा सके। मौके पर प्रशासक महोदय ने रांची निगम के 45 वें स्थापना दिवस के अवसर पर सबको बधाई देते हुए कहा कि रांची नगर निगम एक ऐसी संस्था है जहां एक नागरिक को अपने जीवन काल में निगम के कई सेवाओं की आवश्यकता पड़ती है जिसे बेहतर तरीके से उन्हें उपलब्ध कराने के लिए निगम प्रतिबद्ध है। मौके पर निगम के उत्कृष्ट कर्मचारियों को सम्मानित किया गया जिसमें श्री मनोज कुमार राय, श्री गिरीश प्रसाद ,श्रीमती मुन्नी ,श्री सुशील बाखला, श्री ओंकार पांडे इत्यादि थे। मौके पर अपर प्रशासक श्री कुंवर सिंह पाहन, सहायक प्रशासक श्री ज्योति कुमार सिंह, सहायक प्रशासक श्रीमती शीतल कुमारी, सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉक्टर किरण कुमारी ,सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉक्टर आनंद शेखर झा ,सहायक प्रशासक श्रीमती निहारिका तिर्की, नगर निवेशक एवं नगर निगम के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।●

रांची मास्टर प्लान 2037 के संशोधन प्रक्रिया में सुझाव दर्ज कराने की तिथि निर्धारित

रांची मास्टर प्लान 2037 (अधिसूचित) के अंतर्गत आम लोगों से आपत्तियां / सुझाव आमंत्रित किए गए इस क्रम में दिनांक 15-09-2023 को निगम कार्यालय में लगभग 40 लोगों द्वारा रांची मास्टर प्लान 2037 के लिए अपना महत्वपूर्ण मंतव्य रखा गया जिस पर आपत्तियां दर्ज कराई गई थी। दिनांक 16-09-2023 को एक बार फिर अपर प्रशासक श्री कुंवर सिंह पाहन की अध्यक्षता में अन्य प्राप्त आपत्तियों पर विचार- विमर्श करने हेतु शिकायतकर्ताओं के साथ बैठक आहूत की गई। जिसमें आम लोगों द्वारा जमा किए गए आवेदनों और आपत्तियों के तहत मास्टर पलान 2037 में कतिपय संशोधन तथा आवश्यक कदम उठाने हेतु सभी के साथ विचार किया गया। मौके पर अपर प्रशासक द्वारा कहा गया कि सभी नागरिकों के लिए यह एक अंतिम मौका है की रांची मास्टर प्लान 2037 के संशोधन प्रक्रिया में दर्ज सुझाव /आपत्ति पर अपना मंतव्य रखना चाहते हैं तो निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर मंतव्य देना सुनिश्चित करें संशोधन प्रक्रिया में अपना आपत्ति /सुझाव पर मंतव्य के लिए 10 अक्टूबर तक लगातार बैठक की जाएगी।● **रिपोर्ट :- गुड्डी साव**

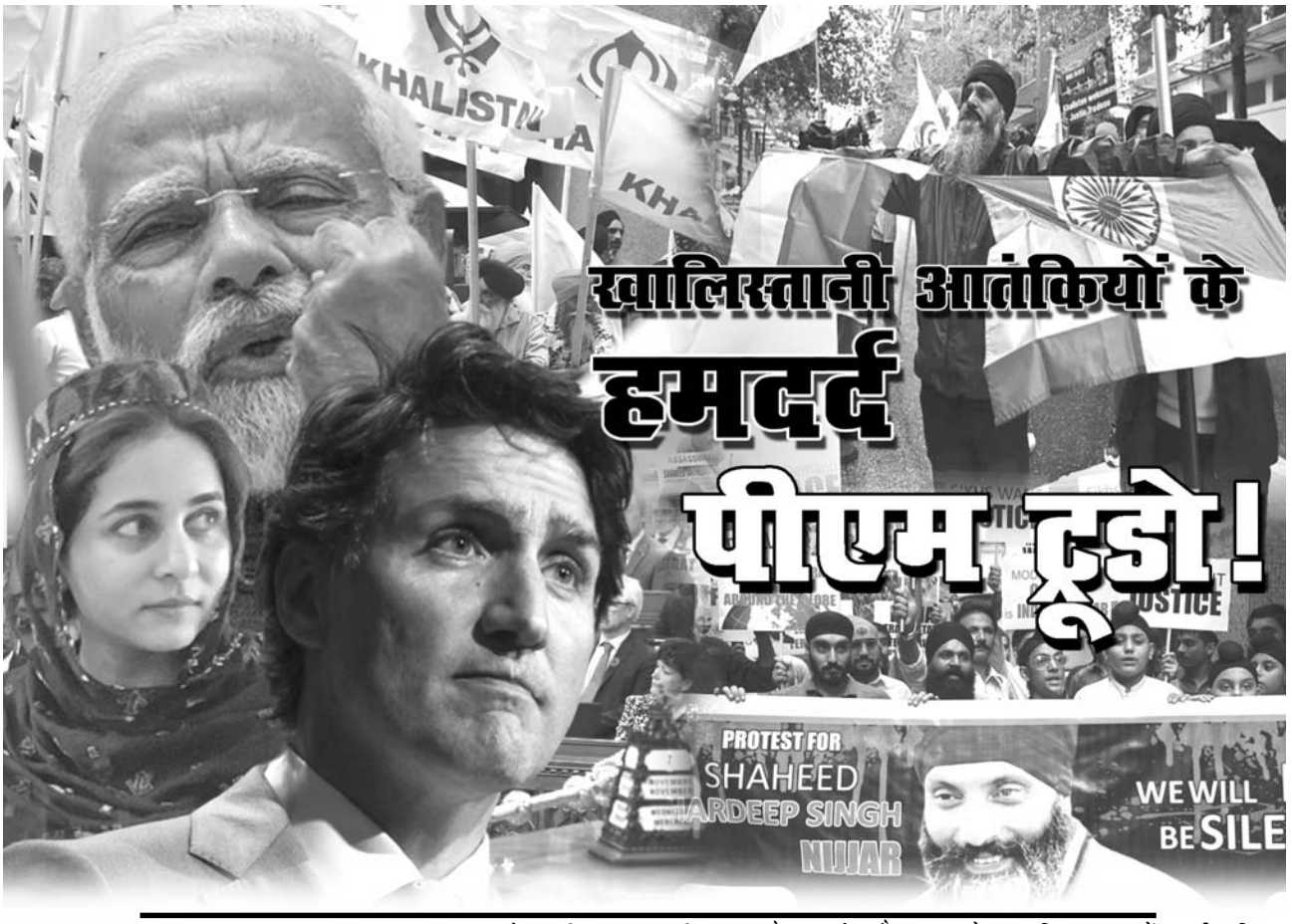

● अमित कुमार

भारत और कनाडा के बीच तल्ख होते संबंधों के बीच विदेश मंत्रालय ने कनाडा में रहने वाले भारतीय नागरिकों और वहां की यात्रा पर विचार कर रहे लोगों को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कनाडा में बढ़ती भारत विरोधी गतिविधियों और राजनीतिक रूप से समर्थित घृणा अपराधों और आपराधिक हिंसा को देखते हुए, वहां मौजूद सभी भारतीय नागरिकों और यात्रा पर जाने का विचार करने वालों से अत्यधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया जाता है। एडवाइजरी में कहा गया है कि हाल ही में, धमकियों के जरिये विशेष रूप से भारतीय राजनायिकों और भारतीय समुदाय के उन वर्गों को निशाना बनाया है जो भारत विरोधी एजेंडे का विरोध करते हैं। इसलिए भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे कनाडा के उन क्षेत्रों और संभावित स्थानों की यात्रा करने से बचें जहां ऐसी घटनाएं देखी गई हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय उच्चायोग और महावाणिज्य दूतावास कनाडा में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए कनाडाई अधिकारियों के संपर्क में रहेंगे। परामर्श में कहा गया है कि कनाडा में बिगड़ते सुरक्षा माहौल को देखते हुए, विशेष रूप से भारतीय छात्रों को अत्यधिक सावधानी बरतने और सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। एमइए ने कहा कि कनाडा में भारतीय मिशन भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए कनाडाई अधिकारियों के साथ संपर्क में रहेंगे। उल्लेखनीय है कि कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो द्वारा खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के मामले में भारत पर सवाल उठाने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया। दोनों देशों ने एक दूसरे के एक राजनयिक को निष्कासित किया है। इसके बाद कनाडा ने अपने नागरिकों को जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में यात्रा को लेकर चेतावनी जारी की थी। इसमें नागरिक अशांति, आतंकवाद और उग्रवाद का जिक्र किया गया था। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के भारत दौरे के बाद से भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास बढ़ती नजर आ रही है। ट्रूडो अपने बयान में कहा कि कनाडा की सुरक्षा एजेंसियां खालिस्तानी टाइगर फोर्स के प्रमुख आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के भारत सरकार से कनेक्शन की जांच कर रही है। समाचार एजेंसी एएनआई ने कनाडा समाचार चैनल सीबीसी के हवाले से कहा कि जस्टिन ट्रूडो ने ओटावा में हाउस ऑफ कॉमन्स को संबोधित करते हुए कहा कि कनाडा की सुरक्षा एजेंसियां भारत सरकार

हरदीप सिंह निज्जर

और निज्जर की हत्या के बीच संभावित कड़ी के आरोपों की तेजी से जांच कर रही हैं। ट्रूडो ने कहा कि कनाडा के नागरिक की उसी की सरजमीं पर हत्या में किसी अन्य देश या विदेशी सरकार की संलिप्तता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह हमारी संप्रभुता का उल्लंघन है, जिसको बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जा सकता। ट्रूडो के इस दावे के कुछ घंटों बाद कनाडा ने एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक को निष्कासित भी कर दिया। कनाडा सरकार का आरोप है कि भारतीय राजनयिक निज्जर की हत्या की जांच में हस्तक्षेप कर रहे थे। वही भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने संसद में जो कुछ भी कहा, उसे हम खारिज करते हैं। कनाडा की विदेश मंत्री के बयान को भी हम नकारते हैं। कनाडा में किसी भी तरह की हिंसा में भारत सरकार पर शामिल होने का आरोप लगाना हास्यास्पद और राजनीति से प्रेरित है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि ऐसे बेबुनियाद आरोप खालिस्तानी आतंकवादी और अतिवादियों से ध्यान भटकाने के लिए हैं। ऐसे खालिस्तानी आतंकवादियों और अतिवादियों को कनाडा ने प्रश्रय दे रखा है, जो भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा हैं। वही अमेरिका ने कहा कि वह कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के उन आरोपों से बहुत चिंतित हैं, जिसमें उन्होंने अपने देश में एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या के मामले में भारत की संलिप्तता की बात कही है। साथ ही बाइडन प्रशासन ने भारत से मामले की जांच में कनाडा के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर कई सालों से कनाडा में रह रहा था और वहां से भारत के खिलाफ खालिस्तानी आतंकवाद को अंजाम दे रहा था। उसे 18 जून को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया

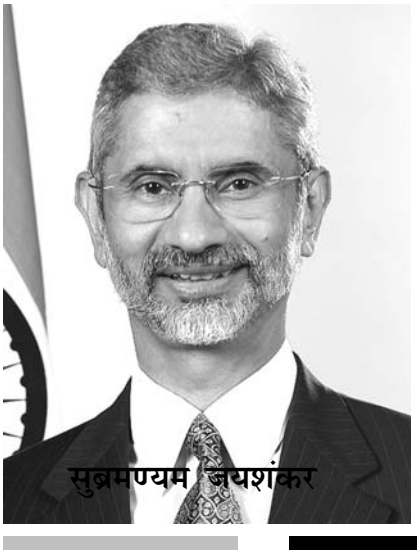
सुब्रमण्यम जयशंकर

प्रांत के शहर सरे में एक गुरुद्वारे की पार्किंग के बाहर गोली मार दी गई थी। बताया जाता है कि निज्जर ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गों को विदेशों में लॉजिस्टिक और पैसा मुहैया करवाना शुरू कर दिया था। पिछले 1 साल से पुलिस उसकी तलाश में थी। निज्जर भारतीय जांच एजेंसियों के लिए चुनौती बन गया था। भारत सरकार ने हरदीप सिंह निज्जर को डेजिग्नेटिड टेरेरिस्ट यानी आतंकवादी घोषित किया था। वहीं कुछ महीने पूर्व निज्जर के दो सहयोगियों को फिलीपींस और मलेशिया से गिरफ्तार किया गया था। प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख और भारत के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक हरदीप सिंह निज्जर (45) की कनाडा में एक गुरुद्वारे के बाहर 18 जून को दो अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। उस पर 10 लाख रुपए का नकद इनाम था। कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो ने हत्या में भारत सरकार के एजेंटों की संभावित संलिप्तता का आरोप लगाया, जबकि नई दिल्ली ने इन दावों को 'बेतुका' और निजी हित से 'प्रेरित' बताकर सिरे से खारिज किया है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया, हम प्रधानमंत्री ट्रूडो द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर चिंतित हैं। हम अपने कनाडाई साथियों के नियमित संपर्क में रहते हैं। एक सवाल के जवाब में प्रवक्ता ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि कनाडा की जांच आगे बढ़े और अपराधियों को न्याय की जद में लाया जाए। हम भारत सरकार से कनाडा की जांच में सहयोग करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दी जाए। ट्रूडो ने कनाडा के निचले सदन में एक भाषण में कहा कि पिछले कई हफ्तों से, कनाडाई सुरक्षा एजेंसियां भारत सरकार के एजेंटों और कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बीच संभावित संबंध के विश्वसनीय आरोपों की सक्रिय रूप से पुष्टि करने का प्रयास कर रही हैं। संसद में ट्रूडो की टिप्पणी के बाद, कनाडाई विदेश मंत्री मेलानी जोली ने पुष्टि की कि उन्होंने एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक को निष्कासित करने का आदेश दिया है। आरोपों और जोली की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, भारत ने ट्रूडो के दावों को खारिज कर दिया, उन्हें 'बेतुका और निजी हितों से प्रेरित' बताया। भारत के विदेश मंत्रालय ने भी एक कनाडाई राजनयिक को अगले पांच दिनों के भीतर भारत छोड़ने के लिए कह डाला। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में कहा कि एक कनाडाई राजनयिक को निष्कासित करने का निर्णय हमारे आंतरिक मामलों में कनाडाई राजनयिकों के

हस्तक्षेप और भारत विरोधी गतिविधियों में उनकी भागीदारी पर भारत सरकार की बढ़ती चिंता को दर्शाता है। दूसरी तरफ अमेरिका के एक विशेषज्ञ ने सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंट का हाथ होने के कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों को शर्मनाक और निंदनीय करार देते हुए अमेरिका से इसका हिस्सा न बनने का आग्रह किया है। हडसन इंस्टीट्यूट थिंक-टैंक में आयोजित एक पैनल चर्चा में अमेरिकन इंटरप्राइज इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ फेलो माइकल रुबिन ने दावा किया कि ट्रूडो उन लोगों के हाथों की कठपुतली बन रहे हैं, जो खालिस्तानी आंदोलन को अहं और लाभ के आंदोलन के रूप में देखते हैं। कनाडाई नागरिक निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंट का हाथ होने के ट्रूडो के आरोपों के बाद कनाडा और भारत ने अपने-अपने देश में एक-दूसरे के वरिष्ठ राजनयिक को निष्कासित कर दिया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को 'बेतुका' और 'बेबुनियाद' बताते हुए उन्हें सिरे से खारिज किया था। रुबिन ने कहा कि ट्रूडो के 'शर्मनाक और निंदनीय कदम' को लेकर चौंकाने वाली बात यह है कि वह निज्जर की हत्या मामले में तो बयान दे रहे हैं, लेकिन देश की पुलिस पाकिस्तान की कथित मदद से हुई करीमा बलूच की हत्या की जांच कर रही है और प्रधानमंत्री कार्यालय ने अब तक इस मामले का संज्ञान नहीं लिया है। अमेरिकी विशेषज्ञ ने कहा कि सवाल यह उठता है कि अगर लोकलुभावन राजनीति नहीं की जा रही है, तो यह विरोधाभास क्यों है? इससे जस्टिन ट्रूडो को लंबी अवधि में मदद मिल सकती है, लेकिन यह अच्छा नेतृत्व नहीं है। हमें अमेरिका और कनाडा में हमारे नेताओं के अधिक जिम्मेदाराना रुख अपनाने की जरूरत है, क्योंकि वे आग से खेल रहे हैं। रुबिन ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ बाहरी तत्व खालिस्तान आंदोलन को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह कोशिश रंग लाएगी। मैं नहीं चाहता कि अमेरिका 'बाहरी तत्वों की इस तरह की निंदक चालों' को स्वीकृति दे। अचानक किसी अलगाववादी आंदोलन को फिर से उभरते देखना और तर्क देना कि यह वैध है, एक बहुत बड़ी गलती होगी।

बहरहाल, दुनिया के अखबारों की हैडलाइंस बन रहा भारत और कनाडा का ताजा विवाद कोई नई बात नहीं है। इसके पहले जब जस्टिन ट्रूडो के पिता और तब के कनाडा के पीएम पियर ट्रूडो और भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बीच भी इस तरह के तनाव की स्थिति बन चुकी हैं। अब भारत और कनाडा के बीच यह विवाद पीएम नरेंद्र मोदी और जस्टिन ट्रूडो के बीच देखा जा रहा है। भारत में आयोजित हुई जी20 समिट के बाद से एक बार फिर से भारत और कनाडा के बीच के विवाद को हवा मिल गई है। इस पूरे विवाद की स्क्रिप्ट में खालिस्तान आंदोलन, कनाडा सरकार का खालिस्तानियों का सपोर्ट और कनाडा का भारत पर आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप प्रमुख है। बता दें कि जी20 के बाद ट्रूडो दो दिन तक भारत में रुके। उनके विमान में तकनीकी खराबी के कारण उन्हें भारत में ही रुकना पड़ा। कनाडा लौटने पर उनकी बहुत बदनामी हुई। उन्हें ट्रोल भी होना पड़ा। लेकिन अपने देश लौटते ही ट्रूडो आक्रामक हो गए। उन्होंने भारत पर कनाडा की घरेलू राजनीति में दखल देने का आरोप लगाया। ट्रूडो ने आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का मुद्दा भी उठाया और कहा कि हरदीप सिंह निज्जर कनाडा के नागरिक थे और उनकी हत्या भारत ने की है। इसके बाद भारत और कनाडा के बीच जमकर विवाद शुरू हो गया है। कई मोर्चों पर

माइकल रूबिन

दोनों देश आमने-सामने आ गए हैं। भारत और कनाडा के बीच ताजा विवाद की शुरुआत 9 और 10 सितंबर को नई दिल्ली में हुए जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी20 समिट में भाग लेने पहुंचे कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो के सामने उनके देश में बढ़ रही खालिस्तानी गतिविधियों का मामला उठाया। मोदी ने कनाडाई सरकार से उसकी धरती पर चल रही अलगाववादी गतिविधियां रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा। इस पर कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने मोदी से दो-टूक कह दिया कि भारत सरकार कनाडा के घरेलू मामलों और राजनीति में दखल ना दे। यही नहीं, ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर को अपने देश का नागरिक बताते हुए मोदी के सामने उसकी हत्या का मामला भी उठाया। हालांकि भारत सरकार ने तब ट्रूडो की बात को खास अहमियत नहीं दी। जी20 शिखर सम्मेलन के बाद बौखलाए हुए कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने वहां की संसद में बयान दिया कि हरदीप सिंह निज्जर कनाडा का नागरिक था और उसकी हत्या भारत सरकार ने करवाई है। इसके साथ ही कनाडाई सरकार ने एक भारतीय डिप्लोमैट को भी अपने देश से निकाल दिया। भारत सरकार ने कनाडा के इस कदम का कड़ा संज्ञान लेते हुए न केवल ट्रूडो के सारे आरोपों को खारिज किया बल्कि नई दिल्ली में मौजूद कनाडा के एक डिप्लोमैट को भी पांच दिन में देश छोड़ने के लिए कह दिया। ये कोई पहली बार नहीं है जब भारत और कनाडा के बीच तनाव की स्थिति बनी है। नरेंद्र मोदी के पीएम रहते जस्टिन ट्रूडो 2018 में पहली बार भारत के सात दिवसीय दौरे पर आए तब भी काफी विवाद हुआ था। तब विदेशी

इंदिरा गांधी

मीडिया ने अपनी रिपोर्ट्स में कहा था कि ट्रूडो के स्वागत में भारत ने उदासनीता दिखाई। मीडिया में कहा गया था कि कि भारत ने ऐसा सिख अलगाववादियों से कनाडा की सहानुभूति के कारण किया।

गौरतलब हो कि कनाडा में सिखों के बसने का सिलसिला 20वीं सदी के पहले दशक में शुरू हुआ। इतिहासकारों की मानें तो ब्रिटिश कोलंबिया से गुजरते हुए ब्रिटिश सेना के सैनिक वहां की उपजाऊ भूमि देखकर आकर्षित हो गए। 1897 में महारानी विक्टोरिया ने ब्रिटिश भारतीय सैनिकों की एक टुकड़ी को डायमंड जुबली सेलिब्रेशन में शामिल होने के लिए लंदन आमंत्रित किया था। तब घुड़सवार सैनिकों का एक दल भारत की महारानी के साथ ब्रिटिश कोलंबिया के रास्ते में था। इन्हीं सैनिकों में से एक थे रिसालेदार मेजर केसर सिंह। रिसालेदार कनाडा में शिफ्ट होने वाले पहले सिख थे। सिंह के साथ कुछ और सैनिकों ने कनाडा में रहने का फैसला किया था। इन्होंने ब्रिटिश कोलंबिया को अपना घर बनाया। बाकी के सैनिक भारत लौटे तो उनके पास एक कहानी थी। उन्होंने भारत लौटने के बाद बताया कि ब्रिटिश सरकार उन्हें बसाना चाहती है। अब मामला पसंद का था। भारत से सिखों के कनाडा जाने का सिलसिला यहीं से शुरू हुआ था। तब कुछ ही सालों में ब्रिटिश कोलंबिया 5000 भारतीय पहुंच गए, जिनमें से 90 फीसदी सिख थे। हालांकि सिखों का कनाडा में बसना और बढ़ना इतना आसान नहीं रहा है। इनका आना और नौकरियों में जाना कनाडा के गोरों को रास नहीं आया। भारतीयों को लेकर विरोध शुरू हो गया था। यहां तक कि कनाडा में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे विलियम मैकेंजी ने मजाक उड़ाते हुए कहा था, हिन्दुओं को इस देश की जलवायु रास नहीं आ रही है। वही 1907 तक आते-आते भारतीयों के खिलाफ नस्ली हमले शुरू हो गए। इसके कुछ साल बाद ही भारत से प्रवासियों के आने पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून बनाया गया। पहला नियम यह बनाया गया कि कनाडा आते वक्त भारतीयों के पास 200 डॉलर होना चाहिए। हालांकि यूरोपियनों के लिए यह राशि महज 25 डॉलर ही थी। लेकिन तब तक भारतीय वहां बस गए थे। इनमें से ज्यादातर सिख थे। ये तमाम मुश्किलों के बावजूद अपने सपनों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। इन्होंने अपनी मेहनत और लगन से कनाडा में खुद को साबित किया। सिखों ने मजबूत सामुदायिक संस्कृति को बनाया। कई गुरुद्वारे भी बनाए। सिखों को कनाडा से जबरन भारत भी भेजा गया। सिखों, हिन्दुओं और मुसलमानों से भरा एक पोत कोमागाटा मारू 1914 में कोलकाता के बज बज घाट पर पहुंचा था। इनमें से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई थी। भारतीयों से भरे इस जहाज को कनाडा में नहीं घुसने दिया गया था। जहाज में सवार भारतीयों को लेकर दो महीने तक गतिरोध बना रहा था। इसके लिए प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 2016 में हाउस ऑफ कॉमन्स में माफी मांगी थी। 1960 के दशक में कनाडा में लिबरल पार्टी की सरकार बनी तो यह सिखों के लिए भी ऐतिहासिक

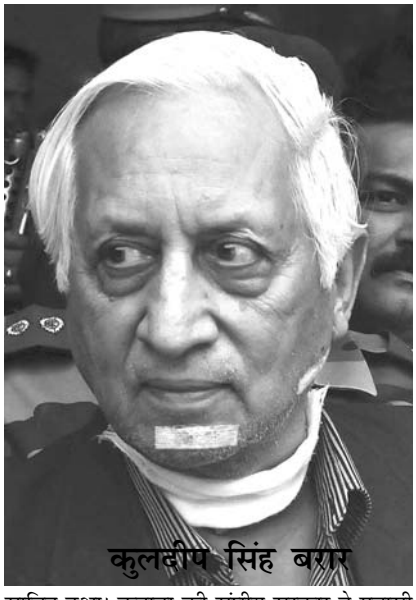
कुलदीप सिंह बरार

साबित हुआ। कनाडा की संघीय सरकार ने प्रवासी नियमों में बदलाव किया और विविधता को स्वीकार करने के लिए दरवाजे खोल दिए। इसका असर यह हुआ कि भारतीय मूल के लोगों की आबादी में तेजी से बढ़ोतरी हुई। भारत के कई इलाकों से लोगों ने कनाडा आना शुरू कर दिया। यहां तक कि आज भी भारतीयों का कनाडा जाना बंद नहीं हुआ है। बाद में 1970 के दशक तक, सिखों की मौजूदगी कनाडा में बहुत कम थी। आज की तरीख में भारतीय- कनाडाई के हाथों में संघीय पार्टी एनडीपी की कमान है। कनाडा में पंजाबी तीसरी सबसे लोकप्रिय भाषा है। कनाडा की कुल आबादी में 1.3 फीसदी लोग पंजाबी समझते और बोलते हैं। कनाडा में 14 से 18 लाख भारतीय मूल के लोग रहते हैं। पंजाब के अलावा सिख सबसे ज्यादा कनाडा में हैं। इसके बाद 1970 के दशक में खूब सिख आए। इसी दौरान खालिस्तानियों को भी कनाडा में पनाह मिली। वही ऑपरेशन ब्लू स्टार केंद्र सरकार और सिख अलगाववादियों के बीच महीनों के तनाव के बाद 1 जून 1984 को शुरू किया गया था। ऑपरेशन चार दिनों तक

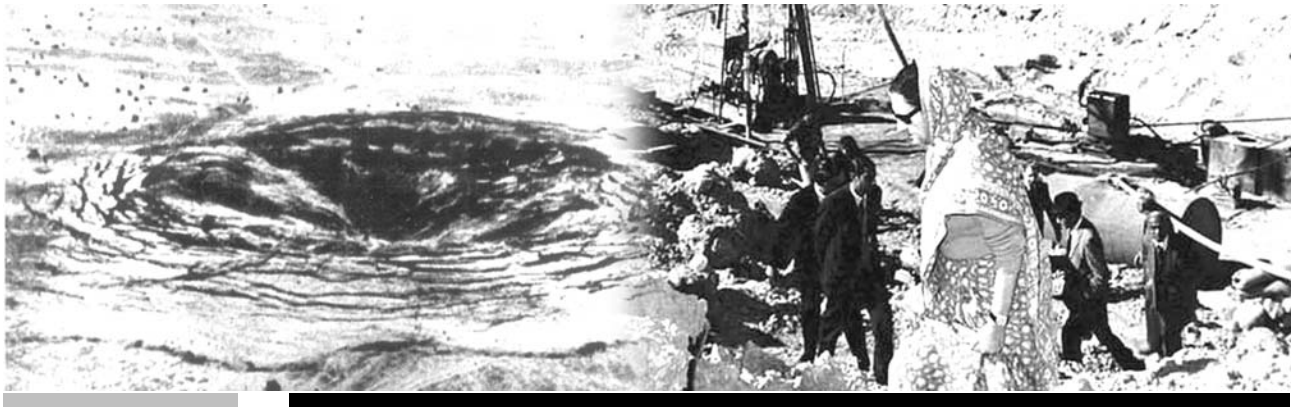

पियरे ट्रूडो

चला और इसके परिणामस्वरूप कई नागरिकों सहित सैकड़ों लोगों की मौत हो गई। ऑपरेशन ब्लू स्टार के नेता लेफ्टिनेंट जनरल कुलदीप सिंह बरार को माना जाता है। उनके नेतृत्व में ही ऑपरेशन चलाया गया। माना जाता है कि ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद कनाडा में खालिस्तानी आंदोलन ज्यादा सक्रिय हुआ और खालिस्तानियों को पनाह भी मिली। वही भारत ने मई 1974 में राजस्थान में पोखरण परमाणु परीक्षण किया था। इससे कनाडा की सरकार नाराज हो गई। कनाडा का मानना था कि उसने भारत को शांति के मकसद से परमाणु ऊर्जा के लिए रिएक्टर्स दिए हैं। भारत ने CANDU टाइप के रिएक्टर्स का प्रयोग किया था। उस समय पियरे ट्रूडो कनाडा के पीएम थे जो भारत से नाराज हो गए। जिसके बाद भारत के साथ कनाडा के रिश्ते खराब हो

तलविंदर परमार

गए। जस्टिन ट्रूडो के पिता पियर ट्रूडो 1968 से 1979 तक और फिर 1980 से 1984 तक कनाडा के प्रधानमंत्री रहे। वहीं, भारत में इस दौरान इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं। ये वो समय था जब भारत में खालिस्तानी आंदोलन चरम पर था। खालिस्तानियों का प्रमुख नेता तलविंदर सिंह परमार कनाडा में रहता था। इंदिरा गांधी ने 1984 में अक्टूबर की शुरुआत में ट्रूडो से तलविंदर सिंह परमार के प्रत्यर्पण की मांग की थी, लेकिन पियर ट्रूडो की सरकार ने प्रत्यर्पण से इंकार कर दिया। कनाडा सरकार ने तब कहा कि भारत ब्रिटेन की रानी को कॉमनवेल्थ का हेड तो मानता है लेकिन सदस्य है, इसलिए वह किसी भी तरह का प्रत्यर्पण नहीं करेगा। इसलिए कॉमनवेल्थ प्रत्यर्पण संधि लागू नहीं कर सकते। 23 जून 1985 को खालिस्तानी आर्तकियों ने एयर इंडिया के विमान को उड़ा दिया। इस हमले में 329 लोगों की मौत हो गई थी। जिस वक्त ये हमला हुआ था तब तलविंदर परमार खालिस्तानी आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा का प्रमुख था। वही इस हमले का मास्टरमाइंड भी था। इंदिरा गांधी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार इसका जिक्र किया था

कि पियर ट्रूडो खालिस्तानियों को बचा रहे हैं। इसके बाद 2018 में जस्टिन ट्रूडो की कैबिनेट में तीन सिख मंत्री थे। इन्हीं मंत्रियों में से रक्षा मंत्री हरजीत सज्जन थे। सज्जन अब भी ट्रूडो की कैबिनेट में हैं और उन्होंने अपने प्रधानमंत्री के बयान का समर्थन करते हुए कहा है कि भारत समेत किसी भी देश का हस्तक्षेप कनाडा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सज्जन को 2017 में पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने खालिस्तान समर्थक कहा था। हालांकि सज्जन सिंह ने इस दावे को बकवास बताया था।

हरजीत सज्जन

भारत को तब भी ठीक नहीं लगा था, जब ओंटेरियो असेंबली ने भारत में 1984 के सिख विरोधी दंगे की निंदा में एक प्रस्ताव पास किया था। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की योजना स्वतंत्र पंजाब के लिए एक जनमत संग्रह कराने की रही है।

दिगर बात है कि खालिस्तानी समर्थक तत्व 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' और 'राजनीतिक समर्थन' जैसी धारणाओं की आड़ में करीब 50 साल से कनाडा की जमीन से 'स्वतंत्र रूप से काम कर रहे' हैं, लेकिन कनाडा इन चरमपंथियों द्वारा डराने धमकाने, हिंसा किए जाने और नशीले पदार्थों की तस्करी में लिप्त रहने पर 'पूरी तरह चुप्पी साध' लेता है। इधर कनाडा के साथ खड़े रहने वाले अमेरिका ने भारत को एक बार और धोखा दिया है। पाकिस्तान में अमेरिका के राजदूत डेविड ब्लोम ने चुपचाप पीओके यानि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का दौरा किया है। सूत्रों ने कहा कि 'एयर इंडिया' के विमान कनिष्क में 1985 में खालिस्तानी चरमपंथियों ने बम विस्फोट किया था और यह अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को हुए हमले से भी पहले हुआ। यह दुनिया के सबसे बड़े आतंकवादी हमलों में से एक हमला था। उन्होंने कहा कि कनाडाई एजेंसियों की स्पष्ट 'बेरुखी' के कारण इस हमले का मुख्य आरोपी तलविंदर सिंह परमार और उसके खालिस्तानी चरमपंथियों का समूह बचकर निकल गए। सूत्रों ने कहा कि विडंबना यह है कि परमार अब

सिद्धू मूसेवाला

गोल्डी बरार

लॉरेंस विश्नोई

कनाडा में खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों का नायक है और प्रतिबंधित समूह 'सिख फॉर जस्टिस' ने अपने अभियान केंद्र का नाम भी परमार के नाम पर रखा है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में खालिस्तानी चरमपंथियों के 'हौंसले और बुलंद हो गए' तथा उन्होंने 'बिना किसी खौफ' के कनाडा से काम करना शुरू कर दिया। सूत्रों ने कहा कि पिछले एक दशक में पंजाब में सामने आए आतंकवाद के आधे से ज्यादा मामलों के तार कनाडा स्थित खालिस्तानी चरमपंथियों से जुड़े होने का पता चला है। उन्होंने कहा कि 2016 के बाद पंजाब में सिखों, हिंदुओं और ईसाइयों को लक्ष्य बनाकर की गई कई हत्याएं खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की करतूत थीं, जिसकी हत्या से भारत और कनाडा के बीच विवाद पैदा हो गया। सूत्रों ने कहा कि कनाडाई एजेंसियों ने निज्जर और उनके मित्रों भगत सिंह बराड़, पैरी दुलाई, अर्श डल्ला, लखबीर लांडा और कई अन्य लोगों के खिलाफ कथित तौर पर कभी कोई जांच शुरू नहीं की। पंजाब में लाशों का ढेर लगने के बावजूद वे 'राजनीतिक कार्यकर्ता' बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब आज कनाडा से चलाए जा रहे जबरन वसूली गिरोहों के कारण भारी नुकसान झेल रहा है और 'उत्तर अमेरिकी' देश में स्थित गैंगस्टर ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से नशीले पदार्थ लाते हैं और उन्हें पूरे पंजाब में बेचते हैं। उन्होंने कहा कि इस धन का एक हिस्सा कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों को जाता है। सूत्रों ने बताया कि कनाडा में भी कई खालिस्तानी समर्थक चरमपंथी नशीले पदार्थों के कारोबार का हिस्सा हैं और पंजाब के विभिन्न गैंगस्टर के गिरोहों के बीच प्रतिद्वंद्विता अब कनाडा में आम है। उन्होंने कहा कि भारत समर्थक सिख नेता रिपुदमन सिंह मलिक की 2022 में कनाडा के सरे में हत्या कर दी गई थी और कई लोगों का कहना है कि इस हत्या के पीछे निज्जर का हाथ था, लेकिन कनाडाई एजेंसियों ने दोषियों को ढूंढने और वास्तविक साजिश का पर्दाफाश करने में कथित तौर पर कोई तत्परता नहीं दिखाई। इस मामले में केवल ऐसे दो स्थानीय लोगों को आरोपी बनाया गया, जो भारतीय मूल के नहीं थे। उन्होंने कहा कि खालिस्तानियों को 'पीछे से बढ़ावा दिए जाने' ने यह सुनिश्चित किया कि खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों की ताकत और धन की शक्ति के दम पर उदारवादी और भारत समर्थक सिखों को कनाडा के कई बड़े गुरुद्वारों से बाहर निकाल दिया गया। सूत्रों ने कहा कि कनाडा में अपने 'बढ़ते दबदबे' से उत्साहित होकर खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों ने वहां अल्पसंख्यक भारतीय हिन्दुओं को खुलेआम डराना और उनके मंदिरों को विरूपित करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि कनाडा में खालिस्तानियों द्वारा भारतीय मिशन और राजनयिकों को खुले तौर पर धमकियां देना गंभीर घटनाक्रम है और ये वियना सम्मेलन के तहत कनाडा के दायित्व को चुनौती देती हैं। सूत्रों ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि कनाडा में मानवाधिकारों के आकलन के लिए अलग-अलग पैमाने हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब के छोटे-छोटे मुद्दों पर भी कनाडा से मजबूत आवाज उठती हैं, लेकिन वहां बैठे खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों द्वारा डराए जाने और हिंसा, मादक पदार्थों की तस्करी एवं जबरन वसूली किए जाने को लेकर 'पूरी तरह से चुप्पी' साधी जा रही है, जिससे दोनों देश प्रभावित हो रहे हैं। नई दिल्ली और ओटावा के बीच विवाद तब शुरू हुआ, जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने जून में हुई निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की 'संभावित' संलिप्तता का 18 सितंबर को आरोप लगाया। भारत ने इन आरोपों को 'बेतुका' और 'निहित स्वार्थों से प्रेरित बताकर' दृढ़ता से खारिज कर दिया और इस मामले में ओटावा से एक भारतीय अधिकारी को निष्कासित किए जाने के बाद जवाबी कदम उठाते हुए एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया था। कनाडा में बढ़ती भारत विरोधी गतिविधियों और राजनीतिक रूप से समर्थित घृणा अपराधों और आपराधिक हिंसा को देखते हुए भारत ने 20 सितंबर को अपने नागरिकों और वहां की यात्रा करने पर विचार कर रहे देश के लोगों को अत्यधिक सावधानी बरतने का परामर्श जारी किया। इसके एक दिन बाद, भारत ने कनाडा स्थित अपने उच्चायोग और वाणिज्य दूतावासों के समक्ष उत्पन्न 'सुरक्षा खतरों' के मद्देनजर कनाडाई नागरिकों को वीजा जारी करने पर अस्थायी रूप से रोक लगाने की घोषणा की। बता दें कि ट्रूडो द्वारा लगाये गये आरोप पर विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कनाडा में हिंसा के किसी भी कृत्य में भारत की संलिप्तता के आरोप बेतुके और बेबुनियाद हैं। उसने कहा कि ऐसे ही आरोप कनाडा के प्रधानमंत्री ने हमारे प्रधानमंत्री से बातचीत में भी लगाए थे, जिन्हें पूरी तरह से खारिज कर दिया

गया था। दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष ट्रूडो के बीच 10 सितंबर को द्विपक्षीय बातचीत हुई थी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जो कानून के शासन के लिए प्रतिबद्ध है। उसने कहा कि इस तरह के बेबुनियाद आरोप खालिस्तानी आतंकवादियों और चरमपंथियों से ध्यान हटाने की कोशिश करते हैं, जिन्हें कनाडा में आश्रय प्रदान किया गया है और जो भारत की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा बने हुए हैं। मंत्रालय ने कहा कि इस मामले में कनाडा सरकार की निष्क्रियता लंबे समय से और लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। उसने कहा कि कनाडा के नेताओं का ऐसे तत्वों के प्रति खुलेआम सहानुभूति जताना गहरी चिंता का विषय है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हत्या, मानव तस्करी और संगठित अपराध सहित कई अन्य अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों को कनाडा में आश्रय दिया जाना कोई नए बात नहीं है। उसने कहा कि हम भारत सरकार को ऐसे घटनाक्रम से जोड़ने के किसी भी प्रयास को खारिज करते हैं। मंत्रालय ने कहा कि हम कनाडा सरकार से उसकी सरजमीं से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने वाले सभी लोगों के खिलाफ त्वरित एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं। वही आतंकवादी समूहों का समर्थन करने वाले कम से कम 9 अलगाववादी संगठनों के ठिकाने कनाडा में हैं और कई निर्वासन अनुरोधों के बावजूद कनाडा ने लोकप्रिय पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या समेत जघन्य अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। इस बीच, कनाडा सरकार ने अपने नागरिकों को जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में यात्रा को लेकर चेतावनी जारी की है। परामर्श में नागरिक अशांति, आतंकवाद और उग्रवाद का जिक्र किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि कनाडा में वर्ल्ड सिख ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएसओ), खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ), सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) और बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) जैसे खालिस्तान समर्थक संगठन पाकिस्तान के इशारे पर कथित तौर पर स्वतंत्र रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कनाडा के नागरिक खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के संबंध में कनाडाई अधिकारियों और नेताओं ने भारत पर जो आरोप लगाए हैं, वे निराधार हैं। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय अधिकारियों ने वांछित आतंकवादियों और गैंगस्टरों के निर्वासन का मुद्दा कई राजनयिक और सुरक्षा वार्ताओं में उठाया है, लेकिन कनाडाई अधिकारी इन आतंकवादी तत्वों का समर्थन करते हुए आंखे मूंदे रहे। उन्होंने कहा कि कनाडा को कई दस्तावेज सौंपे गए हैं, लेकिन भारत के निर्वासन अनुरोधों पर ध्यान नहीं दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि आतंकवादी समूहों का समर्थन करने वाले कम से कम नौ अलगाववादी संगठनों ने कनाडा में अपने अड्डे बना रखे हैं। अधिकारियों ने कहा कि आतंकवादी गतिविधियों में शामिल आठ लोगों और पाकिस्तान की आईएसआई के साथ साजिश रचने वाले कई गैंगस्टर को कनाडा में सुरक्षित ठिकाना मिला हुआ है। उन्होंने कहा कि इन लोगों के निर्वासन के अनुरोध कनाडाई अधिकारियों के पास वर्षों से लंबित हैं। अधिकारियों ने कहा कि इन लोगों में गुरवंत सिंह भी शामिल है, जो 1990 के दशक की शुरुआत में आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था और उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस भी लंबित है। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय अधिकारियों ने आतंकी मामलों में शामिल गुरप्रीत सिंह के निर्वासन का अनुरोध करते हुए कनाडा में उसका पता प्रदान किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि 16 आपराधिक मामलों में वांछित अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डल्ला, प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी लेने वाले

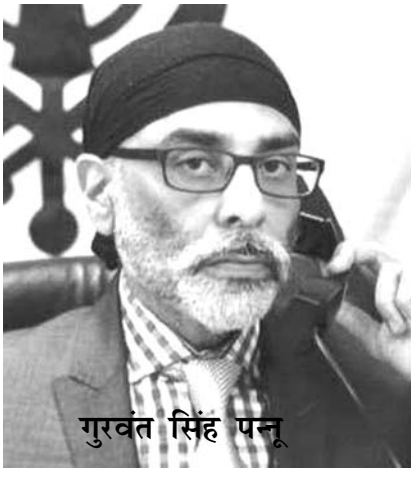
गुरवंत सिंह पन्नू

सतिंदरजीत सिंह बराड़ उर्फ गोल्डी बराड़ समेत खूंखार गैंगस्टरों के खिलाफ सबूत पेश कर उनके निर्वासन का अनुरोध किया गया था, लेकिन कनाडा सरकार ने कार्रवाई नहीं की।

गौरतलब हो कि एक बार फिर पाकिस्तान का दोगला चेहरा भारत के खिलाफ सामने आया है। भारत और कनाडा के बीच रिश्तों में कड़वाहट के बाद भारत सरकार ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। एडवायजरी में भारत ने कनाडा में रहने वाले अपने नागरिकों खासकर छात्रों को सतर्क रहने को कहा है। इसी बीच पाकिस्तान और कनाडा में खालिस्तान लिंक पर बड़ा खुलासा हुआ है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई कनाडा में खालिस्तान गतिविधियों को तेज करने के लिए फंडिंग कर रही है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक पिछले कुछ माह में कनाडा में रह रहे खालिस्तानियों के हेड की बड़ी संख्या में फंडिंग हुई है। वही बता दें कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि वह भारत को उकसाना या तनाव बढ़ाना नहीं चाहते हैं। हालांकि उन्होंने नई दिल्ली से सिख अलगाववादी नेता की हत्या को बेहद गंभीरता से

लेने का आग्रह किया। एक खालिस्तानी अलगाववादी नेता की जून में हुई हत्या में भारत के संभावित जुड़ाव संबंधी ट्रूडो के आरोपों का हवाला देकर एक भारतीय अधिकारी को कनाडा से निष्कासित किए जाने के कुछ ही घंटे बाद भारत ने एक कनाडाई राजनयिक को निष्कासित करने की घोषणा की। भारत की जवाबी कार्रवाई के बाद ट्रूडो का यह बयान आया है। कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सरकार को इस मामले को बेहद गंभीरता से लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम ऐसा कर रहे हैं। हम उकसाने या तनाव बढ़ाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। ट्रूडो ने कहा कि हम सब कुछ स्पष्ट करने और उचित प्रक्रियाएं सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के साथ काम करना चाहते हैं। भारत ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के उन आरोपों को बेबुनियाद बताकर सिरे से खारिज कर दिया था जिसमें कहा गया था कि खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और भारत सरकार के एजेंट के बीच संभवत: कोई संबंध है। ट्रूडो द्वारा संसद में इस संबंध में आरोप लगाए जाने के बाद कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने घोषणा की कि एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक को कनाडा से निष्कासित कर दिया गया है। दिगर बात है कि जस्टिन ट्रूडो और पीएम मोदी के बीच दूरियां आने का ये पहला मामला नहीं है। कहा जाता है कि दोनों राष्ट्रप्रमुखों के बीच कभी संबंध बेहतर नहीं रहे। मोदी मई 2014 में पहली बार भारत के प्रधानमंत्री बने और जस्टिन ट्रूडो अक्तूबर 2015 में पहली बार कनाडा के प्रधानमंत्री बने। 2019 में भी नरेंद्र मोदी दूसरे कार्यकाल के लिए चुनकर आए और ट्रूडो को भी अक्टूबर 2019 में दूसरे कार्यकाल के लिए चुने गये। ट्रूडो की लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा खुद को उदारवादी लोकतांत्रिक बताती है और पीएम मोदी की बीजेपी की पहचान हिन्दुत्व और दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी के रूप में है। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने अप्रैल 2015 में कनाडा का दो दिवसीय दौरा किया था। उस वक्त कनाडा के प्रधानमंत्री कन्जर्वेटिव पार्टी के स्टीफन हार्पर थे। 2010 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी-20 समिट में शामिल होने कनाडा गए थे। लेकिन समिट से इतर किसी भारतीय प्रधानमंत्री का कनाडा जाना 42 साल बाद तब हो पाया, जब पीएम मोदी कनाडा के दौरे पर 2015 में गए। जस्टिन ट्रूडो जब से पीएम बने हैं, तब से नरेंद्र मोदी कनाडा नहीं गए हैं। मोदी के पीएम रहते जस्टिन ट्रूडो 2018 में पहली बार भारत के दौरे पर आए तब भी काफी विवाद हुआ था। 2018 में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो सात दिवसीय भारत दौरे पर आए थे। तब विदेशी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट्स में कहा था कि ट्रूडो के स्वागत में भारत ने उदासनीता दिखाई। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत ने ऐसा सिख अलगाववादियों से कनाडा की सहानुभूति के कारण किया। ट्रूडो के इस दौरे से जुड़ी तस्वीरें तब भी सोशल मीडिया पर शेयर की गई थीं। इन तस्वीरों के जरिए बताने की कोशिश की गई थी कि प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली एयरपोर्ट पर तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा, इसराइल के प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू और संयुक्त अरब अमीरात के क्राउन प्रिंस के स्वागत में गले लगाने के लिए नजर आते हैं जबकि जस्टिन ट्रूडो की अगवानी में एक जूनियर मंत्री को भेजा गया। कनाडाई प्रधानमंत्री ताजमहल देखने गए तो वो भी गुमनाम रहा। इसकी तुलना इसराइली पीएम नेतन्याहू के ताज दौरे से की गई थी, जिनकी आगवानी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे थे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी ताजमहल देखने गए तो अगवानी में योगी आदित्यनाथ खड़े थे। ज्ञात हो कि 2019 के चुनाव में जस्टिन ट्रूडो बहुमत से दूर रह गए थे।

फिर से प्रधानमंत्री बनने के लिए जस्टिन ट्रूडो को समर्थन चाहिए था और वो जगमीत सिंह की तरफ देख रहे थे। जगमीत सिंह के नेतृत्व वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी को 24 सीटें मिली थीं और उनकी पार्टी का वोट प्रतिशत 15.9% रहा था। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, जगमीत सिंह पार्टी के नेता बनने से पहले खालिस्तान की रैलियों में शामिल होते थे। लिबरल पार्टी के लिए ये चुनाव बेहद कठिन रहा था। सिखों के प्रति उदारता के कारण कनाडाई पीएम को मजाक में जस्टिन सिंह ट्रूडो भी कहा जाता है। 2015 में जस्टिन ट्रूडो ने कहा था कि उन्होंने जितने सिखों को अपनी कैबिनेट में जगह दी है उतनी जगह भारत की कैबिनेट में भी नहीं है। कनाडा में भारतवंशियों के प्रभाव का अंदाजा इस बात से भी लगा सकते हैं कि वहां के हाउस ऑफ कॉमन्स के लिए 2015 में भारतीय मूल के 19 लोगों को चुना गया था। इनमें से 17 ट्रूडो की लिबरल पार्टी से थे।

बहरहाल, क्षेत्रफल में भारत से तीन गुना बड़े, पर जनसंख्या में भारत से 37 गुना छोटे कनाडा के प्रधानमंत्री विवादों में रहने के लिए अपने देश में विख्यात हैं। अपने यहां रहने वाले खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए भारत को दोषी ठहराने के चक्कर में अब वे भारत सहित पूरी दुनिया में कुख्यात हो रहे हैं। खालिस्तानी आतंकवादियों को कनाडा में शरण और नागरिकता देने वाले जस्टिन ट्रूडो भूल जाते हैं कि उनके अपने ही देश के क्युबेक-वासी भी क्युबेक को एक स्वतंत्र सार्वभौम देश बनाने के लिए सदियों से लड़ रहे हैं। कनाडा भी अपने क्युबेक राज्य को एक स्वतंत्र देश नहीं बनने देना चाहता। भारत के पंजाब राज्य को एक स्वतंत्र खालिस्तान बनाने की कनाडा में बैठे आतंकवादियों की जिस मांग से उन्हें जो सहनुभूति है, क्या वही सहानुभूति वे स्वतंत्र क्युबेक की मांग करने वाले वहां के उग्रवादियों के प्रति दिखाने का भी साहस करेंगे? खालिस्तानियों के प्रति ट्रूडो के रुख की देखा-देखी यदि भारत भी क्युबेक के राष्ट्रवादियों को शह देने लगे, तो क्या वे इसका स्वागत करेंगे? उनकी समझ में भला यह कब आएगा कि जिस तरह कनाडा की हर सरकार अपने देश की अखंडता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है, उसी तरह भारत की हर सरकार भी भारत की अखंडता बनाए रखने के लिए कटिबद्ध है। ज्ञात हो कि 18 जून 2023 को हरदीप सिंह निज्जर की हत्या ने कनाडा के प्रधानमंत्री को बहुत बेचैन कर रखा है। पर, निज्जर की तरह के ही एक और खालिस्तानी आतंकवादी, सुखदूल सिंह की 20 सितंबर को

कनाडा में हुई हत्या का वे नाम तक नहीं लेते। शायद इसलिए कि लारेंस बिशनोई नाम के गिरोह ने उसी दिन उसकी हत्या की जिम्मेदारी ले ली थी। क्या यह नहीं हो सकता कि इसी या ऐसे ही किसी दूसरे गिरोह ने हरदीप सिंह निज्जर का भी काम तमाम कर दिया हो? हत्या के ऐसे कांड कनाडा में पहले भी हो चुके हैं। जस्टिन ट्रूडो और उनकी सरकार ने 2020-21 में भी ऐसा ही दोगलापन दिखाया था। हुआ यह था कि पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में पाकिस्तानी सेना और सरकार के अंतहीन अत्याचारों और मार-काट से त्रस्त 37 वर्ष की एक महिला शरणार्थी करीमा बलोच की कनाडा के टोरन्टो शहर में हत्या कर दी गई थी। बलोचिस्तान वासियों के मानवाधि कारों के लिए करीमा बलोच की जुझारुता इतनी प्रसिद्ध हो गई थी कि दुनिया में सबसे अधिक प्रेरक और प्रभावशाली महिलाओं को समर्पित बीबीसी की 2016 की 100 महिलाओं वाली सूची में करीमा का भी नाम चढ़ गया था। करीमा को अपनी जान बचाने के लिए 2015 में पाकिस्तान से पलायन करना पड़ा। 2016 में उन्हें कनाडा में शरण मिली। कनाडा के टोरंटो विश्वविद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ वहां के लोगों के सामने वे पाकिस्तान और बलोचिस्तान में मानवाधिकारों के निर्मम हनन का कच्चा चिट्ठा खोलने लगीं। सभा-सम्मेलनों में बोलने लगीं। मीडिया वालों के सामने अपना पक्ष रखने और प्रदर्शनों आदि में भाग लेने लगीं। लेकिन, यह सब बहुत देर तक नहीं चल सका। उन्हें अनजान पाकिस्तानियों से गंभीर धमकिंयां मिलने लगीं। टोरंटो में ही 2016 में करीमा बलोच ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वतंत्रता दिवस का वह जोशीला भाषण भी सुना था, जिसकी भारत में भी बड़ी चर्चा थी। लाल किले के प्राचीर पर से बोलते हुए मोदी ने पाकिस्तान और बलोचिस्तान कि स्थिति का भी उल्लेख किया था। उनके भाषण ने करीमा के मन में यह आशा जगाई कि बलोचों के लिए भारत अब कुछ करेगा। मोदीजी को धन्यवाद देते हुए एक वीडियो बनाया, जिसमें कहा कि आप बस हमारी आवाज बने रहें, अपनी लड़ाई हम खुद लड़ेंगे। टोरंटो में हम्माल हैदर नाम का एक और बलोच शरणार्थी था। उसे भी मानवाधिकरों के लिए अपने संघर्ष के कारण पलायन करना पड़ा था। हम्माल और करीमा पति-पत्नी बन गए। किंतु उनका साथ बहुत लंबे समय तक नहीं रह सका। 2017 में पाकिस्तान में कई बलोच छात्रों के अपहरण के बाद से करीमा और हम्माल को व्हाट्सऐप पर पाकिस्तान से आने वाली अनजान धमकियां बढ़ती गई। करीमा से कहा जाने लगा कि वे पाकिस्तान लौट आएं, उनके विरुद्ध लगाए गए अभियोग उठा लिए जाएंगे और बंधक बनाए गए बलोच छात्रों को भी मुक्त कर दिया जाएगा। करीमा इस प्रलोभन में नहीं पड़ीं। इसी गहमागहमी के बीच करीमा बलोच 20 दिसंबर 2020 के दिन लापता हो गई। दो दिन बाद, 22 दिसंबर को टोरंटो की पुलिस को ओन्टारियो झील में उनका शव मिला। पति हम्माल हैदर का कहना था कि करीमा, दोपहर को हवाखोरी के लिए टोरंटो के सेंटर आइलैंड की तरफ जाने के लिए घर से निकली थीं। अक्सर वहां जाया करती थीं। मैं मान नहीं सकता कि यह आत्महत्या का मामला है। वह साहसी महिला थीं और घर से निकलते समय प्रसन्नचित्त थीं, हैदर ने पुलिस से कहा। टोरंटो की पुलिस ने 22 दिसंबर 2020 को यह कहकर हाथ झाड़ लिया कि करीमा बलोच के मामले की जांच आपराधिक मामले के तौर पर नहीं की जा रही है और यह भी नहीं माना जा रहा है कि इसमें संदेह की कोई गुंजाइश है। पुलिस ने और कोई विवरण नहीं दिए। मृत्यु का कोई कारण नहीं बताया। शव भी नहीं दिखाया। करीमा के पति का कहना था कि सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें भी करीब एक महीने से धमकियां मिल रही थीं कि वह बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के अभियानों और मानवाधिकारों के बारे में बोलना बंद करे, वर्ना तेरे भाई और तेरी बीवी निशाने पर होंगे। टोरंटो की पुलिस के रूखे-सूखे रवैये से यही संकेत मिलता है कि करीमा बलोच की मृत्यु पुलिस की दृष्टि

करीमा, बलोच

से आत्महत्या थी। एक ऐसी युवा महिला, जो पकिस्तान की पुलिस या सेना के आगे भी मौत से नहीं डरी, जो कनाडा में सभा-सम्मेलनों में खुलकर बोलती है, धरने- प्रदर्शन करती है, एक दिन दोपहर अपने घर से क्या केवल इसलिए निकली होगी कि एक झील में जाकर डूब मरेगी? उसकी कमी इतना ही थी कि उसके पीछे खालिस्तान जैसा कोई मालदार आतंकवादी संगठन नहीं था। वह निज्जर जैसी कोई निर्मम आतंकवादी नहीं थी। करीमा को कनाडा जैसे मानवतावाद के पाखंडी देश की नागरिकता नहीं मिली। वह मात्र एक शरणार्थी थीं, इसलिए उनकी अर्थी उठ गई। उन्हें और उनके पति को जानने वाले मानते हैं कि करीमा की हत्या पाकिस्तानी गुप्तचर सेवा आईएसआई ने करवाई। शव को झील में डाल दिया गया, ताकि लगे कि यह आत्महत्या का मामला है। यह है हाल कनाडा नाम के एक ऐसे पश्चिमी देश का, जो अपने आप को मानवाधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के राज का शिरोमणि समझता है। प्रमाण के तौर पर दुनिया भर के ऐसे खूंखार भगोड़े आतंकवादियों को पेश करता है, जिन पर तरस खा कर वह उन्हें न केवल शरण देता है, अपना नागरिक बना और बताकर उन्हें गर्व के साथ पालता-पोसता भी है। चाहता है कि उसकी इस बेढब उदारता के लिए उसकी वाह-वाही की जाए।

गौरतलब है कि कनाडा और पांच आंखों वाले पंचपरमेश्वर गुट के उसके अन्य मानवतावादी सहयोगी देश, आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की आड़ लेकर भारत को इस तरह नीचा दिखाना चाहते हैं, मानो उन्होंने स्वयं कभी किसी विदेशी भूमि पर किसी आतंकवादी की सुनियोजित हत्या नहीं की है। अमेरिका ने 2 मई, 2011 को पाकिस्तान के अबोटाबाद में अल कायदा के सर्वेसर्वा ओसामा बिन लादेन की हत्या के लिए क्या कभी पाकिस्तान से अनुमति मांगी थी? पाकिस्तान की सार्वभौमता की क्या धज्जियां नहीं उड़ाई थीं? अमेरिका ने ही 31 जुलाई 2022 को सुबह सवा 6 बजे, बिन लादेन के डिप्टी, अयमान अल जवाहिरी को भी काबुल में एक रॉकेट से परलोक पहुंचा दिया। भारत पर कनाडा का सबसे बड़ा आरोप यही है कि भारत ने उसकी भूमि पर निज्जर को मारकर उसकी सार्वभौमता का उलंघन किया है। अमेरिका ने इराक पर परमाणु बम बनाने का झूठा आरोप लगाकर 2003 में क्या उस पर आक्रमण नहीं किया? इराक को तहस-नहस और उसके राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की हत्या क्या नहीं की? सद्दाम हुसैन भी भले ही कुछ कम अत्याचारी नहीं था। 1980 वाले दशक में मध्य अमेरिकी देश पनामा के राष्ट्रपति के समान, वहां के मुख्य सत्ताधारी मानुएल नोरियेगा को पकड़ने के लिए, अमेरिका ने ही 20 दिसंबर, 1989 को पनामा पर हवाई हमला बोल दिया। उस समय तक द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद का वह सबसे बड़ा हवाई हमला था। अमेरिका का आरोप था कि नोरियेगा मादक द्रव्यों का बहुत बड़ा डीलर है। नोरियेगा 11 दिनों तक पनामा सिटी में वैटिकन के दूतावास में छिपा रहा।

हम्माल हैदर, बलोच

अंतत: 3 जनवरी 1990 को उसे आत्मसमर्पण करना पड़ा। अमेरिका ले जाकर उस पर मुकदमा चलाया गया। 40 साल लंबी जेल की सजा सुनाई गई। कहने का तात्पर्य यह कि अमेरिकी गुट के पश्चिमी देश अपने ही कानून-कायदों और मानदंडों की धज्जियां भले ही उड़ाएं, दूसरे देश ऐसा नहीं कर सकते। केवल इसराइल इसका अपवाद है। गाहे-बगाहे वह सीरिया या ईरान के किन्हीं अधिकारियों-वैज्ञानिकों को उन्हीं की जमीन पर बेधड़क निपटा सकता है। इधर कुछ समय से व्लादिमीर पुतिन का रूस भी दिखाने लगा है कि हम भी किसी से कम नहीं। पर रूस अधिकतर रूसियों को ही विदेशों में अपना निशाना बनाता है। सरकार से असहमत रूसी, विदेशों में या तो किसी होटल या इमारत की खिड़की से अनायास ही गिरकर मर जाते हैं या किसी रहस्यमय पदार्थ के विष का शिकार बनते हैं।

बहरहाल, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की ओर से अपने देश की संसद में खालिस्तान समर्थक नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों के हाथ होने की आशंका

सुखजिंदर सिंह रंधावा

राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी

कैप्टन अमरिंदर सिंह

जाहिर किए जाने के बाद भारत और कनाडा के रिश्ते पटरी से उतर गए हैं। दोनों देशों के बीच इस तनाव ने पंजाब के राजनीतिक दलों को भी मुश्किल में डाल दिया है। शुरू में इस मुद्दे को लेकर थोड़ा आक्रामक रुख दिखाने की कोशिश करने वाली पार्टियां अब इस पर सतर्क प्रतिक्रिया दे रही हैं। पहले कांग्रेस ने शिरोमणि अकाली दल की ये कह कर आलोचना की थी कि कनाडाई प्रधानमंत्री के इतने गंभीर बयान के बाद भी शिरोमणि अकाली दल और आम आदमी पार्टी ने चुप्पी साध ली है। कांग्रेस नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा था कि ट्रूडो के बयान के खिलाफ न बोल कर अकाली दल राज्य में सिख वोटों का ध्रुवीकरण करना चाहते हैं। पंजाब बीजेपी की कोर कमिटी के सदस्य राणा गुरमीत सिंह सोढी ने कहा था कि अकालियों को इस मामले में अपना स्टैंड साफ करना होगा। बीजेपी का ये बयान अकाली दल के इस बयान के बाद आया था कि ट्रूडो ने निज्जर की हत्या के मामले में भारतीय एजेंसियों की भूमिका को लेकर जो आशंका जताई है, उस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सामने सारे तथ्य रखने चाहिए। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह प्रदेश के शायद एकमात्र बड़े नेता हैं, जिन्होंने पूरे विवाद में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को आड़े हाथों लिया। अमरिंदर सिंह ने 19 सितंबर को ट्वीट कर कहा था कि जस्टिन ट्रूडो का यह कहना है कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ है, यह पूरी तरह से बेबुनियाद है। ट्रूडो वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि 2018 में ट्रूडो जब अमृतसर आए थे तो मैंने उनसे कहा था कि कैसे कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियां चल रही हैं। अब भी कनाडा की सरकार ने इसे रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। इसके बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह ने 23 सितंबर को अंग्रेजी अखबार द इंडियन एक्सप्रेस में लेख लिखा और जस्टिन ट्रूडो से कई सवाल पूछे। इस लेख में अमरिंदर सिंह ने कहा है कि कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियां खुलेआम चल रही हैं। भारतीय उच्चायोग और हिन्दू पूजा स्थलों पर हमले को भारत के लोग भूल न हीं

पाए हैं। क्या ट्रूडो की सरकार ने इनके खिलाफ कोई कार्रवाई की? लेकिन शिरोमणि अकाली दल ने कहा कि न सिर्फ उसने इस मामले में बयान जारी किया है बल्कि कनाडा में रह रहे पंजाब के आठ लाख लोगों का मामला पूरे जोर-शोर से उठाया है। उसने कहा है कि कनाडा से भारत आने वालों के लिए वीजा जारी करने पर रोक लगाए जाने के केंद्र सरकार के फैसले के बाद बादल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और इस मामले को जल्द से जल्द सुलझाने की अपील की। अकाली दल ने कहा कि उसने कनाडाई सरकार से भी इस मामले को सुलझाने की अपील की है ताकि कनाडा में रह रहे लाखों सिखों के हितों पर आँच न आए। हालाँकि इन शुरुआती बयानबाजियों के बाद पंजाब के राजनीतिक दलों ने फिलहाल इस मामले में एक दूसरे पर आरोप लगाना बंद कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ये अच्छी बात है कि इन राजनीतिक दलों ने फिलहाल इस मुद्दे पर एक दूसरे पर आरोप मढ़ने बंद कर दिए हैं। ये ध्यान रखना चाहिए कि ऐसी कोई भी बयानबाजी आखिरकार पंजाब के लोगों का नुकसान करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों को कहना है कि राजनीतिक दल पंजाब को तू-तू मैं-मैं के जरिये खराब न करें। ये सीमा से लगा राज्य है। यहाँ के लोगों ने देश के लिए बड़ी कुर्बानियां दी हैं। इक्के-दुक्के सिरफिरे जो बंदूकें लेकर घूम रहे हैं, उनके लिए पूरे सिख समुदाय को बदनाम करना सही नहीं है।'' केंद्र सरकार को इन राजनीतिक दलों को बुला कर बात करनी चाहिए थी। इस मुद्दे पर पूरे भारत को एक आवाज में बात करनी चाहिए। अलग-अलग सुर में बात करने का कोई मतलब नहीं है। विश्लेषकों का मानना कि इस मामले में पंजाब के लोगों के बड़े हित दांव में लगे हैं। कनाडा में सिखों की आबादी वहां की कुल आबादी के दो प्रतिशत है। ये लोग पंजाब में अपने परिवार वालों के लिए काफी पैसे भेजते हैं। पंजाब की अर्थव्यवस्था को इससे बड़ी मदद मिलती है। इस मामले का उलझते जाना पंजाब और भारत के हित में नहीं है। इस मामले में अमेरिका ने कहा है कि फाइव आइज अलायंस के तहत साझा की गई सूचना के आधार पर ही ट्रूडो ने निज्जर की हत्या से जुड़ा बयान जारी किया है। हालांकि भारत तीसरे पक्ष के समझौते के खिलाफ है। लेकिन इस मामले को सुलझ

जाना ही दोनों देशों के हित में है। केंद्र और पंजाब सरकार दोनों का दायित्व है कि वो सारी पार्टियों को इकट्ठा कर कहे कि वो बयानबाजी बंद करे। केंद्र के पास इस मामले में ज्यादा जानकारी है। उसे राजनीतिक दलों को समझाना चाहिए कि इस पर बयानबाजी न करें और अपने लोगों को भी इससे रोकना चाहिए। बीजेपी के लोग बयान जारी कर देते हैं और कहते हैं ये राष्ट्रवादी बातें हैं। लेकिन ये सियासी और राजनयिक बातें हैं इस पर बेहद संभल कर बात करना चाहिए। पिछले दो-तीन दिनों से कनाडा को लेकर पंजाब के राजनीतिक दलों के बीच जिस तरह की बयानबाजियां चल रही थीं वो अब थमती दिख रही हैं। पंजाब के लिए ये मुद्दा बेहद संवेदनशील है। कहा जा रहा है कि राजनीतिक दलों ने इसकी गंभीरता समझते हुए बहुत जल्दी खुद को संभाल लिया है। पंजाब के राजनीतिक दलों ने इस मामले में 'वोट बैंक की पॉलिटिक्स' नहीं करनी चाहिए। इसका सबसे ज्यादा असर पंजाबियों पर ही पड़ेगा। अगर मामला और बिगड़ने पर कनाडा या भारत सरकार कोई ज्यादा सख्त कदम उठाती है तो इसका पूरे पंजाब पर असर पड़ेगा। पंजाब के लोगों का कनाडा जाने का सिलसिला 1904 में शुरू हुआ था। अब तो कनाडा जाने वालों की बाढ़ आ गई है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप, कनाडा के आंकड़ों के मुताबिक कनाडा में भारतीयों को पक्की नागरिकता मिलने की रफ्तार बेहद तेज हो गई है। भारत और कनाडा के बीच रिश्ते खराब होने का सबसे ज्यादा असर यहाँ पढ़ाई के लिए कनाडा जाने वाले छात्रों पर पड़ेगा। दोनों देशों के बीच ताजा विवाद का असर दिखने भी लगा है। यहां पढ़ाई के लिए जरूरी इंग्लिश लैंग्वेज टेस्टिंग सिस्टम जैसी परीक्षा की तैयारी करवाने वाले पंजाब के कोचिंग संस्थानों में स्टूडेंट्स आने कम हो गए हैं। उन्हें लगता है कि हमारे पैसे कहीं फंस न जाएं। कनाडा में बैचलर डिग्री के लिए 50 से 60 लाख रुपये खर्च करने पड़ते हैं। सबके पास तो पैसे नहीं हैं। लिहाजा लोग मकान, जमीन, गहने गिरवी रख कर वहां बच्चों को पढ़ाई के लिए पैसा इकट्ठा करते हैं। हालांकि ये भी सच है कि 90 फीसदी बच्चे इस उद्देश्य से नहीं जाते कि पूरी पढ़ाई कर डिग्री लें। वो वहां जाते ही प्वाइंट इकट्ठा करने लगते हैं ताकि परमानेंट रेजिडेंटशिप मिल जाए। किसी भी कीमत पर वो वापस नहीं आना चाहते हैं। वो वहीं बस जाना चाहते हैं। बहुत से लोग अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया का भी रास्ता वहाँ से तलाशते हैं। दूसरी तरफ जानकारों का कहना है कि पंजाब में ये वो दौर है, जहां

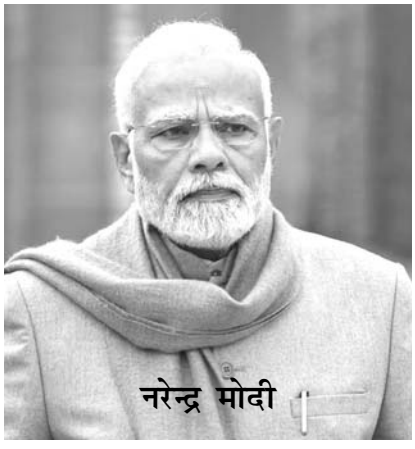
नरेन्द्र मोदी

खालिस्तानी समर्थक तत्वों के लिए कोई समर्थन नहीं दिखता। ये इक्का-दुक्का बंदूक उठाए हुए लोग हैं, जो विदेश में खालिस्तान का नारा बुलंद करते हैं। इनके आधार पर पूरे पंजाबी समुदाय को बदनाम करना ठीक नहीं है। लेकिन हमारी मुख्यधारा के मीडिया मे खालिस्तान का शोर मचा हुआ है। मेरे ख्याल से इस पर सरकार को तुरंत रोक लगानी चाहिए। देश में किसी भी कीमत पर हिंदू और सिख ध्रुवीकरण नहीं होना चाहिए। पंजाब में कोई भी खालिस्तान की बात नहीं करता। इसकी बात सिर्फ विदेशों में सुनने को मिलती है। एक सर्वे के मुताबिक देश के 95 फीसदी सिख खुद को एक भारतीय बता कर गौरवान्वित होते हैं। देश के 77 फीसदी सिख पंजाब में रहते हैं। 93 फीसदी सिख पंजाब में रहने में काफी गर्व महसूस करते हैं। 95 फीसदी खुद को भारतीय कहलाने में गर्व करते हैं। दस में से आठ सिख सांप्रदायिक हिंसा को देश की बड़ी समस्या के तौर पर देखते हैं। गौरतलब है कि कनाडा और भारत के बीच हालिया राजनयिक विवाद का असर कनाडा की सेना के साथ संबंध ों पर नहीं पड़ेगा और वह अगले सप्ताह हिंद-प्रशांत देशों के सेना प्रमुखों की दिल्ली में होने वाली बैठक में हिस्सा लेगी। भारतीय सेना 26 और 27 सितंबर को इस संगोष्ठी की मेजबानी कर रही है जिसका उद्देश्य चीन की इलाके में बढ़ती सैन्य आक्रामकता की पृष्ठभूमि में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए साझा रणनीति बनाना है। थलसेना मुख्यालय में रणनीतिक योजना के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल अभिन्य राय ने कहा कि इसका असर नहीं पड़ेगा। कनाडा के सेना प्रमुख यहां आ रहे हैं, उनका प्रतिनिधिमंडल यहां आ रहा है। उन्होंने कहा, जब हम अपने कुछ पड़ोसी देशों के साथ ऐसे संबंधों को देखते हैं, जहां पर गतिरोध बने रहने की आशंका होती है, वहां प्रत्येक स्तर पर संपर्क बना रहता है, फिर चाहे सैन्य स्तर पर हो या राजनयिक स्तर पर और मैं यहां प्रत्यक्ष रूप से चीन का संदर्भ दे रहा हूं। मेजर जनरल राय का मानना है कि भारत के कनाड़ा के साथ राजनयिक और सैन्य संबंध प्रभावित नहीं होंगे। कनाडा के सैन्य अधिकारियों ने भी जोर दिया है कि राजनयिक विवाद का असर कनाडा और भारत के रक्षा संबंधों पर नहीं पड़ेगा।

बहरहाल, अब समझते हैं विवाद से दोनों देशों के आर्थिक और राजनीतिक मोर्चों पर क्या असर होगा? कनाडा के इन्वेस्ट इंडिया पेज के मुताबिक अप्रैल 2000 से मार्च 2023 तक कनाडा ने भारत में लगभग 3,306 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। कनाडा भारत में 17वां सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है। कनाडाई निवेश कुल एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) प्रवाह का लगभग 0.5 प्रतिशत है। वहीं, दूसरी ओर भारत 2022 में कनाडा का नौवां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। आपको बता दें कि 600 से अधिक कनाडाई कंपनियां भारत में अपना बिजनेस करती है। कैनेडियन पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड ने भारत में कई निवेश किए हैं। हालिया फाइलिंग से पता चलता है कि ये निवेश कुल मिलाकर 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। कनाडा पेंशन फंड ने कोटक महिंद्रा बैंक, जोमैटो, पेटीएम, नायका, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक जैसी कंपनियों में निवेश किए हुए है। दूसरी तरफ 2018 से कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों में सबसे अधिक भारत से पढ़ने जाने वाले बच्चे हैं। कनाडाई ब्यूरो ऑफ इंटरनेशनल एजुकेशन का कहना है कि 2022 में उनकी संख्या 47% से बढ़कर लगभग 320,000 हो गई, जो कुल विदेशी छात्रों का लगभग 40% है, जो विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को घरेलू छात्रों को रियायती शिक्षा प्रदान करने में भी मदद करता है। वही इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) के आंकड़ों के अनुसार कनाडा में स्थायी निवासी बनने वाले भारतीयों की संख्या 2013 के 32,828 से बढ़कर करीब 260 फीसदी बढ़कर 2022 में 1,18,095 हो गई। बता दें कि कनाडा में इस समय पंजाब के तकरीबन एक लाख 60 हजार स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं। ये सब स्टडी वीजा पर वहां गए हैं। अकेले पंजाब से हर साल औसतन 50 हजार युवा पढ़ने के लिए विदेश जाते हैं। ये नौजवान कनाडा और दूसरे मुल्कों में पढ़ाई के साथ-साथ अपना खर्चा निकालने के लिए वहां छोटा-मोटा काम भी कर लेते हैं। ऐसे में दोनो देशों के बीच के बढ़ते विवाद पर इनके भविष्य पर कैसा असर पड़ेगा, यह समझना जरूरी होगा।●

नौ दिनों तक माँ दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूप

● निलेन्दु झा

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान प्रताप चौक सहरसा के संस्थापक ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा के अनुसार हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 15 अक्टूबर से है और इसी तिथि से अगले नौ दिनों तक शक्ति की साधना और आराधना शुरू हो जाएगी,शारदीय नवरात्रि 15 अक्टूबर से 24 अक्तूबर तक रहेगी, जिसमें नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है और दशमा दिन विसर्जन होता है, इस वर्ष शारदीय नवरात्रि पूरे 10 दिनों तक रहेगी, नवरात्रि के पहले दिन शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना करते हुए मां के पहले स्वरूप शैलपुत्री की पूजा आराधना होगी,तथा 21अक्टूबर को महासप्तमी 22 को महाअष्ट्मी,23 को महानवमी,24 को विजयादशमी हैँ,इस वर्ष शारदीय नवरात्रि पर देवी दुर्गा का पृथ्वी पर आगमन हाथी की सवारी के साथ होगा, नवरात्रि पर दुर्गा उपासना, पूजा,उपवास और मंत्रों के जाप का विशेष महत्व होता है, साथ हीं दुर्गा सप्तसती का एक अध्याय हीं सही,आरती, एवं देवी क्षमा प्रार्थना हर घर में होना चाहिए!

ज्योतिषचार्य पंडित तरुण झा बताते हैँ की देवी भागवत पुराण के अनुसार:-

शशिसूर्ये गजरूढा शानिभौमे तुरंगमे।
गुरौशुक्रेच दोलायां बुधे नौका प्रकीर्तिता!!

इस बार रविवार को मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आ रही हैं! ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब रविवार और सोमवार से नवरात्रि प्रारंभ होती है, तो देवी का वाहन हाथी होता है, माता के हाथी पर सवार होने का मतलब है सुख सम्पन्नता बढ़ेगी,वर्षा की सम्भावना बढ़ेगी,साथ ही कई मायनों में शुभ होगा, रोग, शोक दूर होता हैँ, सभी दृष्टिकोण से फालदाई होता हैँ! वैदिक पंचांग गणना के अनुसार 15 अक्टूबर को देवी आराधना की पूजा और कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 11.44 Am से शुरू होकर 12.30 PM तक शुभ मुहूर्त है!

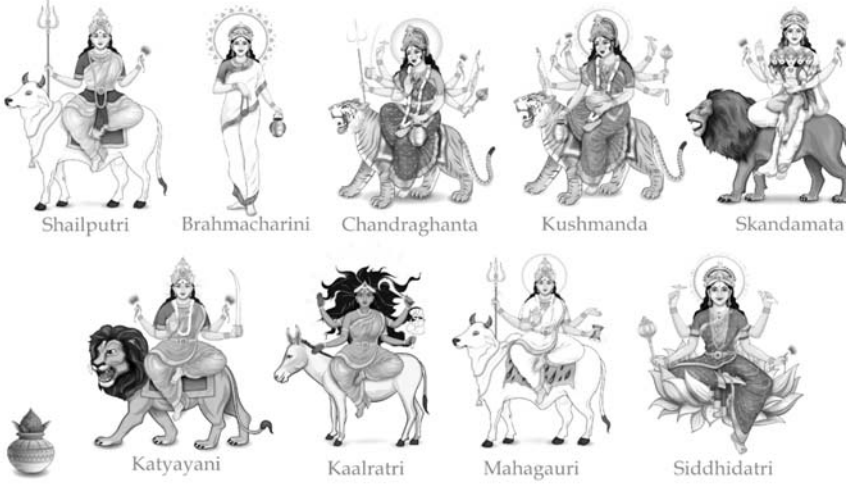

★ **विशेष मंत्र :**

ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चौ।

मंगल कामना के साथ इस मंत्र का जाप करें।

☞ मां शैलपुत्री (पहला दिन)- 15 अक्टूबर 2023, घट स्थापना!

☞ मां ब्रह्मचारिणी (दूसरा दिन)- 16 अक्टूबर 2023, द्वितीया तिथि।

☞ मां चंद्रघंटा (तीसरा दिन)- 17 अक्टूबर 2023, तृतीया तिथि।

☞ मां कुष्मांडा (चौथा दिन)- 18 अक्टूबर 2023, चतुर्थी तिथि।

☞ मां स्कंदमाता (पांचवा दिन)- 19 अक्टूबर 2023, पंचमी तिथि।

☞ मां कात्यायनी (छठा दिन)- 20अक्टूबर 2023 षष्ठी तिथि।

☞ मां कालरात्रि (सातवां दिन)- 21अक्टूबर 2023, सप्तमी तिथि।

☞ मां महागौरी (आठवां दिन)- 22अक्टूबर 2023, दुर्गा अष्टमी।

☞ महानवमी, (नौवां दिन)- 23 अक्टूबर 2023, शारदीय नवरात्रि व्रत पारण एवं कन्या पूजन।

★ **दशमी दुर्गा विसर्जन :-**

☞ (दशमी दिन)-24 अक्टूबर 2023 दुर्गा विसर्जन। ●

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति विशेष से अनबन हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

वृषभ राशि :- भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे,रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी, व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा, अप्रत्याशित लाभ हो सकता है,निवेशादि शुभ रहेंगे,कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा, प्रसन्नता रहेगी,दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

मिथुन राशि :- कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े,आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे, पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा।

कर्क राशि :- वाणी पर नियंत्रण रखें,दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे, आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है,व्यय होगा, जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे, आय बनी रहेगी, दुष्टजनों से दूर रहें, चिंता तथा तनाव रहेंगे,शत्रु शांत रहेंगे।

सिंह राशि :- व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। मान-सम्मान मिलेगा, अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे,कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है,वाणी पर नियंत्रण रखें,किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे, अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा।

कन्या राशि :- मान-सम्मान मिलेगा, यात्रा मनोरंजक रहेगी, किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा,विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा,स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा,शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में सोच-समझकर हाथ डालें, जल्दबाजी न करें,समय अनुकूल है।

तुला राशि :- कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है,विवेक से कार्य करें,समस्या दूर होगी,कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी,किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा, कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी, नौकरी में शांति रहेगी, सहकर्मियों का साथ मिलेगा, धनार्जन होगा।

वृश्चिक राशि :- आराम का समय मिलेगा, आशंका-कुशंका रहेगी,कीमती वस्तुएं संभालकर रखें,नई योजना बनेगी, कार्यप्रणाली में सुधार होगा, कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें,आय में वृद्धि होगी, सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी,घर-बाहर पूछ-परख रहेगी, रोजगार में वृद्धि होगी, प्रमाद न करें!

धनु राशि :- प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी, शुभ समाचार मिल सकता है,शारीरिक कष्ट संभव है,अज्ञात भय रहेगा,लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी,बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी, मित्रों का सहयोग कर पाएंगे,मान-सम्मान मिलेगा,आय में वृद्धि होगी।

मकर राशि :- मान-सम्मान के योग बनेंगे,वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें, कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, शारीरिक शिथिलता रहेगी, काम में मन नहीं लगेगा,किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा, पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं,नौकरी में अपेक्षानुरूप कार्य न होने से अधिकारी की नाराजी झेलना पड़ेगी।

कुंभ राशि :- यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा,जल्दबाजी व विवाद करने से बचें, थकान महसूस होगी, किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है, कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल रहेंगे, धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है,पूजा-पाठ में मन लगेगा,लाभ के अवसर हाथ आएंगे, प्रसन्नता रहेगी।

मीन राशि :- भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी,बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं,आय में वृद्धि होगी,परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी, निवेश शुभ रहेगा, भाग्य का साथ रहेगा,नौकरी में अनुकूलता रहेगी प्रसन्नता रहेगी कुबुद्धि हावी रहेगी स्वास्थ्य का ध्यान रखें,विवाद से दूर रहें, कुसंगति से बचें।

कानूनी सलाह

शिवानंद गिरि

(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485
7004408851

E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

☆ अगर कोई सरकारी सेवक कानून की अवहेलना करता है या अगर कोई पुलिस केस दर्ज करने से मना करता है तो इसके लिए उस सरकारी सेवक पर किस प्रकार का मुकदमा चलेगा?

भारतीय दंड संहिता की धारा 166 ए में सरकारी अधिकारी या कर्मचारी के बारे में बतलाया गया है जो कानून के तहत निर्देश की अवहेलना या उल्लंघन करता हैद्य भारतीय दंड संहिता की धारा 166 उस लोक सेवा या सरकारी कर्मचारियों के लिए सजा का प्रावधान करती है जो किसी व्यक्ति को चोट पहुंचाने के इरादे से कानून का उल्लंघन करता है , इस धारा के दो भाग और भी हैं जिसमें धारा 166 ए और धारा 166 भी शामिल हैद्य आईपीसी 1860 की धारा 166 ए में उस लोक सेवा या सरकारी कर्मचारियों के बारे में बतलाया गया है जो कानूनी आदेशों का पालन नहीं करता हैद्य आईपीसी की धारा 166 ए के अनुसार जो कोई लोक सेवक होते हुए:-
(1) विधि के किसी ऐसे निर्देश की जो किसी अपराध में आवेला के प्रयोजन या किसी अन्य मामले के लिए किसी व्यक्ति की किसी स्थान पर उपस्थित के अपेक्षा करने से उसे प्रतिसिद्ध करता जानते हुए अवज्ञा करेगा।
(2) उस ढंग को जिस ढंग से वह ऐसे अन्वेषण को संचालित करेगा एवं विनियमित करने वाली विधि के किसी अन्य निर्देश या किसी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना जानते हुए अवज्ञा करेगा या
(3) दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 154 की उपधारा 1 के अधीन और विशिष्ट रूप से धारा 326 क धारा 326 ख धारा 354 धारा 354 ख धारा 370 धारा 370 क धारा 376 धारा 376 क धारा 376 कख धारा 376 ख 376 ग 376 घ 376 घ क 376 घ ख 376 ड़ धारा 509 के अधीन दंडनीय संगेय अपराध के संबंध में उसकी दी गई इतिला को अभीलिखित करने में असफल रहेगा वह अपराधी के तौर पर सजा का हकदार होगा।

सजा का प्रावधान :- ऐसी गलती करने वाले दोषी लोक सेवक को कठोर कारावास से दंडित किया जाएगा जिसकी अवधि 2 वर्ष तक की हो सकेगी साथ ही उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकेगा।

☆ ☆ क्या कोई हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी मेंटेनेंस का दावा कर सकती है ?

हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम 1956 की धारा 18 दो में उन अवस्थाओं का वर्णन है जिनमें एक हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी भरण पोषण का दावा कर सकती है (1)यदि पति- पत्नी के अभित्याग का अपराधी हो अर्थात पति उचित कारण के बिना या बिना पत्नी की राय के या उसकी इच्छा के विरुद्ध उसे त्यागता है या उपेक्षा पूर्वक उसकी अवहेलना करता है (2) यदि पति ने इस प्रकार के निर्दयता का व्यवहार किया है जिससे उसकी पत्नी के दिमाग में युक्तियुक्त संदेह उत्पन्न हो जाए कि उसका पति के साथ रहना हानिकारक या घातक है(3) यदि पति कुष्ठ रोग से ग्रसित है (4) यदि पति की कोई दूसरी जीवित पत्नी है उस घर में जिसमें उसकी पत्नी रहती है उसी में रखैल रखता है या अन्यत्र कहीं उस रखैल के साथ प्राय: रहता है (5)यदि वह हिंदू धर्म त्याग कर कोई दूसरा धर्म अपना लेता है (6) यदि कोई अन्य कारण है जो उसके पृथक निवास को न्यायोचित ठहराता है।

यहां त्याग तथा क्रूरता की स्थिति का निर्वचन उसी अर्थ में किया जाएगा जिस अर्थ में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 10 एवं 13 के अंतर्गत किया गया है उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के निर्णय से यह प्रतिष्ठित हो चुका है कि अभीत्याग के लिए पृथक निवास तथा वैवाहिक संबंध समाप्त करने का स्थाई आशय आवश्यक तत्व है और क्रूरता शारीरिक एवं मानसिक दोनों हो सकती है केरल उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ ने एक वाद मे सामाजिक दृष्टिकोण को अपनाते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिया कि जहां पति अभित्याग का दोषी है वहां यह साबित करना कि ही पर्याप्त होगा कि वह अलग रह रहा है (चारू बना क्रॉउन 1929)10 लाहौर 265)। दत्तक ग्रहण अधिनियम और भरण पोषण अधिनियम ने पत्नी के पृथक निवास और भरण पोषण के अधिकार को विस्तृत कर दिया है। इस की धारा 18 (2) में ऐसी दशाओं का वर्णन किया गया है जिसके अनुसार एक हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी भरण पोषण प्राप्त करने का दावा कर सकती है।

भरण पोषण का अधिकार व्यक्तिगत होने से पत्नी अपने पति के जीवन काल में उसके किसी अन्य संबंधी को इस उपधारा के अधीन भरण-पोषण पाने के लिए तथा अलग निवास के अधिकार के लिए रखैल और पत्नी का उसी घर में रहने की बात साबित होना जरूरी है किंतु उपर्युक्त स्थिति में जब की रखैल उसी घर में रह रही है और पत्नी अलग हो गई है तो धारा 18(2) (7)केअधीन भरण-पोषण पाने की अधिकारी हो जाएगी(भद्रा रेड्डी वनाम शानमया ए आई आर 1987 कर्नाटक 209) नरेंद्र पाल कौर चावला बनाम मनजीत सिंह चावला एआईआर 2008 दिल्ली 07 के मामले में न्यायालय ने यह कहा कि जहां पति ने अपनी पत्नी के होते हुए दूसरी पत्नी से विवाह किया है और उसकी दूसरी पत्नी को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उसके पति ने इस विवाह के पूर्व विवाह संपन्न किया है और और दूसरी पत्नी की है सिर्फ से वाह 14 वर्षों से लगातार उसके साथ निवास कर रही है जिसके परिणाम स्वरूप उससे उसको दो पुत्रियां उत्पन्न हुई उपरोक्त मामलों का अवलोकन करते हुए न्यायालय ने यह भी निर्धारित किया की दूसरी पत्नी हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम की धारा 18 की उप धारा 2 के अंतर्गत उसकी पहली पत्नी के जीवित रहते रहने की अवस्था में भी वह अपने पति से भरण पोषण प्राप्त कर सकती है इस संबंध में न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि दूसरी पत्नी से इस विश्वास के साथ विवाह किया गया कि वह उससे पहली बार विवाह जब पत्नी की ओर से कोई वाद पृथक भरण पोषण के लिए न्यायालय में दायर किया जाता है तो न्यायालय कोई अधिकार है की पत्नी एवं पति के पारस्परिक संबंध के स्वीकृत हो जाने पर अंतरिम भरण-पोषण का प्रबंध कर दे मीना चोपड़ा बनाम दीपक चोपड़ा एआइआर 2002 दिल्ली के मामले में पति एक बहुत ही अमीर व्यक्ति था जो अनैतिक जीवन व्यतीत करता था विवाह उपरांत उसने अपनी पत्नी से विवाह विच्छेद कर लिया था पत्नी ने विवाह विच्छेद के पश्चात अपने भरण पोषण के लिए हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम के अंतर्गत एक आवेदन न्यायालय के समक्ष दिया प्रस्तुत मामले में न्यायालय ने पति की स्थिति का अवलोकन करते हुए आदमी को अधिनियम की धारा 18 के अंतर्गत 20000 रूपये प्रतिमाह भरण पोषण हेतु देने का आदेश दिया।

JHARKHAND EDUCATIONAL & CULTURAL DEVELOPMENT SOCIETY

Telaiya Basti, Jhumri Telaiya, Dist.- Koderma-825409 (Jharkhand), Ph.: 06534-298006, 9431224775, 7766077346

RUN

JHARKHAND TEACHER'S TRAINING COLLEGE

JHUMRI TELAIYA, KODERMA — NAAC GRADE- 'B'

Recognised by NCTE New Delhi, Recognised by BCI, New Delhi, Affiliated to VBU, Hazaribag & Approved by State Govt. Ranchi, Ph.: 06534-227007, 226007, Email : jttckoderma10@gmail.com

B.Ed/D.El.Ed through Combined Entrance Test

B.ED.
D.El.Ed

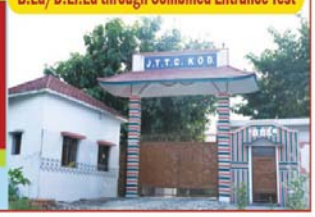

Prof. (Dr.) Sandeep Mishra
Principal, 9464778921

JHARKHAND EVENING (DEGREE) COLLEGE

JHUMRI TELAIYA, KODERMA

Recognised by NCTE New Delhi, Recognised by BCI, New Delhi, Affiliated to VBU, Hazaribag & Approved by State Govt. Ranchi, Ph.: 06534-227007, 226007, Email : jttckoderma10@gmail.com

Admission Application is going on through Chancellors Portal

All Arts & Commerce Hons. & Pass Course

Prof. Manish Pankaj
Principal, 8825318149

JHARKHAND VIDHI MAHAVIDYALAYA

JHUMRI TELAIYA, KODERMA

Recognised & Affiliated to VBU & Approved by BCI, New Delhi & Govt. of Jharkhand, Ranchi
Ph. : 06534-226492, Email : jharkhandvidhimahavidyalaya@gmail.com

Admission Application is going on through Chancellors Portal

LLB- 3yrs | BA.LLB- 5 yrs

Dr. D.N. Mishra
Chairman, Jharkhand Educational & Cultural Development Society

Prof. (Dr.) Vikas Rai
Principal, 7004195467

JHARKHAND COLLEGE OF PHARMACY

Recognized by : Pharmacy Council of India, New Delhi

Affiliated / Approved by: Ministry of Health & Family Welfare Govt. of Jharkhand, Ranchi Under the Aegis of JECDS Koderma / AP Memorial Trust

ADMISSION OPEN SESSION 2023-25

Diploma in Pharmacy (D.Pharma)

Bishunpur Ashram Road, Jhumri Telaiya, Koderma (Jharkhand)
Mob.: 9771639806, 06534 298006, 94312 24775, 6203037810, 9546829901
E-mail: jharkhandcollegeofpharmacy@gmail.com | Website : www.jharkhandcollegeofpharmacy.com

Ashirwad आशीर्वाद

स्व-तंत्र अलौकिक चिकित्सालय

Badauan, Gaya (Bihar)

डायबिटीज, गठिया, चर्मरोग, पथरी, एक्जिमा, गैस्ट्रिक, माइग्रेन, बांझपन, ल्यूकोरिया, थायराइड, मोटापा, श्वास, बवासीर, इत्यादि जटिल रोगों का उपचार करा कर थक चुके हैं, तो सम्पर्क कर सकते हैं :-

Dr. Mantu Mishra

फोन नंबर :- 9939978397

समय :- सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक

GSTIN : 10KEPD0123PIZP

उत्तर भारत का COOKIE MAKER, सीवान में पहली बार आपके लिए लेकर आया है

Cookie का बेहतर श्रृंखला

PRATIK ENTERPRISES

राजपुर (रघुनाथपुर) में अत्याधुनिक मशीनों द्वारा रस्क, बिस्कुट, बर्गर, मीठा ब्रेड, वंद, क्रीम रोल, पेटीज और बर्ड डे केक, पार्टी केक ग्राहकों के मनपसंद तैयार किया जाता है।

शुद्धता एवं स्वाद की 100% गारंटी

किसी भी अवसर पर एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।

प्रतीक फुड कंपनी

प्रतीक इंटरप्राइजेज, प्रतीक पतंजलि

राजपुर, रघुनाथपुर, सीवान (बिहार)

-: सौजन्य से :-

ब्रजेश कुमार दुबे

Mob.-9065583882, 9801380138

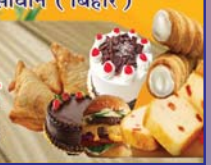

!! सर्वे सन्तू निरामया !!

Reg. No. 13(N)/2020-24

हसुआ ऑर्थो क्लिनिक

खुशी डिजिटल एक्स-रे

पता- प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय से पूरब, मछली मंडी से दक्षिण स्टेशन रोड, हिसुआ (नवादा)

डॉ० संदीप कुमार सिन्हा
Bone Joint
& Vein Disease Specialist
M.B.B.S. (Hons.) B.H.U. D.N.B. (Ortho)
Ex. Senior Resident D.D.U.
Batra Hospital, New Delhi.

डॉ० रवि निवास
हड्डी जोड़
एवं नस रोग विशेषज्ञ
B.A.M.S. (Ranchi)
D.O.T.T. A.N.M.C. (Gaya)

-: उपलब्ध सुविधाएँ :-

1. C-Arm द्वारा समस्त टूटी हड्डीयों की प्लास्टर और ऑपरेशन की सुविधा।
2. पूर्ण रूप से घुटना तथा कुल्हे (TKR & THR) के बदलने की सुविधा।
3. जन्म से टेढ़ी एवं टूटने के बाद टेढ़ी हड्डीयों को सीधा करने की सुविधा।
4. स्पाईनल सर्जरी की सुविधा।
5. आधुनिक फिजियोथेरॉपी की सुविधा।
6. डिजिटल एक्स-रे की सुविधा।

24/7 आपातकालीन सेवा

Contact No.- 9934627541, 7631616936, 9771363411, 8292166046

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008